THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 7 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.6 2080 सोमवार, 27 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अतीक को एनकाउंटर का डर

यूपी एसटीएफ लेकर प्रयागराज रवाना

थर-थर कांपने लगा माफिया...

अहमदाबाद/लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। उमेश पाल मर्डर केस के आरोपी गैंगस्टर अतीक अहमद को यूपी पुलिस अहमदाबाद की साबरमती जेल से रविवार शाम 5 बजकर 44 मिनट पर बाहर लेकर आई। यूपी एसटीएफ ने उसे वैन में बैठाया और प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। जेल के बाहर अतीक ने मीडिया से कहा, ये मेरी हत्या करना चाहते हैं।

अतीक को प्रयागराज के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में मंगलवार यानी 28 मार्च को पेश किया जाएगा। प्रयागराज लाने के दौरान अतीक यूपी एसटीएफ की वैन में करीब 1300 किलोमीटर का रास्ता तय करेगा। सफर 22 से 24 घंटे का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने अभी रूट सार्वजनिक नहीं किया है।

अतीक अहमद को किस मामले में प्रयागराज ले जाया जा रहा

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अतीक ने 2006 में उमेश पाल को गन पॉइंट पर अगवा कर लिया था। उमेश ने 2007 में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कराया था। इस केस में प्रयागराज की स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट 28 मार्च को फैसला सुनाएगी। इसी केस में आरोपी अतीक को कोर्ट में पेश करने के लिए यूपी एसटीएफ उसे अहमदाबाद की साबरमती जेल से लेकर चली है।

यूपी एसटीएफ टीम को साबरमती जाने की जानकारी ही नहीं थी

रविवार सुबह साढ़े नौ बजे यूपी पुलिस की टीम अहमदाबाद साबरमती जेल पहुंची थी। इसमें करीब 40 पुलिसकर्मी शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को साबरमती जाने की जानकारी नहीं थी। टीम को शुक्रवार दोपहर बड़े अफसरों का फोन आया था कि वह तुरंत प्रयागराज पुलिस मुख्यालय पहुंचे। यहां दो वैन पहले से तैयार थीं। एसटीएफ के जवानों को हथियारों के साथ इसमें बैठाया गया।

इस वैन के साथ एक बोलेरो भी थी। इसमें इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी बैठाए गए। इन्हें फोन के जरिए बड़े अफसर रूट की जानकारी दे रहे थे। साबरमती के लिए रवाना हुए अफसरों को बस यही कहा गया था कि जैसा बताया जाए, वैसे ही रूट फॉलो करना है।

स्पेशल टीम जब अहमदाबाद पहुंची तो उन्हें सीधे हाई सिक्योरिटी जोन वाले साबरमती जेल जाने का निर्देश मिला। यहां पहले से कुछ अधिकारी गैंगस्टर अतीक अहमद का ट्रांसफर वारंट लेकर मौजूद थे।

राजघाट पर प्रियंका बोलीं

लगा दो मुझ पर केस

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने के खिलाफ कांग्रेस रविवार को देशभर में संकल्प सत्याग्रह कर रही है। प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन जैसे बड़े नेता सुबह-सुबह राजघाट पहुंचे। पुलिस ने यहां धारा 144 लगा दी, लेकिन नेता और कार्यकर्ता इसके बावजूद पहुंचे। उधर, राहुल गांधी ने रविवार को ट्विटर पर अपना बायो बदल दिया। उन्होंने खुद को डिसक्वालिफाइड सांसद लिख दिया है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि आज तक हम चुप रहे हैं तो आप हमारे परिवार का अपमान करते गए। मैं पूछना चाहती हूं कि एक आदमी का कितना अपमान करोगे। मुझ पर केस लगा दो, लेकिन सच ये है कि इस देश का प्रधानमंत्री कायर है।

लोकसभा सेक्रेटेरिएट ने 24 मार्च को राहुल गांधी को डिसक्वालिफाइड कर दिया था। राहुल केरल के वायनाड से सांसद थे। यह एक्शन मानहानि केस में राहुल को 2 साल की सजा सुनाए जाने के बाद लिया गया। राहुल ने 2019 में कर्नाटक की सभा में मोदी सरनेम को लेकर बयान दिया था।

प्रियंका गांधी ने कहा, मेरे पिता का संसद में अपमान किया गया। ये लोग शहीद के बेटे को देशद्रोही कहते हैं, मीर जाफर कहते हैं। एक मुख्यमंत्री तो यहां तक कहते हैं कि राहुल को पता ही नहीं उनका पिता कौन है।

>14

24 घंटों में कोरोना के 1,890 मरीज मिले

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। देश में कोरोना के 1,890 नए मरीज सामने आए। ये संख्या पिछले 149 दिनों (5 महीनों) में सबसे ज्यादा है। इससे पहले 28 अक्टूबर, 2022 को देश में 2,208 नए कोरोना के मामले सामने आए थे। देश में एक्टिव मामले बढ़कर 9,433 हो गए हैं। शनिवार को कोरोना से 7 मौतें भी हुईं। इनमें से 3 केरल और 2-2 मौत महाराष्ट्र और गुजरात में हुईं। डेली पॉजिटिविटी रेट 1.56 प्रतिशत और वीकली पॉजिटिविटी रेट 1.29 प्रतिशत रही।

फिलहाल सबसे ज्यादा केस महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, दिल्ली और कर्नाटक में दर्ज किए जा रहे हैं। कोरोना की पिछली दो लहरों में यही राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हुए थे। इसे देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश को लेटर लिखा है। उन्होंने राज्यों से कोरोना टेस्टिंग बढ़ाने और हालात पर नजर रखने को कहा है।

वरिष्ठ नेता श्रीनिवास की कांग्रेस में वापसी

पूर्व सांसद डी. श्रीनिवास कांग्रेस पार्टी छोड़ने के करीब 9 साल बाद रविवार को फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए।

हैदराबाद, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पूर्व सांसद डी. श्रीनिवास कांग्रेस पार्टी छोड़ने के करीब 9 साल बाद रविवार को फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। वरिष्ठ नेता डी. श्रीनिवास अपने बेटे धरमपुरी संजय के साथ तेलंगाना कांग्रेस के प्रभारी माणिकराव ठाकरे, राज्य कांग्रेस प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी और अन्य नेताओं की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए। श्रीनिवास, जिनके दूसरे बेटे डी. अरविंद निजामाबाद से भाजपा सांसद हैं, वह व्हीलचेयर से कांग्रेस पार्टी के राज्य मुख्यालय गांधी भवन पहुंचे।

पूर्व राज्यसभा सदस्य को के. जना रेड्डी, रेणुका चौधरी और उत्तम कुमार रेड्डी जैसे वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी में फिर से शामिल किया गया है। श्रीनिवास ने दो बार आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) का नेतृत्व किया था और राजशेखर रेड्डी कैबिनेट में मंत्री के रूप में भी कार्य किया था।

श्रीनिवास ने 2014 में नवगठित तेलंगाना राज्य में पहली सरकार बनाने के बाद तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के प्रति निष्ठा बदल ली थी। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने उन्हें सरकार के विशेष सलाहकार के पद से पुरस्कृत किया था और बाद में 2016 में उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाया था। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर, निजामाबाद के वरिष्ठ नेता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों का सामना करना पड़ा।

केसीआर की बेटी के. कविता निजामाबाद लोकसभा क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ रही थीं, और अन्य टीआरएस नेताओं ने केसीआर से शिकायत की थी कि श्रीनिवास अपने बेटे तथा भाजपा नेता डी. अरविंद को बढ़ावा देकर पार्टी के खिलाफ काम कर रहे थे। अरविंद ने कविता को हराकर जीत दर्ज कर ली थी।

विधायक का आरोप : तेदेपा ने उन्हें की थी 10 करोड़ रुपये की पेशकश

रजोल, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रजोल विधायक रापाका वरप्रसाद ने आरोप लगाया कि पिछले हफ्ते एमएलसी चुनाव में विधायक कोटे के तहत तेलुगू देशम पार्टी ने उनके उम्मीदवार को वोट देने के लिए उन्हें 10 करोड़ रुपये की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को नैतिक आधार पर ठुकराया था। 2019 में जन सेना पार्टी के टिकट पर जीतने वाले एकमात्र उम्मीदवार वरप्रसाद सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का समर्थन करते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीडीपी ने उनके मित्र के माध्यम से उनसे संपर्क किया था और यहां तक कि उसके उज्ज्वल भविष्य का वादा करते हुए विधानसभा में भी उनसे टीडीपी को वोट देने का आग्रह किया था।

अमित शाह ने बीदर में 103 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया

बोले- 2.5 फीट ऊंचा झंडा लगाने पर यहां निजाम ने कत्लेआम किया था, ये दूर से नजर आएगा

बेंगलुरू, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज एक दिन के कर्नाटक दौरे पर हैं। उन्होंने यहां के बीदर में 103 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस गरोटा गांव में एक निमाज ने सैंकड़ों लोगों को इसलिए मार डाला था, क्योंकि उन्होंने 2.5 फीट ऊंचा तिरंगा फहरा दिया था। आज मैं बहुत गर्व से कह सकता हूं कि इसी जमीन पर हमने 103 फीट ऊंचा तिरंगा फहराया है जो किसी से छिपेगा नहीं।

शाह ने गरोटा शहीद मेमोरियल का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि इसी जमीन पर उन अमर शहीदों के नाम स्मारक भी बनाया गया है। यहां बना सरदार पटेल का 20 फीट ऊंचा स्टैच्यू इस बात का प्रतीक रहेगा कि हैदराबाद के निजाम को हटाने में हमारे पहले गृह मंत्री ने कितनी अहम भूमिका निभाई थी। तब जाकर यह इलाका, यह बीदर भारत का हिस्सा बन पाया।

कर्नाटक में अब तक धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाता था

गृह मंत्री ने कहा कि कर्नाटक में अल्पसंख्यकों को अब तक दिया जा रहा रिजर्वेन संविधान के मुताबिक नहीं था। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रावधान है ही नहीं। कांग्रेस की सरकार ने अपनी ध्रुवीकरण की राजनीति के चलते अल्पसंख्यकों को आरक्षण दिया था। भाजपा ने उस आरक्षण को खत्म करके उसे वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों को दिया है।

उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने देश की आजादी की लड़ाई और हैदराबाद मुक्ति के युद्ध के शहीदों को कभी सम्मान नहीं दिया। अगर सरदार पटेल यहां न आते और हैदराबाद और बीदर को कभी आजादी नहीं मिलती।

गृहमंत्री का दो दिन में ये दूसरा कर्नाटक दौरा है। इससे पहले

उन्होंने बेंगलुरू में ड्रग ट्रैफिकिंग एंड नेशनल सिक्योरिटी की रीजनल कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया था।

रायचूर में रैली में अमित शाह ने कहा कि हाल ही में पूर्वोत्तर में चुनाव हुए। यहां किसी राज्य में कांग्रेस को 5 से ज्यादा सीटें नहीं मिलीं। जबकि, एनडीए ने तीनों राज्यों में सफलता पाई। मैं रायचूर के लोगों से अपील करना चाहता हूं कि शहर में विकास के लिए भाजपा को वोट दें।

बीदर में विजय संकल्प यात्रा की शुरूआत की

भाजपा सांसद अमित शाह ने पिछले शुक्रवार (3 मार्च) को कर्नाटक के बीदर में विजय संकल्प यात्रा की शुरूआत की थी। शाह ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित किया था। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार से राज्य का तेजी से विकास होगा। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक के विकास के लिए पांच हजार करोड रुपये का बजट आवंटित किया है।

कर्नाटक विधानसभा का कार्यकाल मई में पूरा हो रहा है। उससे पहले वहां विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव नजदीक होने की वजह से कर्नाटक में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के दौरे बढ़ गए हैं। कर्नाटक में फिलहाल भाजपा की ही सरकार है।

पीएम ने सबसे छोटी ऑर्गन-डोनर के माता-पिता की सराहना की

39 दिन की अबाबत की मौत के बाद किडनी दान की गई, पेरेंट्स बोले- हमें गर्व है

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 99वें एपिसोड को संबोधित किया। इस एपिसोड में उन्होंने ऑर्गन डोनेशन पर बात की। उन्होंने दो ऐसे परिवारों से बात की, जिनके किसी सदस्य की मृत्यु के बाद उसके अंगदान किए गए। इनमें से एक परिवार पंजाब का था, जिसकी 39 दिन की बच्ची देश की सबसे कम उम्र की ऑर्गन डोनर बनी।

पीएम मोदी ने इस एपिसोड में नारी शक्ति, क्लीन एनर्जी, कोरोना से सावधानी और अगल महीने होने जा रहे सौराष्ट्र-तमिल संगमम पर बात की। उन्होंने मन की बात के 100वें एपिसोड को लेकर लोगों की राय भी मांगी। उन्होंने कहा कि लोगों के विचार ही 30 अप्रैल को होने वाले 100वें मन की बात को खास बनाएंगे।

39 दिन की अबाबत की किडनी डोनेट की गई

ऑर्गन डोनेशन के बारे में बात करते समय पीएम मोदी ने देश की सबसे कम उम्र की डोनर के माता-पिता से बात की। 39 दिन की उम्र में किडनी डोनेट करने वाली अबाबत के पिता सुखबीर ने बताया कि बच्ची के पैदा होते ही उन्हें पता चला कि उसके दिमाग में नाड़ियों का ऐसा गुच्छा बना हुआ है जिसकी वजह से उसके दिल का आकार बड़ा हो रहा है।

पहले 24 दिन तक तो बहुत ठीक रहा बच्चा बिल्कुल नॉर्मल रहा।

अचानक उसका दिल एकदम काम करना बंद हो गया। उसे हॉस्पिटल लेके गए, वहां डॉक्टरों ने उसे बचा लिया लेकिन उसे क्या दिक्कत आई, ये समझने में वक्त लगा। उन्होंने बताया कि पीजीआई चंडीगढ़ के डॉक्टरों ने बताया कि बच्चा 6 महीने का होता तो ऑपरेशन कर सकते थे।

39 दिन की होने पर बच्ची को दोबारा दिल का दौरा आया और इस बार डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। तब सुखबीर और उनकी पत्नी ने बच्ची के ऑर्गन डोनेट करने का फैसला लिया, ताकि किसी और के जीवन में उजाला आ सके। डॉक्टरों ने कहा कि इतने छोटे बच्चे की सिर्फ किडनी डोनेट की जा सकती है। इसके बाद उन्होंने गुरुनानक को याद करके उसकी किडनी डोनेट की।

अबाबत के माता-पिता से बात करने के बाद पीएम मोदी ने उनके इस फैसले को कई लोगों के लिए प्रेरणादायक बताया। पीएम ने कहा कि आपके इस कदम से किसी को नई जिंदगी मिली होगी। आपके हौसले को सलाम है।

2022 में ऑर्गन डोनेशन के केस 15 हजार हुए

पीएम मोदी ने कहा कि मेडिकल साइंस की बदौलत ऑर्गन डोनेशन किसी को जीवन देने का एक बहुत बड़ा माध्यम बन चुका है। एक व्यक्ति जब ऑर्गन डोनेट करता है तो उससे 8 से 10 लोगों को नई जिंदगी मिलती है।

>14

सत्ता में आते ही बहाल करेंगे मुस्लिमों का आरक्षण

डीके शिवकुमार ने फैसले को बताया असंवैधानिक

बेंगलुरू, 26 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार के अल्पसंख्यकों के चार प्रतिशत आरक्षण को वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय को देने पर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने इस मुद्दे पर सरकार पर तीखा हमला बोला है। डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में वापसी करते ही अल्पसंख्यकों के आरक्षण को फिर से बहाल किया जाएगा। बता दें कि कर्नाटक सरकार के फैसले के तहत वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदाय को अब शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में दो-दो प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा।

कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने सरकार के इस फैसले को असंवैधानिक करार दिया। शिवकुमार ने कहा कि वह (सरकार) सोचते हैं कि आरक्षण संपत्ति की तरह बांटा जा सकता है। यह संपत्ति नहीं बल्कि अधिकार है। हम नहीं चाहते कि अल्पसंख्यकों का चार प्रतिशत आरक्षण हटाकर किसी भी बड़े समुदाय को दिया जाए।

वह (अल्पसंख्यक समुदाय के लोग) हमारे भाई और परिवार के सदस्य हैं। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि वोक्कालिगा और लिंगायत भी इस ऑफर को ठुकरा देंगे। उन्होंने कहा कि अगले 45 दिनों में उनकी पार्टी सत्ता में आ जाएगी और पहली ही कैबिनेट बैठक में अल्पसंख्यकों के आरक्षण को बहाल किया जाएगा।

तिब्बत का तीसरा धर्मगुरु होगा 8 साल का मंगोलियाई बच्चा

दलाई लामा ने हिमाचल में पूरी कराई रस्में, कहा- बच्चे का मंगोलिया में मिलना शुभ

धर्मशाला, 26 मार्च (एजेंसियां)। 87 साल के तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने चीन को बड़ा झटका दिया है। उन्होंने तिब्बती बौद्ध धर्म का तीसरा सबसे बड़ा धर्मगुरु अमेरिका में पैदा हुए 8 साल के मंगोलियाई बच्चे को बना दिया है। ये जुड़वा बच्चों में से एक है। दलाई लामा ने इस बच्चे को 10वें खलखा जेटसन धम्पा रिनपोछे का पुनर्जन्म बताया।

नए धर्मगुरु के मिलने का समारोह 8 मार्च को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में हुआ था लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। समारोह में इसमें 600 मंगोलियाई मौजूद रहे। दलाई लामा ने कहा, हमारे पूर्वजों के चक्रसंवर के कृष्णाचार्य वंश से गहरे रिश्ते थे। इनमें से एक ने मंगोलिया में एक मठ की भी स्थापना की थी। ऐसे में तीसरे धर्मगुरु का मंगोलिया में मिलना काफी शुभ है।

मंगोलियाई मीडिया के मुताबिक, नए तिब्बती धर्मगुरु मंगोलिया के एक मैथ्स प्रोफेसर के जुड़वा बच्चों में से एक है। इन बच्चों का नाम अगुदाई और अचिल्ताई है। वहीं बच्चे की दादी मंगोलिया में सांसद रह चुकी हैं। बच्चे के धर्मगुरु होने की खबर सामने आते ही मंगोलिया में लोग जश्न मनाने लगे। समारोह के दौरान बौद्धों में खासा उत्साह देखा गया। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले भी एक मंगोलियाई बच्चे के धर्मगुरु होने की खबरें सामने आई थीं लेकिन दलाई लामा ने इसकी पुष्टि अब की है।

दलाई लामा का यह कदम राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चीन तिब्बती बौद्ध धर्म की परंपरा में अपने लोगों की नियुक्ति करना चाहता है, जिससे तिब्बत में किसी विद्रोह की आशंका न रहे। चीन इस बात की घोषणा भी कर चुका है कि देश केवल उन बुद्धिस्ट लीडर्स को ही मान्यता देगा जिसे चीनी सरकार चुनेगी।

इससे पहले भी 1995 में जब दलाई लामा ने दूसरे सबसे बड़े धर्मगुरु पंचेन लामा को चुना था तो चीन के अधिकारियों से उसे जेल में डाल दिया था। इसके बाद चीन ने पद पर खुद के चुने हुए धर्मगुरु को नियुक्त किया था। अब तीसरे तिब्बती धर्मगुरु मिलने के बाद बौद्धों में उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता है।

दलाई लामा तिब्बत के धर्मगुरु हैं। उनका जन्म 1935 में हुआ था। जब वो 2 साल के थे तब उन्हें पिछले दलाई लामा का पुनर्जन्म कहा गया था। इसके बाद उन्हें 14वें दलाई लामा के रूप में पहचान मिली।

देश की छवि खराब करने की कोशिश

भाजपा शासित तीन राज्यों के बाद महाराष्ट्र में भी डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा गुजरात दंगों पर बनी बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने वाली चौथी राज्य विधानसभा बन गई है। विधानसभा में शनिवार को बीबीसी की निंदा करते हुए कहा गया कि प्रसारक ने देश की न्यायपालिका की छवि खराब करने और धार्मिक विभाजन पैदा करने का प्रयास किया है। भाजपा सदस्य अतुल भातखलकर द्वारा पेश किया गया प्रस्ताव शनिवार को ध्वनि मत से पारित हो गया। जिस समय यह प्रस्ताव पारित हुआ तब विपक्ष सदन में नहीं था।

23 मार्च को असम विधानसभा ने बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया। जिसमें ब्रॉडकास्टर के धार्मिक समुदायों को उकसाने, धार्मिक तनाव भड़काने और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को खराब करने के दुर्भावनापूर्ण, खतरनाक एजेंडे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी। प्रस्ताव पेश करने वाले बीजेपी विधायक भुबोन पेगू ने डॉक्यूमेंट्री के रिलीज के समय पर सवाल उठाया और भारत के खिलाफ एक अंतर्राष्ट्रीय साजिश का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि जिस समय देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तरक्की कर रहा है उस समय में बीबीसी जैसे संस्थान भारत को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। जबकि कांग्रेस कि ओर से विधायक देवव्रता सैकिया ने तर्क दिया कि यह प्रश्न राज्य विधानसभा से संबंधित नहीं है और इसलिए इस पर चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि यह असम से भी संबंधित है, क्योंकि यह भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता से जुड़ा है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आ रहे हैं नए मेहमान, 11 नर और आठ मादा बारहसिंगा का हो रहा है पदार्पण

उमरिया, 26 मार्च (एजेंसियां)। मरिया के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में एक बार फिर से नई खुशी सामने आ रही है। यहां इस बार कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से बारहसिंगा को लाने की कवायद अब पूरी हो चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार, कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से 11 नर और आठ मादा बारहसिंगा को बांधवगढ़ लाने की तैयारी पूरी हो गई थी। जहां उन्हें अब ट्रक में रख दिया गया है, जहां पर ट्रक में उन्हें बाकायदा सारी व्यवस्थाओं के साथ बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व लाया जा रहा है। गौरतलब है कि कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से 11 नर और आठ मादा बारहसिंगा बाधवगढ़ आ रहे हैं, जहां पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ जेएस चौहान इन्हें रिलीज करेंगे। कान्हा से आ रहे बारहसिंगा के लिए पार्क के मगधी जोन मे 100 हेक्टेयर का विशेष बाड़ा बनवाया गया है।

संजय राउत के खिलाफ राज्यसभा को भेजा गया

विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव, विधानमंडल को बोला था 'चोर मंडली'

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। संजय राउत के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव राज्यसभा को भेजा गया है। महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे ने विशेषाधिकार हनन नोटिस पर संजय राउत के जवाब को 'असंतोषजनक' करार दयिा और फिर इसे उपराष्ट्रपति के पास भेज दिया। अब इस मामले में राज्यसभा के चेयरमैन को फैसला लेना है।

विधानमंडल के लिए किया था 'चोर मंडली' शब्द का इस्तेमाल

दरअसल, विधान मंडल के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर संजय राउत के खिलाफ सुनवाई हो रही थी। संजय राउत ने बीते एक मार्च को कोल्हापुर के एक प्रोग्राम में विधानमंडल के लिए 'चोर मंडली' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसके बाद बवाल मच गया। ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत के विवादित बयान को लेकर राउत के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस जारी किया गया था। महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे इस मामले में संजय राउत के जवाब से पूरी तरह सहमत नहीं हुईं, जिसके बाद उन्होनें विशेषाधिकार हनन नोटिस को उचित कार्रवाई के लिए राज्यसभा के सभापति और उपसभापति के पास भेज दिया है।

संजय राउत का जवाब "असंतोषजनक"

महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने कहा कि विशेषाधिकार हनन नोटिस पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय राउत का जवाब ''असंतोषजनक'' है। इसके बाद यह मामला उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के पास भेज दिया गया। विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे ने विधान परिषद में कहा कि राउत ने अपने जवाब में सदन की विशेषाधिकार समिति के गठन, इसकी निष्पक्षता और कामकाज पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, ''राज्यसभा के वरिष्ठ सदस्य होने के नाते उनसे यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह (राउत) विशेषाधिकार समिति के कामकाज पर सवाल उठाएं, इसलिए मैं उनके जवाब से पूरी तरह सहमत नहीं हूं और मुझे यह संतोषजनक नहीं लगा। इसी कारण मैं विशेषाधिकार हनन नोटिस को उचित कार्रवाई के लिए राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति को भेज रही हूं।''

डिप्रेशन में दूसरी मंजिल से कूद गया विदेशी शख्स माता-पिता की मौत से सदमे में था नीनोजुओ

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में एक विदेशी का घर की दूसरी मंजिल से कूदते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो 18 मार्च का बताया जा रहा है। दूसरी मंजिल से कूदने के बाद विदेशी घायल हो गया। वहीं घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल विदेशी को उपचार के लिए संजय गांधी मेमरियल अस्पताल में भर्ती कराया। विदेशी की पहचान 37 साल के नीनोजुओ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि एक हादसे में उसके माता- पिता की मौत हो गई इसके बाद वो सदमे में चला गया और डिप्रेशन में आकर दूसरी मंजिल से कूद गया। इस पूरे मामले में पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं

एएलएच ध्रुव मार्क 3 हेलीकाप्टर की कोच्चि में जबरन लैंडिंग

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल के एक एएलएच ध्रुव मार्क 3 हेलीकाप्टर की जबरन लैंडिंग की घटना आज कोच्चि में हुई, जब बल के पायलट हेलीकाप्टर का परीक्षण कर रहे थे। चॉपर करीब 25 फीट की ऊंचाई पर था, तभी उसे जबरन लैंडिंग करनी पड़ी। आईसीजी एएलएच ध्रुव बेड़े के संचालन को फिर से शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है। आईसीजी अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी मुंबई के तट पर नौसेना के एक हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद 8 मार्च से एएलएच ध्रुव हेलीकाप्टरों का बेड़ा खड़ा है। दूसरी ओर, कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (सीआईएएल) से उड़ान भरने के ठीक बाद रविवार को तटरक्षक बल का एक हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। सूत्रों ने कहा कि हेलीकाप्टर, जो एक प्रशिक्षण उड़ान पर था, हेलीपैड से उड़ान भरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार एक व्यक्ति के हाथ की हड्डी टूट गयी है। कोस्ट गार्ड एन्क्लेव सीआईएएल काम्प्लेक्स के अंदर है।

'देवेगौड़ा की पार्टी के खिलाफ नहीं उतारेंगे उम्मीदवार'

कर्नाटक में जेडीएसका समर्थन करेगी केसीआर की पार्टी बीआरएस

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने कर्नाटक के आगामी विधानसभा चुनाव में जनता दल (सेक्युलर) को पूरी तरह समर्थन करने का ऐलान किया है। बीआरएस ने जनता दल (सेक्युलर) को अपना स्वाभाविक सहयोगी बताते हुए कहा कि आगामी चुनाव में पूर्व प्रधान मंत्री एच डी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली पार्टी को पूरी तरह समर्थन किया जाएगा। तेलंगाना की सत्ताधारी पार्टी ने पहले चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारने का प्लान बनाया था लेकिन अब यह बाकि नहीं रह गया है।

बीआरएस के एक वरिष्ठ नेता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जनता दल (सेक्युलर)) हमारा स्वाभाविक सहयोगी है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जद (एस) चुनाव में सफल हो। सूत्रों के मुताबिक केसीआर जद (एस) के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे, खासकर उन क्षेत्रों में जहां तेलुगु भाषी लोग घनी आबादी में हैं। कर्नाटक में मई तक विधानसभा चुनाव होने हैं।

ममता बनर्जी भी आ सकती हैं साथ

जेडी (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने पिछले हफ्ते कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की थी और टीएमसी प्रमुख से कर्नाटक विधानसभा चुनाव में प्रचार करने का अनुरोध किया था। ममता बनर्जी ने कुमारस्वामी के कर्नाटक में प्रचार करने के अनुरोध पर सहमति व्यक्त की है। उन्होने बीआरएस से कहा कि वह उन्हें कार्यक्रम बना कर दें।

कांग्रेस ने जारी की 124 उम्मीदवारों की लिस्ट

कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी बिगुल बज चुका है। सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल पूरी तरह सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शनिवार को 124 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची की घोषणा कर दी है। कांग्रेस द्वारा जारी की गयी इस लिस्ट में कई बड़े नाम दिखाई दे रहे हैं। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 17 मार्च को दिल्ली में एक बैठक के बाद उम्मीदवारों की पहली सूची को मंजूरी दी है। समिति की अध्यक्षता कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे करते हैं।

कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया निर्देश आजीविका से बेदखल करने की धमकी -महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर जम्मू, 26 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर सरकार के कर्मचारियों के लिए सोशल मीडिया दिशा निर्देश लोगों को उनकी आजीविका से बेदखल करने की स्पष्ट धमकी का हिस्सा है। यह आरोप पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने लगाया है। वहीं, माकपा के वरिष्ठ नेता एमवाई तारिगामी ने भी जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारी होने का मतलब नागरिक के रूप में सभी वैध संवैधानिक अधिकारों को छोड़ देना नहीं है। महबूबा ने ट्वीट किया कि चाहे वह ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करना हो या कर्मचारियों को सोशल मीडिया गैग, जम्मू-कश्मीर में लोगों को उनकी आजीविका से बेदखल करने का एक स्पष्ट खतरा सामने आया है।

इसरो ने फिर रचा इतिहास

वनवेब इंडिया-2 मिशन के तहत 36 उपग्रह तय कक्षा में स्थापित

श्रीहरिकोटा, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज सुबह चेन्नई के पास श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से 36 उपग्रहों को ले जाने वाला एक रॉकेट लॉन्च किया। लॉन्च व्हीकल मार्क-मैं मैं मैं(एलवीएम3) को वनवेब इंडिया-2 मिशन के हिस्से के रूप में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। कुछ ही देर बाद इसरो ने बताया कि एलवीएम3-एम3/वनवेब इंडिया-2 मिशन के तहत 36 उपग्रहों को उनकी तय कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में तैनात किया गया है। व्यावसायिक लॉन्च की सफलता इसरो को अपने उपग्रहों को लॉन्च करने की कोशिश कर रही कंपनियों के लिए एक व्यवहार्य सेवा प्रदाता के रूप में स्थापित करेगा। ब्रिटेन की नेटवर्क एक्सेस एसोसिएट्स लिमिटेड (वनवेब ग्रुप कंपनी) एक वैश्विक संचार

नेटवर्क है, जो सरकारों और कंपनियों के लिए कनेक्टिविटी को सक्षम बनाता है। इस साल इसरो द्वारा किया गया यह दूसरा रॉकेट लॉन्च है। इस लॉन्च के साथ, वनवेब के 616 उपग्रह कक्षा में होंगे और इस साल के अंत में वैश्विक सेवाओं को लॉन्च करने में सक्षम होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज बताया कि एलवीएम3-एम3 वनवेब इंडिया-2 मिशन ने 36 उपग्रहों के साथ श्रीहरिकोटा से उड़ान भरी। वनवेब ने पृथ्वी की निचली कक्षा में 72 उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड से एक करार किया था। इसके तहत इसरो की तरफ से वनवेब ग्रुप कंपनी के लिए पहले 36 उपग्रह 23 अक्टूबर 2022 को प्रक्षेपित किए गए थे। वनवेब के अनुसार, रविवार का प्रक्षेपण 18वां और इस साल का तीसरा प्रक्षेपण है तथा इससे पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों के समूह की पहली पीढ़ी पूरी हो जाएगी। इसरो के लिए 2023 का यह दूसरा प्रक्षेपण होगा। वनवेब ने कहा, ''17 प्रक्षेपण पूरे हो गए हैं। एक अहम प्रक्षेपण बचा है। इस सप्ताहांत इसरो तथा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड में अपने सहकर्मियों के साथ 36 और उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के साथ पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हमारे उपग्रहों की संख्या 616 हो जाएगी, जो इस साल वैश्विक सेवाएं शुरू करने के लिए पर्याप्त है।" इसरो ने बताया कि 36 उपग्रहों को उनकी तय कक्षा में स्थापित करने के साथ ही एलवीएम3-एम3/वनवेब इंडिया-2 मिशन पूरा हो गया।

सतना-अनूपपुर-पन्ना-शहडोल में बारिश के साथ गिरे ओले, उमरिया में बरसे बदरा

भोपाल, 26 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कई इलाकों में एक बार फिर मौसम बदला है। रविवार दोपहर बाद कई इलाकों में बारिश हुई है। सतना, अनूपपुर और पन्ना में बारिश के साथ ओले गिरे हैं। दोपहर में शहडोल में बारिश के साथ ओले भी गिरे हैं। सतना और उमरिया में तेज पानी गिरा है। इस बारिश ने किसानों को फिर चिंता में डाल दिया है। शहडोल जिले में रविवार सुबह से ही बादल छाए हुए थे। तड़के हल्की बूंदाबांदी भी हुई, लेकिन दोपहर में अचानक आसमान में काली घटाए छा गई। जमकर हवाएं चलीं। इसके बाद बारिश के साथ ओले गिरे। इससे मौसम तो खुशनुमा हो गया लेकिन इस बिन मौसम बारिश और ओलो ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। गेहूं की फसल पककर अब कटने को है। ऐसे में बारिश और ओलो के कारण फसल पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। मौसम वैज्ञानिक मृगेंद्र सिंह के अनुसार जिले के ब्योहरी बुढ़वा में अधिक ओलावृष्टि हुई है। जिससे फसलों का भी नुकसान अधिक होने की आशंका है, कुछ दिन पूर्व भी उसी क्षेत्र में ओलावृष्टि होने की वजह से काफी नुकसान किसानों को झेलना पड़ा है। रविवार को शहडोल शहर सहित बुढार जैसीनगर धनपुरी में भी बरसात के साथ ओलावृष्टि होने की खबर आई है।उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। दूरदराज से प्रसिद्ध माता मंदिर मां बिरासिनी देवी का दर्शन करने के लिए आए थे, लेकिन पानी गिरने की वजह से लोग इधर-उधर छिपते नजर आए। बारिश से सड़कों पर पानी बह निकला। मौसम ठंडा हो गया है जिसकी वजह से श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली है। सतना जिले के कई इलाकों में रविवार दोपहर में बारिश हुई है। पन्ना जिले के एक दर्जन से अधिक गांवों में ओले गिरने से फसलें खराब हो गई है। अनूपपुर में भी ओले गिरने की खबर है। बारिश से यहां भी कई गांवों में फसल प्रभावित हुई है।

थाने से घर जाने के लिए निकला आरक्षक लापता

टीआई ने लोगों से सूचना देने की अपील की

उज्जैन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अब तक आपने किसी भी व्यक्ति के गुमशुदा होने पर इसकी जानकारी थाने पर देते हुए सुना होगा, लेकिन उज्जैन के माधवनगर थाने में पिछले दो दिनों से एक आरक्षक ही लापता हो गया है। जिसकी गुमशुदगी पर

थाना प्रभारी ने सभी से अनुरोध किया है कि यदि आरक्षक की कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत थाना माधवनगर पर दें। माधवनगर थाने में पदस्थ आरक्षक नीरज पाराशर निवासी पुलिस लाइन ग्वालियर का मूल निवासी है जो कि दो दिन पहले थाने से ड्यूटी खत्म होने के बाद रोजाना की तरह घर के लिए निकला था, लेकिन वह घर पर नहीं पहुंचा। परिजनों ने माधवनगर थाने में जब संपर्क किया तो थाना प्रभारी ने बताया कि वह तो ड्यूटी खत्म होने के बाद घर के लिए रोजाना की तरह निकल गया, लेकिन आरक्षक उसके घर पर नहीं पहुंचा, जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। माधवनगर थाना प्रभारी मनीष लोधा ने जानकारी देते हुए बताया कि आरक्षक पिछले दो दिनों से लापता है किसी भी व्यक्ति को सूचना मिले तो वह थाने में या कंट्रोल रूम पर इसकी सूचना जरूर दें।

राहुल गांधी पर बरसे वीर सावरकर के पोते

कहा- आप क्या भारत जोड़ेंगे, जिसने देश तोड़ा हो

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी द्वारा 'मोदी सरनेम' पर टिप्पणी किए जाने के बाद कोर्ट द्वारा उन्हें 2 साल की सजा सुनाई गई जिसके बाद उनकी संसद सदस्यता को रद्द कर दिया गया है। इसी कड़ी में राहुल गांधी ने वीर सावरकर पर बयान दिया था। अब राहुल गांधी के इस बयान पर वीर सावरकर के परिवार की प्रतिक्रिया सामने आई है। वीर सावरकर के पोते रणजीत सावरकर ने राहुल गांधी के बयान पर कहा कि वीर सावरकर ने कभी माफी नहीं मांगी। राहुल गांधी को बताने की जरूरत नहीं है कि वो वीर सावरकर नहीं हैं। वे जवाहरलाल नेहरू के पाप को छिपाने के लिए सावरकर का नाम इस्तेमाल करते हैं।

गोबल्स की नीति अपना रहे राहुल गांधी

उन्होंने आगे कहा कि जिस परिवार ने देश तोड़ा वो क्या देश जोड़ेगा। गोबेल्स की नीति है जो हिटलर का प्रचार करता था कि झूठ 100 बार बोलो तो लोगों को सच लगेगा। सावरकर ने कहीं कभी माफी नहीं मांगी है। राहुल गांधी को मेरी चुनौती है कि वो इस बात को साबित करके दिखाएं। मैने कई सबूत पेश किए तब उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। दूसरी बात राहुल गांधी खुद सुप्रीम कोर्ट में कई बार माफी मांग चुके हैं। कांग्रेस असत्य को ही सत्य समझती है। लोगों के दिमाग में भी वही भरना चाहते हैं। राहुल गांधी गोबल्स नीति अपना रहे हैं।

नेहरू विभाजन के जिम्मेदार

रणजीत सावरकर ने आगे कहा कि सत्ता प्राप्ति के लिए किस हद तक जा रहे हैं दिख रहा है। भारत का छिपाया हुआ इतिहास लोगों के सामने आ रहा है। इस बात का उन्हें डर है कि सच सबको पता चल जाएगा। भारत के विभाजन के जिम्मेदार सिर्फ जवाहरलाल नेहरू ही हैं। 9 मई 1947 को विरोध किया था, वायसराय के साथ 36 घंटे में क्या हुआ कि नेहरू ने अपनी भूमिका बदल ली, जिसके सबूत अब सामने आ रहे हैं। गांधी परिवार के पाप को भुलाने के लिए यह सब कहा जा रहा है। जनबूझकर सावरकर का नाम लेकर अपने पाप छिपा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस परिवार ने देश तोड़ा, एलटीटी में राजीव गांधी ने क्या किया, इंदिरा गांधी ने पंजाब में क्या किया, इस देश को उन्होंने तोड़ा है। वो जोड़ने की बात ना ही करे। उनके बयान को लेकर मैने पुलिस में शिकायत दी है।

बिजली विभाग के कर्मचारियों का वीडियो देख सीएम शिवराज ने की सख्त कार्रवाई

भोपाल, 26 मार्च (एजेंसियां)। सागर जिले के देवरी में बिजली विभाग के कर्मचारी बकाया बिजली बिल की वसूली करने के लिए पहुंचे थे। यहां रेखा अहिरवार के नाम पर 19 हजार 473 रुपये का बिल बकाया था। नोटिस जारी करने के बाद भी बिल जमा नहीं कराने पर कंपनी के कर्मचारी उसकी सास के घर पहुंचे और पलंग समेत दूसरा सामान जब्त कर गाड़ी में रख लिया। सामान की कुर्की होते देख घर में नहा रही महिला बेतरतीब हालत में ही बाहर भागी और कर्मचारियों को सामान जब्त करने से रोका, लेकिन वे नहीं माने और सामान ले जाने लगे। इसके बाद महिला आधे कपड़े पहने ही उनके पीछे दौड़ पड़ी। मध्य प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों बिजली बिल बकायादारों से बिजली कंपनी वसूली कर रही है। नोटिस जारी करने के बाद भी बिल जमा नहीं करने वालों के घर पहुंचकर सामान की कुर्की की जा रही है। वीडियो वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आदेश पर सागर में बिजली विभाग के दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया।

सीएम योगी का राहुल गांधी पर वार

भ्रष्टाचार में डूबे लोग सत्याग्रह नहीं कर सकते

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के राजघाट पर कांग्रेस सत्याग्रह आंदोलन कर रही है। राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के बाद कांग्रेस ने देशभर में आज संकल्प सत्याग्रह कर रही है। कांग्रेस की संकल्प सत्याग्रह को लेकर अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। सीएम योगी ने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि असत्य के मार्ग पर चलने वाला सत्याग्रह की बात नहीं कर सकता। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सत्याग्रह के मार्ग पर चलने की जो प्रेरणा बापू ने दी, लोकतंत्र को कमजोर करने वाले सत्याग्रह नहीं कर सकते। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार में डूबे हुए लोग सत्याग्रह नहीं कर सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि मौन जीवों की बात तो दूर मनुष्य के प्रति भी जिनकी संवेदना न हो वह सत्याग्रह नहीं कर सकते। देश को भाषावाद, क्षेत्रवाद जैसे तमाम वादों में बांटने वाले भी सत्याग्रह नहीं कर सकते। अपने देश की निंदा करने वाला सत्याग्रह नहीं कर सकता। सीएम योगी ने राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि भारत को कठघरे में खड़ा करने वाला व्यक्ति कभी सत्याग्रह नहीं कर सकता। भारत के जवानों के प्रति जिनके मन में श्रद्धा और सम्मान का भाव नहीं, वो सत्याग्रह की बात नहीं कर सकता। बता दें कि कांग्रेस ने राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के बाद उनके समर्थन में रविवार को दिल्ली के राजघाट पर एकदिवसीय 'संकल्प सत्याग्रह' शुरू किया। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल, पी चिदंबरम और सलमान खुर्शीद समेत कई नेता राजघाट पर सत्याग्रह में शामिल हुए।

कर्नाटक में चुनाव आयोग ने ट्रांसजेंडर को बनाया पोल आइकॉन

बेंगलूरू, 26 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में अगले कुछ हफ्तों में विधानसभा चुनाव होना तय है। कयास लगाए जा रहे कि चुनाव आयोग जल्द ही इलेक्शन की तारीख का एलान करेगा। इस बीच चुनाव आयोग ने कर्नाटक में पहली बार एक ट्रांसजेंडर सुश्री मंजम्मा जोगती को पोल आइकन के रुप में नियुक्त किया है। इसका मकसद ये है कि चुनाव में ट्रांसजेंडर समुदाय को शामिल होने और मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा सके। कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार मीना ने एक न्यूजपेपर को बताया, सुश्री जोगती एक ट्रांसजेंडर फोल्क डांसर हैं। वह कर्नाटक जनपदा अकेदमी की पूर्व अध्यक्ष भी रह चुकी हैं, एक पद्मश्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता भी हैं जिन्हें कर्नाटक चुनाव के लिए पोल एमबेस्डर चुना गया है। चुनाव अधिकारी ने आगे बताया कि जोगती के अलावा पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान इंडिया टीम के कोच राहुल ड्रविड़, ज्ञानपीठ अवार्डी चंद्रशेखर कमबार, विकलांगता अधिकार कार्यकर्ता अश्विनी अंगड़ी और पैरालंपियन एथलीट गिरीश गौड़ा को भी पोल आइकॉन के रुप में नियुक्त किया गया है।

पिछले चुनाव में बहुत कम हुई थी वोटिंग

अधिकारिक डेटा के मुताबिक, कर्नाटक में ट्रांसजेंडर वोटों में बढ़ोतरी हुई है। साल 2018 में कुल 4552 ट्रांसजेंडर मतदाता थे जो साल 2023 में यह बढ़कर 42,756 हो गए। पिछली बार हुए

राज्य चुनावों मे कुल ट्रांसजेंडर वोटों में से मात्र 9।8 प्रतिशत मतदाता ने ही वोट किए थे। यहां तक कि लोकसभा चुनाव 2019 में इस समुदाय के कुल नामांकित मतदाता में से केवल 11।49 प्रतिशत ने ही मतदान किए थे। पी।एस वस्त्राद, जो सिस्टेमेटिक मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी प्रोग्राम के एक नोडल अधिकारी हैं उन्होंने कहा, हम इस बार यह प्रयास करना चाहते है कि इस समुदाय के सभी मतदाता बाहर निकले और मतदान करें।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 27 मार्च, 2023 3

सुविचार

ईश्वर के समक्ष केवल प्रार्थना ही ना करे बल्कि ध्यान भी लगाए। प्रार्थना में हम ईश्वर से बात करते हैं जबकि ध्यान में ईश्वर हमसे बात करते हैं।

राहुल गांधी की संसद में अयोग्यता मोदी सरकार की साजिश : माणिकराव ठाकरे

राहुल की अयोग्यता पर कांग्रेस नेताओं का विरोध

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संसद से पार्टी नेता राहुल गांधी को अयोग्य ठहराए जाने के विरोध में तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं ने रविवार को हैदराबाद में पार्टी कार्यालय पर सत्याग्रह किया। तेलंगाना के लिए कांग्रेस पार्टी के प्रभारी माणिकराव ठाकरे ने पार्टी के राज्य मुख्यालय गांधी भवन में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेता तारिक अनवर, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी, सांसद उत्तम कुमार रेड्डी और अन्य नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी की अयोग्यता की निंदा की और इसे मोदी सरकार की साजिश बताया। उन्होंने अयोग्यता रद्द होने तक विरोध जारी रखने का संकल्प लिया। माणिकराव ठाकरे ने कहा कि राहुल गांधीको निशाना बनाया गया क्योंकि वह मोदी सरकार के समर्थन से अडानी द्वारा सार्वजनिक धन की लूट को उजागर कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी से नहीं डरते हैं और इस देश के गरीबों की

आवाज उठाते रहेंगे। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की अयोग्यता नरेंद्र मोदीसरकार की साजिश है। उन्होंने कहा कि सरकार राजनीतिक रूप से राहुल गांधीजी का सामना करने में असमर्थ थी और इसलिए उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि आज बीजेपी उन्हें अयोग्य घोषित कर सकती है, लेकिन कल वह प्रधानमंत्री होंगे। उत्तम कुमार रेड्डीने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को एक साजिश के तहत अयोग्य घोषित किया गया था। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से कांग्रेस नेता को मानहानि मामले में सजा सुनाई गई, उससे कई तरह के संदेह पैदा होते हैं। उन्होंने कहा कि मानहानि के मामलों में मुकदमे सालों तक चलते हैं लेकिन इस मामले में अदालत ने कुछ ही हफ्तों में फैसला सुना दिया। टीपीसीसी के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि हालांकि सूरत की अदालत ने राहुल गांधी को ऊपरी अदालत में सजा को चुनौती देने के लिए एक महीने का समय दिया था, लेकिन मोदी सरकार ने जल्दबाजी में उन्हें 24 घंटे के भीतर अयोग्य घोषित कर दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि चूंकि राहुल गांधी मोदी-अडानी गठजोड़ का पर्दाफाश करने के लिए संसद में आवाज उठा रहे थे, इसलिए सरकार ने उन्हें अपनी आवाज दबाने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। इसमें सांसद कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि यदि आवश्यक हो, तो सभी कांग्रेस सांसदों को राहुल गांधी के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इस्तीफा दे देना चाहिए। राज्य के पूर्व मंत्री के. जना रेड्डी, पोन्नाला लक्ष्मैया, मोहम्मद अली शब्बीर, पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी, पूर्व सांसद वी. हनुमंत रावऔर अन्य लोगों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

परियोजनाओं के धीमी क्रियान्वयन के लिए केंद्र पर बरसे केटीआर

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने रविवार को तेलंगाना में परियोजनाओं, विशेष रूप से सड़क बुनियादी ढांचे के कार्यों को क्रियान्वित करने में सुस्त गति के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया। यह विशेष रूप से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा हैदराबाद में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी) के तहत फ्लाईओवर, अंडरपास और अन्य संरचनाओं सहित 35 परियोजनाओं को पूरा करने के बाद किया गया था। शनिवार को मंत्री ने औपचारिक रूप से एलबी नगर राइट हैंड साइड फ्लाईओवर का उद्घाटन किया था। उप्पल फ्लाईओवर निर्माण कार्यों की धीमी गति से परेशान, एक ट्विटर उपयोगकर्ता संदीप ने ट्वीट किया कि हम उप्पल फ्लाईओवर के पूरा होने की उम्मीद कब कर सकते हैं। कार्य धीमी गति से चल रहे हैं। नारापल्ली से दैनिक यात्रियों के लिए बहुत समस्या है।

जवाब में, एमएयूडी मंत्री ने समझाया कि उप्पल और अंबरपेट फ्लाईओवर 'दुर्भाग्य से' भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निष्पादित किए जा रहे थे। जीएचएमसीप्रतिबद्ध परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण को पूरा करने के बावजूद, दोनों परियोजनाओं पर काम कछुआ गति से चल रहा है। उन्होंने आगे ट्वीट किया कि जबकि हमने 35 प्रोजेक्ट पूरे किए हैं, वे दो भी पूरे नहीं कर पाए हैं! केसीआर सरकार और मोदी सरकार के बीच यही अंतर है। एक ट्विटर यूजर अशोक रेड्डी ने भाजपा सरकार पर व्यंग्यात्मक कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया कि भाजपा नेता उचित मूल्य की दुकानों पर प्रधानमंत्री की तस्वीरों पर जोर देते हैं।

सऊदी राजकुमार द्वारा उपहार में दिए गए चीते की चिड़ियाघर में दिल का दौरा पड़ने से मौत

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक दशक पहले सऊदी राजकुमार द्वारा उपहार में दिए गए एक 15 वर्षीय नर चीता की हैदराबाद के नेहरू प्राणी उद्यानमें दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि 'अब्दुल्ला' नाम का चीता शनिवार को मर गया। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने पोस्टमार्टम किया, जिसमें पता चला कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है।

गौरतलब है कि 2012 में हैदराबाद में आयोजित शिखर सम्मेलन के अवसर पर चिड़ियाघर की अपनी यात्रा के दौरान, सऊदी प्रिंस बंदर बिन सऊद बिन मोहम्मद अल सऊद ने अफ्रीकी शेरों और चीतों के दो जोड़े उपहार में देने की घोषणा की थी। चिड़ियाघर को 2013 में सऊदी अरबके राष्ट्रीय वन्यजीव अनुसंधान केंद्र से जानवर मिले थे। 2020 में मादा चीता की मौत हो गई और तब से 'अब्दुल्ला' नाम का नर चीता अकेला था। अब अब्दुल्ला की मौत के साथ, नेहरू प्राणी उद्यान में कोई चीता नहीं है। भारत में लगभग 70 साल पहले चीतों को विलुप्त घोषित कर दिया गया था। पिछले साल, नामीबिया के आठ चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में भारत में बिल्ली के समान फिर से पेश करने के लिए छोड़ा गया था।

टीएडीजेएसी ने आरटीओ को निलंबित करने की मांग की

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ऑटो ड्राइवर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी (टीएडीजेएसी) ने सरकार से आरटीओ हैदराबाद वेस्ट जोन सी.पी. वेंकटेश्वर राव को उनकी भ्रष्ट गतिविधियों के लिए हटाने की मांग की। टीएडीजेएसी के संयोजक मोहम्मद अमानुल्लाह खान ने आरोप लगाया कि सी.पी. वेंकटेश्वर राव, वैध बीमा प्रमाणपत्रों पर जोर दिए बिना सभी माल वाहन आरटीए लेन-देन का आनंद ले रहे हैं, साथ ही अगर वे परमिट के नवीनीकरण, वाहन के हस्तांतरण, पुराने ऑटो को नए ऑटो के साथ बदलने आदि के लिए रिश्वत नहीं देते हैं, तो ऑटो चालकों और मालिकों को परेशान कर रहे हैं। हमने विशिष्ट शिकायतों के साथ आरटीओ के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन परिवहन विभाग ने अभी तक उसके खुले भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि आरटीए कार्यालयों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है ताकि आरटीए के विभिन्न कार्य जल्दी और समय पर हो सकें, लेकिन उक्त अधिकारी जानबूझकर एक साथ कई दिनों तक काम में देरी करके कम्प्यूटरीकरण के उद्देश्य को विफल कर रहे हैं और उनसे पूछताछ करने वाला कोई नहीं है। हम मांग करते हैं कि सरकार काम में देरी के लिए जिम्मेदार वेंकटेश्वर राव को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए और उन पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर लेन-देन पूरा करने में विफल रहे तो उनके वेतन से राशि वसूल की जानी चाहिए। अगर आरटीओ के खिलाफ तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो ऑटो चालक व मालिक शीघ्र ही आरटीए कार्यालय हैदराबाद जोन कार्यालय पर धरना देने को विवश होंगे। इस अवसर पर ठाकुर जयसिंह, शेख रहीम, मो. जाफर, एस.बी.के. ज़ामा और जेएसी के अन्य नेताओं ने प्रेस वार्ता में भाग लिया।

किशन ने चंचलगुडा जेल में भाजयुमो कार्यकर्ताओं को सांत्वना दी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष भानु प्रकाश सहित चंचलगुडा केंद्रीय कारागार में भाजयुमो के 11 कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। सनसनीखेज प्रश्नपत्र लीक मामले के विरोध में टीएसपीएससी कार्यालय में उनके द्वारा किए गए हिंसक विरोध के सिलसिले में कार्यकर्ताओं को शहर की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। कार्यकर्ताओं ने आयोग कार्यालय में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए किशन रेड्डी ने पेपर लीक मामले को एक क्रूर कृत्य करार दिया और कहा कि बेरोजगार युवा इस घटना के बाद सदमे में हैं। पेपर लीक मामले में राज्य सरकार के बड़े नेताओं की संलिप्तता की खबरें बताते हुए उन्होंने कहा कि आरोपियों को सजा दिलाने के लिए मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस मुद्दे में अपनी गलतियों को स्वीकार करने के बजाय छिपाने की कोशिश कर रही है।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में विफल रही है। उन्होंने कहा कि लोग तेलंगाना में परिवार के शासन के अंत के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजयुमो नेताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए और कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों को पेट्रोल डालकर जलाना उनकी संस्कृति नहीं है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जेल और मामले उनके लिए कोई नई बात नहीं है और कहा कि जब तक तेलंगाना में बदलाव नहीं लाया जाता तब तक वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.80 से 86-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी दि. 23.03.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबंधक/वर्क्स, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा ई-प्रोक्यूरमेंट के माध्यम से निम्न कार्यों हेतु दि. 17.04.2023 के 11.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, टेंडर नं. 80-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी , कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः अम्रित भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 12.00 एम वाइड(चौडा) फूट ओवर ब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा एनजेडबी स्टेशन पर एक्सेलेटर एंड लिफ्ट्स प्रावधान से संबंधित संरचनात्मक व्यवस्था करना। अनुमानित लागत मूल्य रु.168249425/- पूधराःरु.991300/-

क्रम सं.02, टेंडर नं. 81-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी , कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः अम्रित भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 12.00 एम वाइड(चौडा) फूट ओवर ब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा केएमसी स्टेशन पर एक्सेलेटर एंड लिफ्ट्स प्रावधान से संबंधित संरचनात्मक व्यवस्था करना। अनुमानित लागत मूल्य रु.153292290/- पूधराःरु.916500/-

क्रम सं.03, टेंडर नं. 82-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी , कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः अम्रित भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 12.00 एम वाइड(चौडा) फूट ओवर ब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा केआरएनटी स्टेशन पर एक्सेलेटर एंड लिफ्ट्स प्रावधान से संबंधित संरचनात्मक व्यवस्था करना। अनुमानित लागत मूल्य रु. 180178196/- पूधराःरु.1050900/-

क्रम सं.04, टेंडर नं. 83-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी , कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः अम्रित भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 12.00 एम वाइड(चौडा) फूट ओवर ब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा एमबीएनआर स्टेशन पर एक्सेलेटर एंड लिफ्ट्स प्रावधान से संबंधित संरचनात्मक व्यवस्था करना। अनुमानित लागत मूल्य रु. 153292290/- पूधराःरु.916500/-

क्रम सं.05, टेंडर नं. 84-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी , कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः अम्रित भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 12.00 एम वाइड(चौडा) फूट ओवर ब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा एमजेएफ स्टेशन पर एक्सेलेटर एंड लिफ्ट्स प्रावधान से संबंधित संरचनात्मक व्यवस्था करना। अनुमानित लागत मूल्य रु. 153292290/- पूधराःरु.916500/-

क्रम सं.06, टेंडर नं. 85-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी , कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः अम्रित भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 12.00 एम वाइड(चौडा) फूट ओवर ब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा एचपीजी स्टेशन पर एक्सेलेटर एंड लिफ्ट्स प्रावधान से संबंधित संरचनात्मक व्यवस्था। अनुमानित लागत मूल्य रु.93262452/- पूधराःरु.616300/-

क्रम सं.07, टेंडर नं. 86-डीआरएम-डब्ल्यू-एचवायबी , कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः अम्रित भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 12.00 एम वाइड(चौडा) फूट ओवर ब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा एमएक्सटी स्टेशन पर एक्सेलेटर एंड लिफ्ट्स प्रावधान से संबंधित संरचनात्मक व्यवस्था। अनुमानित लागत मूल्य रु.97677185/- पूधराःरु.638400/-

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

मंडल रेल प्रबंधक, वर्क्स, हैदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/68 एंड 69/पीए/ओटी/2022-23 दि.20.03.2023

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों के प्रति दि.11.04.2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 01 ई-टेंडर नं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/68/पीए/ओटी/2022-23 कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग- विभिन्न स्टेशनों पर पैसेंजर लिफ्ट्स तथा एक्सेलेटर्स का प्रावधान- बिजली आपूर्ति व्यवस्था। निविदा मूल्यः रु.4,96,46,367.5, पूधराः रु.3,98,200.00, सीटीएफः 0.00, पूरा करने की अवधिः 9 महिने ।

क्रम सं. 02 ई-टेंडर नं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/69/पीए/ओटी/2022-23 ईटेंडर नं.इ-एम-एसी-69-ओटी-2022-23 कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग- अम्रित भारत स्टेशन योजना से संबंधित विभिन्न स्टेशनों पर 33 लिफ्ट्स का प्रावधान- बिजली आपूर्ति व्यवस्था। निविदा मूल्यः रु.8,87,48,552.00 पूधराः रु 5,93,800.00., सीटीएफः 0.00, पूरा करने की अवधिः 9 महिने।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता(रखरखाव), सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. जी/इ.29/टीआर./निविदा सूचना/23/2022-23 दि.24.03.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा कार्यवाहक वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल व्दारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-44-2022-23 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन- मौजूदा एंकर लूप्स का परिवर्तन या माडिफिकेशन करना। अनुमानित मूल्यः रु.1,03,90,5%2/- पूधराः रु.2,02,000/-

क्रम सं.2 निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-45-2022-23 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन- सभी स्वीचींग स्टेशनों पर एर्थिंग सिस्टम का अगमेंटेशन या विकास करना। अनुमानित मूल्यः रु.67,59,517/- पूधराः रु.1,35,200/-

बंद करने की तिथि व समय स 17.04.2023 के 11.00 बजे ।

टिप्पणीः
निविदादातागण निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रुप में वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।
टेंडर बिड्डिंग या निविदा बोली तथा अन्य जानकारी हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

AO407 **वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल**

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः www.ireps.gov.in अथवा http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

9 साल पुराने 'रेल रोको' मामले में

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और 22 अन्य बरी

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की एक अदालत ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और 22 अन्य लोगों को नौ साल पुराने एक मामले में बरी कर दिया। ये मामला रेल नाकाबंदी के बाद दर्ज किया गया था। सिंह, लोजपा सांसद वीना देवी और भाजपा नेताओं राम सूरत राय और सुरेश शर्मा के साथ, 2014 में दर्ज रेलवे अधिनियम मामले के सिलसिले में मुजफ्फरपुर में सांसद / विधायक अदालत में पेश हुए थे। दरअसल, मार्च, 2014 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से इनकार करने के विरोध में राज्य भर में 'रेल रोको' का आयोजन किया गया था। मामला सोनपुर में रेलवे कोर्ट में दर्ज किया गया था और एमपी / एमएलए कोर्ट की स्थापना पर यहां ट्रांसफर कर दिया गया था। मामले में कुल मिलाकर 27 लोगों को आरोपी बनाया गया था और उनमें से 23 के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी। वकील अशोक कुमार ने संवाददाताओं से कहा- उन सभी को बरी कर दिया गया है क्योंकि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला था। विशेष रूप से, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विशेष दर्जे की मांग को उठाना जारी रखा है, और यदि विपक्ष को एकजुट करके भाजपा को हराने के उनके प्रयास फलीभूत होते हैं, तो उन्होंने सभी पिछड़े राज्यों को समान दर्जा देने के लिए कदम उठाने की कसम खाई है।

पीएम मोदी का ये मैजिक चला तो साफ हो जाएगा विपक्ष

चाचा शिवपाल और अखिलेश यादव भी होंगे फेल

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में अभी करीब एक साल का वक्त बचा हुआ है। लेकिन यूपी में बीजेपी समेत तमाम विरोधी दल सियासी समीकरण को साधने में जुट गए हैं। मुख्य तौर पर समाजवादी पार्टी और बीएसपी ने बीजेपी के खिलाफ हर स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। लेकिन एक आंकड़ा सामने आया है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैजिक फिर काम करते नजर आ रहा है। बीते दो लोकसभा चुनाव के दौरान यूपी में पीएम मोदी का मैजिक चला है। पीएम नरेंद्र मोदी के मैजिक के सामने 2014 में सपा, बीएसपी और कांग्रेस पूरी तरह यूपी में सिमट गए थे। जबकि 2019 में फिर से बीजेपी के खिलाफ सपा और बीएसपी का गठबंधन हुआ लेकिन पीएम मोदी के मैजिक के सामने ये भी नहीं चला। अब ऐसा ही कुछ 2024 में भी होते हुए नजर आ रहा है। राज्य में पीएम मोदी का मैजिक फिर से एक बार चलते दिख रहा है।

क्या हैं आंकड़ें?

दरअसल, जिसमें करीब दस हजार लोगों को शामिल किया गया है। सर्वे में सामने आया है कि अलग अभी देश में लोकसभा चुनाव होता है तो यूपी में बीजेपी को करीब 67 से 73 सीट आ सकती है। जबकि मुख्य विपक्षी दल सपा को राज्य में तीन से छह सीट आने का अनुमान है। जबकि मायावती का पार्टी बीएसपी और कांग्रेस को भी सर्वे में एक से दो सीट मिलते नजर आ रही है। सर्वे के आंकड़ों के अनुसार माना जाए तो यूपी में पीएम मोदी का मैजिक कायम है। अब अगर अगले लोकसभा चुनाव में सर्वे के आंकड़े के अनुसार परिणाम आते हैं तो विपक्ष के लिए बड़ा झटका होगा। साथ ही अखिलेश यादव के साथ चाचा शिवपाल यादव की रणनीति भी फेल होती नजर आएगी। हालांकि अभी लोकसभा चुनाव में लगभग एक साल का वक्त बचा हुआ है।

'राहुल गांधी की सदस्यता रद्द होने पर सीएम नीतीश होंगे खुश', गिरिराज सिंह

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह इन दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी मामले को लेकर लगातार हमलावर हैं। रविवार को पटना में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि नाखून काटा कर शहीद होना, ये कांग्रेस से सीखनी चाहिए। राहुल गांधी अहंकार में कोर्ट को अपमानित कर रहे हैं। राहुल गांधी से पहले इस मामले में 32 लोगों की सदस्यता गई है। वहीं, सीएम नीतीश कुमार को लेकर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार खुश हो रहे हैं कि राहुल गांधी के जाने के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए अब उनका मौका आएगा।

'कांग्रेस किसकी सहानुभूति लेना चाहती है'

गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी कह रहे हैं कि सत्याग्रह निकाल रहे हैं ये सत्याग्रह वो इसलिए कर रहे हैं कि पिछड़ों को गाली देने का अधिकार मिले। ये सत्याग्रह वो दिल्ली में सिख दंगों के सबसे बड़े दोषी जगदीश टाइटलर के नेतृत्व में कर रहे हैं। इस सत्याग्रह से कांग्रेस किसकी सहानुभूति लेना चाहती है?

राहुल गांधी पर साधा निशाना

वहीं, राहुल गांधी के ट्विटर पर डिसक्वालिफाइड सांसद लिखे जाने पर उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने कहा था कि दुर्भाग्य है कि मैं सांसद हूं। न्यायालय में माफी मांगने का मौका मिला लेकिन पिछड़ों से माफी नहीं मांगे। पीएम नरेंद्र मोदी पिछड़े समाज से होकर भी आज प्रधानमंत्री हैं तो उनको दुख होता है। राहुल गांधी को तो लिखना ही पड़ेगा।

'सावरकर को समझने में राहुल गांधी को कई जन्म लगेंगे'

सावरकर को लेकर राहुल गांधी के दिए बयान पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वीर सावरकर की तुलना राहुल कौन कहें, उनके पिता नहीं रहे, उनकी दादी नहीं रहीं, उनके दादा फिरोज गांधी जिन्हें ये भूल गए हैं, इस पूरे कुनबे में कोई सावरकर से बराबरी नहीं कर सकता। सावरकर को समझने में राहुल गांधी को कई जन्म लगेंगे। वहीं, आगे उन्होंने कहा कि वोट किसी पार्टी के पास नहीं होती है जनता के पास होती है। 2014 और 2019 में भी अहंकार था। 2024 में भी जनता अहंकार तोड़ेगी।

'तेजस्वी और मीसा को जांच एजेंसियां प्रताड़ित कर रही हैं'

प्रियंका गांधी ने कहा- हम सब एकजुट हैं

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और राज्यसभा सदस्य मीसा भारती से सीबीआई और ईडी ने पूछताछ की थी। इसको लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती को जांच एजेंसियों का द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है क्योंकि बीजेपी देश के विपक्ष को खत्म करना चाहती है। इसको लेकर प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया था।

प्रियंका गांधी ने किया ट्वीट

प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर लिखा था कि 'बीजेपी इस देश से विपक्ष और लोकतंत्र खत्म करना चाहती है। इसलिए लगातार विपक्ष के लोगों की आवाज पर हमला कर रही है। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और मीसा भारती को एजेंसियों द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। लोकतंत्र पर हो रहे हमले के खिलाफ हम सब एकजुट हैं।'

मीसा भारती और तेजस्वी यादव से हुई थी पूछताछ

राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी एवं राज्यसभा सदस्य मीसा भारती से रेलवे में नौकरी के बदले जमीन संबंधी कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में शनिवार को दिल्ली में ईडी ने पूछताछ की थी। वहीं, मीसा भारती के भाई और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव इसी मामले में पूछताछ के लिए दिल्ली में सीबीआई समक्ष पेश हुए थे।

क्या है मामला?

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद के 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहने के दौरान पसंदीदा उम्मीदवारों को बिना किसी विज्ञापन या सार्वजनिक सूचना के नियमों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए रेलवे में नियुक्त किया गया था। एजेंसी के अनुसार इसके बदले अभ्यर्थियों ने सीधे या अपने परिवार के सदस्यों के जरिए लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों को जमीन काफी सस्ती दरों पर बेची थीं।

चोरी कर भाग रहे कंटेनर चालक ने पुलिस की गाड़ी को रौंदा

मुजफ्फरपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के सरैया थाना क्षेत्र से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां ऑटो लदे कंटेनर ट्रक की चोरी कर भाग रहे शातिरों ने पुलिस की गश्ती गाड़ी उड़ा दिया, जिसमें एक हवलदार की मौत हो गई। जबकि एक पुलिसकर्मी बुरी तरह घायल है। दरअसल, मामला जिले के सरैया थाना क्षेत्र का है। शनिवार देर रात चोरों ने ऑटो लादे कंटेनर गाड़ी की चोरी कर फरार हो गए। कंटेनर छपरा की ओर से आ रही थी। चोरी की सूचना पर पुलिस अलग-अलग जगहों पर जांच अभियान चला रही थी, जिसके बाद देर रात सरैया थाना पुलिस को इस कंटेनर पर नजर पड़ी।

बीजेपी सांसद ने कहा- शिवपाल भी जा सकते हैं जेल

बताई ये वजह, अब सपा नेता ने दिया ये जवाब

इटावा, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने बीजेपी सरकार पर बड़ा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि सरकार झूठे मुकदमे लगाकर विपक्ष को फंसा रही है। समाजवादी पार्टी जल्द ही सरकार की तानाशाही के खिलाफ सड़कों पर उतरेगी। शिवपाल यादव शहर में निजी होटल के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। जहां उन्होंने फीता काटकर होटल का शुभारंभ किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द होने के सवाल पर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सरकार तानाशाही के रास्ते पर है और विपक्ष पर झूठे मुकदमे लगाकर दबाने का काम कर रही है। तानाशाही ज्यादा समय तक नहीं चलती है। बीजेपी सांसद डॉक्टर रामशंकर कठेरिया द्वारा दिए गए शिवपाल सिंह यादव को जेल भेजने वाले बयान पर उन्होंने कहा कि लगता है उनको इटावा छोड़कर कहीं और से चुनाव लड़ना है।

शिवपाल सिंह यादव ने प्रदेश सरकार के 6 साल पूरे होने के रिपोर्ट कार्ड पर हमला करते हुए कहा कि, 6 साल में कहीं भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने विकास का कार्य नहीं किया है। सरकार सिर्फ झूठा दिखावा कर रही है और जितने भी सरकार ने वादे किए हैं सारे झूठे हैं। प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई चरम पर है।

किसानों की आय दोगुनी करने के बात कही गयी थी, लेकिन वह भी नहीं कर पाए, उल्टा किसानों को लुटवा दिया। शिवपाल ने आगे कहा कि, गेहूं और धान की फसल में न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं दे पाए, आलू की हालत क्या है सभी जानते हैं।

महंगाई इस कदर है कि पूरे देश के जनता के सामने बड़ा संकट पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि हम अपने संगठन को मजबूत करने में लगे हुए हैं। हमने संगठन मजबूत कर लिया है और अब लोकसभा चुनाव में बीजेपी को प्रदेश से उखाड़ फेंकना है।

दो अप्रैल को अमित शाह आएंगे

सम्राट अशोक जयंती पर सवा लाख से ज्यादा जुटेगी भीड़

रोहतास, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सासाराम में आगामी दो अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आगमन है। इस आगमन पर बीजेपी की ओर से पूरी तैयारी चल रही है। ऐसे में बीजेपी के कई दिग्गज नेता रोहतास पहुंचकर निरीक्षण करने में जुटे हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, पूर्व अध्यक्ष संजय जायसवाल समेत कई नेता का यहां आगमन हुआ है। निरीक्षण करने पहुंचे कई दिग्गज स्थानीय बीजेपी सांसद छेदी पासवान समेत कई नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। सासाराम रेलवे मैदान में सम्राट अशोक के जयंती समारोह में केंद्रीय मंत्री अमित शाह भाग लेंगे। बीजेपी सांसद छेदी पासवान ने कहा कि भू माफियाओं द्वारा सम्राट अशोक के लघु शिलालेख को कब्जा कर रखा गया था, जिसे मुक्त कराया गया है। जल्द ही उसे और नए

तरीके से विकसित किया जाएगा। सांसद का दावा है कि सवा लाख से अधिक लोग गृह मंत्री अमित शाह को सुनने रेलवे मैदान पहुंचेंगे। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी चल रही है। भूमाफिया से लिया गया वापस शिलालेख सम्राट अशोक के लघु शिलालेख से संबंधित खबर को प्रमुखता से चलाने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आई। तभी उस शिलालेख को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। शिलालेख को वापस आने के बाद गृह मंत्री अमित शाह सम्राट अशोक की जयंती मनाने सासाराम आ रहे हैं।

संभल सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क बोले

राहुल गांधी की सदस्यता जाने से भड़केगी आग

संभल, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म होने के बाद सपा सांसद डॉ। शफीकुर्रहमान बर्क कांग्रेस नेता के समर्थन में आ गए। राहुल गांधी के बहाने सपा सांसद ने नाम लिए बगैर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि भले ही राहुल गांधी की संसद की सदस्यता खत्म हो गई हो, लेकिन आग ठंडी होने के बजाय और भड़केगी। 2024 के चुनाव में लोगों के जज्बात उभरकर सामने आएंगे।संभल के दीपा सराय स्थित अपने आवास पर सपा सांसद डॉ। शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा कि राहुल गांधी को 2 साल की सजा दे दी गई। ऐसा करने से आग ठंडी नहीं होगी।

2024 का लोकसभा चुनाव सामने है। इससे आग और भड़केगी। लोगों के जज्बात और उभरकर सामने आएंगे। इससे

उन्हें यह समझना चाहिए कि यह तरीका ठीक नहीं है। जिस तरह से वह इस मुल्क को चलाना चाहते हैं, मुल्क पर कब्जा करना चाहते हैं, मैं समझता हूं कि देश सबका है, पूरे हिंदुस्तान के बच्चे इस देश के हैं। सब उसके मालिक हैं। सांसद ने कहा कि कानून के हिसाब से देश को चलाना है। जिनके हाथ में हुकूमत है, उन्हें समझना होगा कि कानून के हिसाब से काम करना होगा, तभी देश आगे बढ़ेगा, तरक्की करेगा। राहुल गांधी को लेकर जो कुछ हुआ है, वह ठीक नहीं हुआ है। अभी तो सुप्रीम कोर्ट भी मौजूद है। इन हालात में वह इलेक्शन जीतने के लिए इलेक्शन को कवर करने के लिए जो हालात पैदा करना चाहते हैं, इससे आग और भड़केगी। सांसद ने कहा कि मुल्क सबका है। आज इनके हाथ में है, कल को दूसरे के हाथ में होगा।

कानून के हिसाब से काम करेंगे तो मुल्क का अवाम उनके साथ होगा। अवाम सरकार के साथ नहीं है। वे दुखी हैं, क्योंकि मुल्क के हालात बहुत खराब हैं। लोगों को भरपेट खाना नहीं मिल रहा है, हर चीज पर महंगाई बढ़ी हुई है। ऐसे हालात में देश कैसे आगे चलेगा। यह सब कुछ सोचने की जरूरत है, सरकार किसी की भी बने, लेकिन हमें सोच-समझ कर काम करना चाहिए। देश में दबे-कुचले लोग हैं, वह कैसे जिंदा रहेंगे।

पति छोड़कर जिस प्रेमी से की शादी, उसने सिर काटा

मधुबनी में मां-बेटी की सिर कटी लाश नदी किनारे फेंका, प्रेमी फरार

मधुबनी, 26 मार्च (एजेंसियां)। मधुबनी में पति छोड़कर प्रेमी से कोर्ट मैरिज करने वाली महिला को मौत मिली। प्रेमी ने महिला और उसकी बेटी का सिर काटकर नदी के किनारे फेंक दिया। घटना के बाद से वह फरार है। घटना जिले के फुलपरास की है। पुलिस को चार दिन पहले दो सिर कटी लाश मिली थी। अब इसकी पहचान रतौली गांव निवासी माला देवी (25) और आरूषी कुमारी (8) के रूप में हुई। महिला के भाई ने कपड़े से शव की पहचान की। उसने बताया कि माला देवी ने कुछ दिनों पहले कोर्ट में गांव के ही युवक से शादी की थी। दरअसल, बुधवार की सुबह फुलपरास थाना क्षेत्र के सुदैई गांव में दो सिर कटी लाश मिली थी। सुपेन नदी के पास आम के बगीचे में स्थानीय लोगों ने महिला और एक नाबालिग बच्ची का शव देख पुलिस को बुलाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान के लिए पूछताछ की।

नमाजियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाना चाहते हैं सपा विधायक

अनुमति के लिए डीएम को लिखा पत्र

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के चांदपुर विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक स्वामी ओमवेश ईद के मौके पर नमाजियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाना चाहते हैं, इसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर अनुमति मांगी है। उन्होंने कहा है कि ईद मुस्लिम भाइयों का पवित्र त्योहार है, और विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के लोग काफी संख्या में हैं, ऐसे में उनके सम्मान के लिए हमने हेलीकॉप्टर से फूलों बरसाने के लिए डीएम को पत्र लिखा है। पूर्व राज्यमंत्री व विधायक स्वामी ओमवेश ने बिजनौर के जिलाधिकारी को पत्र लिखकर ईद पर नमाजियों पर पुष्प वर्षा करने की परमिशन मांगी है। विधायक ने कहा है कि ईद के मौके पर मुस्लिम भाइयों के सम्मान, स्वागत व वंदन के लिए चांदपुर ईदगाह पर नमाज पढ़ने वाले नमाजियों पर करीब आधा घंटा हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करना चाहते हैं। इसके लिए अनुमति चाहते हैं। विधायक स्वामी ओमवेश ने कहा है कि हेलीकॉप्टर अपने स्थान से उड़ान भरकर चांदपुर ईदगाह पर पुष्पवर्षा करके वापस अपने स्थान पर चला जाएगा। कहीं पर भी किसी प्रकार की लैंडिंग नहीं की जाएगी। बता दें कि स्वामी ओमवेश बिजनौर जिले के चांदपुर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं।

बरौनी ग्वालियर ट्रेन में मिला था 25 केजी विस्फोटक

बम निरोधक दस्ता की टीम ने किया डिफ्यूज

सीवान, 26 मार्च (एजेंसियां)। बरौनी ग्वालियर ट्रेन में करीब 25 किलो विस्फोटक को बम निरोधक दस्ता द्वारा डिफ्यूज किया गया। सीवान शहर से करीब एक किलोमीटर दूर रेनुआ में विस्फोटक को डिफ्यूज किया गया। विस्फोटक को डिस्फूज करने के लिए मुजफ्फरपुर से बम निरोधक दस्ता की दो सदस्यीय टीम सीवान पहुंची थी। इस मामले की जांच में प्रशासन जुटा हुआ है। वहीं, इस घटना की सूचना के बाद लोगों में दहशत का माहौल हो गया है।

सीवान स्टेशन पर 23 ग्वालियर-बरौनी डाउन एक्सप्रेस ट्रेन में 22 मार्च को विस्फोटक सामग्री मिला था, जिसे बम निरोधक दस्ता मुजफ्फरपुर की टीम ने रात रेनुआ दाहा नदी के किनारे डिफ्यूज किया। मुजफ्फरपुर रेल एसपी डॉ। कुमार आशीष के निर्देश पर बम निरोधक दस्ता की टीम सीवान स्टेशन पहुंची। सीवान पहुंची बम निरोधक दस्ता की टीम ने पहले जीआरपी प्रभारी सुधीर कुमार सिंह से जानकारी ली। इसके बाद नए रेल थाना भवन परिसर में रखे विस्फोटक सामग्री का आकलन किया।

कार्यपालक दंडाधिकारी को किया गया था तैनात

इसके बाद बम निरोधक दस्ता की टीम ने बम विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित ढंग से दाहा नदी के किनारे ले गई, जिससे किसी भी तरह की कोई जान माल की क्षति नहीं हो। इसके बाद निस्तारण प्रक्रिया अपनाई गई। विस्फोटक सामग्री को डिफ्यूज करने के लिए मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई थी। मजिस्ट्रेट के रूप में एसडीओ कार्यालय के कार्यपालक दंडाधिकारी रवि कुमार को तैनात किया गया था। मजिस्ट्रेट के देखरेख में डिफ्यूज करने की प्रक्रिया अपनाई गई। वहीं, विस्फोटक सामग्री को डिफ्यूज करने से पहले उसका नमूना भी लिया गया। इस नमूने को जांच के लिए एफएसएल भेजा जाएगा, ताकि पता चल सके कि इस विस्फोटक सामग्री में क्या था? और इसकी मारक क्षमता कितनी थी।

ललितपुर में दर्दनाक हादसा, ट्रक ने बाइक को रौंदा, तीन युवकों की मौत

ललितपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ललितपुर में दर्दनाक हादसा हुआ हुआ है। हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, कोतवाली इलाके के अंतर्गत ग्राम चीरा के सामने पाचौनी तिराहे के पास झांसी की तरफ जा रही एक बाइक को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक को घसीटता हुआ काफी दूर तक ले गया, जिससे बाइक पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ग्राम चीरा के पास बाइक सवार दो युवकों के शव पड़े मिले, जिस पर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आगे जाकर देखा तो बाइक और एक युवक का शव करीब दो किलोमीटर दूर ग्राम दुर्जनपुरा मोड़ के पास हाईवे पर पड़ा मिला।

पटना में होटल मौर्या के मालिक के ठिकाने पर छापेमारी, यूपी से पहुंची है ईडी की टीम

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के बड़े होटल में एक मौर्या के मालिक पर ईडी ने कार्रवाई की है। होटल मोर्या के मालिक एसपी सिन्हा के मालिक के आवास और अन्य ठिकाने पर ईडी की रेड चल रही है। टीम देर शाम प्रयागराज (इलाहाबाद) से पटना पहुंची। इसके बाद एसपी सिन्हा और उनके सीए के आवास पर पहुंची। सूत्रों की मानें तो एक अन्य टीम दोनों के दफ्तर में भी पहुंची और जांच कर रही है। इधर, टीम के कुछ मेंबर होटल मौर्या, एसपी सिन्हा के आरा गार्डेन स्थित आवास और रुकनपुरा में एक अन्य ठिकाने पर दबिश दी है। सभी स्थानों पर तमाम कागजातों को खंगाला गया।

पिता ने बेटी के सिर में मरवाई गोली, मौत

मधेपुरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। मधेपुरा में एक पिता ने अपनी ही बेटी की गोली मरवाकर हत्या करवा दी। गोली युवती के सिर में लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सिंहेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत पतराहा टोला की बीती देर रात की है। आरोपी पिता फिलहाल फरार है। युवती की मई में शादी होने वाली थी। बेटी द्वारा शराब पीने के लिए पैसे ना देने से पिता नाराज था और इसलिए उसने इस घटना को अंजाम दिया।

मृतिका की पहचान शिवराम साह (50) की 24 वर्षीय बेटी वंदना के रूप में की गई। वंदना दिल्ली में किसी निजी कंपनी में काम करती थी। परिवार का पूरा खर्च भी वही उठाती थी। मई में उसकी शादी होने वाली थी। इसलिए वो छुट्टी पर अपने गांव पहुंची थी और शादी की तैयारी में जुटी हुई थी। वहीं, शिवराम साह कुछ काम नहीं करता है और हमेशा शराब पीने के लिए घर में पैसे के लिए विवाद किया करता था। मृतिका की मौसी सुनीता देवी ने बताया कि शिवराम साह नशेड़ी है और वह अपनी बेटी से शराब पीने के लिए बराबर पैसा मांगता रहता था। इसे लेकर परिवार में झगड़ा भी होता रहता था। वंदना, शिवराम की सबसे बड़ी बेटी थी। उसके बाद एक और बेटी और एक 14 साल का बेटा है। सुबह शिवराम ने वंदना से शराब पीने के लिए 500 रुपए मांगे। बेटी ने रुपए देने से इंकार कर दिया तो शिवराम नाराज हो गया और घर से चला गया। परिजनों के अनुसार, देर रात शिवराम किसी अन्य व्यक्ति के साथ घर पर आया। घटना के समय मां चंदा देवी और चाची मौजूद थी।

शिवराम के साथ आए व्यक्ति ने चेहरे पर गमछा लपेट रखा था। वो वंदना से बात करने लगा। इसी बीच उसने वंदना के सिर में गोली मार दी। घटना के तुरंत बाद शिवराम अपने साथी के साथ बाइक से भाग निकला। घर में हंगामा मच गया और फौरन वंदना को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कर्नाटक चुनाव से पहले भाजपा की कोशिश

येदियुरप्पा के जरिए लिंगायत वोट बैंक को रिझाने के प्रयास जारी

बेंगलुरु, 26 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस। येदियुरप्पा को विधानसभा चुनावों से पहले उन्हें नई दिल्ली में कोर टीम में शामिल किया है और उनसे कहा है कि वो लिंगायत समुदाय से अपील करे कि वे उन्हें सत्ता से हटाने के लिए भाजपा के प्रति कोई कटु भावना न रखें।

पीएम और गृह मंत्री ने की प्रशंसा

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह खुले तौर पर येदियुरप्पा की प्रशंसा की और उनके साथ अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की। सूत्रों ने कहा कि भगवा पार्टी समझ गई है कि राज्य में एक और जन नेता बनाने में उनकी पार्टी असमर्थ है। उनका मानना हैं कि येदियुरप्पा को पार्टी द्वारा लगाई गई फटकार ने लिंगायत समुदाय को नाराज कर दिया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक ने भाजपा पर साधा निशाना

उत्तर कर्नाटक के कुष्टगी से कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक अमरेगौड़ा पाटिल ने मीडिया से कहा कि भाजपा के लिए इस समय खोई हुई जमीन वापस पाना असंभव है। उन्होंने कहा, बीजेपी ने येदियुरप्पा को खत्म कर दिया है, उन्होंने बेहद दुख के साथ इस्तीफा दिया था। एक विधायक के रूप में, मैं कह सकता हूं कि बीजेपी में किसी अन्य नेता के साथ ऐसा दुर्व्यवहार नहीं किया गया था। अब, वे उनके साथ वापस आ गए हैं और दावा कर रहे हैं कि वह उनके नेता हैं।

राज्य में लिंगायत समुदाय की बड़ी संख्या

80 वर्षीय येदियुरप्पा भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोपी येदियुरप्पा 80 साल की उम्र में भी लिंगायत समुदाय के निर्विवाद नेता हैं। कर्नाटक में भाजपा लिंगायत समुदाय उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जनसंख्या का 17 प्रतिशत है। लिंगायत पूरे राज्य में फैले हुए हैं और दक्षिण कर्नाटक के कई जिलों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। येदियुरप्पा ने कर्नाटक में पार्टी को शून्य से खड़ा किया था।

लिंगायत समुदाय के लोगों में येदियुरप्पा के लिए सम्मान

वह विपक्षी नेता के पद तक पहुंचे और ऑपरेशन लोटस₹ के माध्यम से भाजपा को सत्ता में लाने के बाद वह सीएम बने। राज्य भर का लिंगायत समुदाय उनके साथ मजबूती से खड़ा था। येदियुरप्पा, अन्य समुदाय के नेताओं के वादों को पूरा करके, एक बड़े नेता बन गए, जो राज्य में सभी समुदायों को अपील कर सकते हैं। लोग आज भी सभी समुदायों के लिए उनके कार्यक्रमों को याद करते हैं, जिनमें कोई जाति या धार्मिक रंग नहीं था।

मर्चेंट नेवी कैप्टन ने घरेलू काम के लिए रखा था ड्राइवर, एक करोड़ की नकदी और जेवर लेकर हुआ चंपत

लुधियाना, 26 मार्च (एजेंसियां)। लुधियाना के हैबोवाल इलाके में रहने वाले मर्चेंट नेवी के कैप्टन गौतम चोपड़ा की पत्नी को विश्वास में लेकर उनका ड्राइवर एक करोड़ रुपये की नकदी और चालीस लाख रुपये कीमत के सोने और हीरे के जेवरात लेकर फरार हो गया। कैप्टन गौतम चोपड़ा ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने ड्राइवर भविश शर्मा उर्फ भानू और उसकी मां किरण बाला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी भानू को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन उसके कब्जे से कोई रिकवरी नहीं हुई थी। अब पुलिस उसकी मां किरण बाला का पता लगाने में जुटी थी। जांच के दौरान पता चला कि किरण बाला के साथ उसके पति पवन कुमार शर्मा और पारस भी शामिल हैं।

जेडीएस की रैली के बाद फेंका हुआ खाना खाने से 15 गायों की मौत

बेंगलूरू, 26 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के यादगीर जिले के येरागल गांव में कम से कम 15 गायें फूड पॉइजनिंग से मर गई हैं। बताया जा रहा है कि जेडीएस की रैली के बाद वेस्ट खाने को खाकर वे बीमार पड़ीं और उनकी मौत हो गई। जनता दल सेक्यूलर ने 24 मार्च को गुरमित्कल विधानसभा में पार्टी उम्मीदवार शरणगौड़ा कंडाकुर के समर्थन में पंचरत्न यात्रा की शुरुआत की थी, जहां बड़ी संख्या में समर्थक जुटे थे। इवेंट के बाद यहां शिरकत करने वाले लोगों के लिए खाने के इंतजाम भी किए गए थे, और वेस्ट फूड्स यहीं पास के एक खेत में फेंक दिया गया था। आमतौर पर यहां के किसान जानवरों को चरने के लिए खेतों में खुला छोड़ देते हैं, और चरने के बाद वे अपने शेल्टर में शाम होते ही वापस लौट जाती हैं। आमतौर पर किसानों को ये उम्मीद होती है कि जानवर खाने के बाद खुद ही वापस लौट आएंगे, लेकिन जेडीएस की रैली के बाद, खेतों में फेंके गए वेस्ट खाने के लिए 30-35 गायें पहुंच गईं और वे अगले दिन तक भी वापस नहीं लौटीं। खेतों में बड़ी मात्रा में पके हुए चावल फेंके गए थे। बाद में कुछ स्थानीय लोगों ने नोटिस किया कि गायों के पेट फुले हैं तो उन्होंने अथॉरिटी को इस बारे में जानकारी दी। पशुपालन विभाग के डायरेक्टर राजू देशमुख के हवाले से बताया कि जानकारी मिलने के बाद वे गांव में पहुंचे, और जानवरों की जांच की तो पता चला कि 9 गायें तबतक मर चुकी थीं। बाद में ऑटोप्सी के लिए सैंपल भेजा गया तो पता चला कि गायों की मौत फूड पॉइजनिंग की वजह से हुई। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक गायों ने कम से कम 5-6 किलो चावल खाई थी, खाना सड़ चुका था। विभाग के अधिकारी ने बताया कि 6 गायों का इलाज किया जा रहा था, जिसने दम तोड़ दिया। इनके अलावा 20 गायों का इलाज चल रहा था और वे खतरे से बाहर थीं।

मनरेगा मजदूरों के लिए अच्छी खबर

केंद्र सरकार ने मजदूरी दरों में वृद्धि की अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम के तहत मजदूरी दरों में वृद्धि को अधिसूचित किया है। हरियाणा में सबसे अधिक दैनिक वेतन 357 रुपये प्रति दिन और मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे कम है 221 रुपये मजदूरी तय की गई है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 24 मार्च को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरी दरों में बदलाव की अधिसूचना जारी की। अधिसूचना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 की धारा 6 (1) के तहत जारी की गई। मजदूरी वृद्धि सात रुपये से लेकर 26 रुपये तक की गई है। इसे एक अप्रैल से लागू कर दिया जाएगा। पिछले वर्ष की दरों की तुलना में राजस्थान में मजदूरी में सर्वाधिक प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। राजस्थान के लिए संशोधित वेतन 255 रुपये प्रति दिन है, जो 2022-23 में 231 रुपये था। बिहार और झारखंड ने पिछले साल की तुलना में लगभग आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल, इन दोनों राज्यों में एक मनरेगा कार्यकर्ता के लिए दैनिक मजदूरी 210 रुपये थी। अब इसे संशोधित कर 228 रुपये कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के लिए, जहां सबसे कम दैनिक मजदूरी 221 रुपये है, पिछले वर्ष की तुलना में 17 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। 2022-23 में, दोनों राज्यों में दैनिक वेतन 204 रुपये था। राज्यों के लिए मजदूरी में वृद्धि दो से 10 प्रतिशत के बीच है। सबसे कम प्रतिशत वृद्धि दर्ज करने वाले राज्यों में कर्नाटक, गोवा, मेघालय और मणिपुर शामिल हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों की आजीविका सुरक्षा को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों की गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करना है, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम के लिए स्वेच्छा से काम करते हैं।

राहुल गांधी की सदस्यता खत्म होने के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन, कई नेताओं की हुई गिरफ्तारी

हरिद्वार, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर हुई कार्रवाई के बाद उत्तराखंड कांग्रेस के नेता आंदोलन की राह पर हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आज कांग्रेसी नेताओं ने प्रदेशभर में सत्याग्रह कर विरोध दर्ज किया। जिस क्रम में आज भगत सिंह चौक पर स्थित गांधी पार्क में सत्याग्रह आंदोलन करने जा रहे सैकड़ो कांग्रेसियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। धर्मनगरी हरिद्वार में जिला कांग्रेस द्वारा सत्याग्रह आंदोलन का कार्यक्रम रखा गया था जिसके लिए आज रविवार को जैसे ही कांग्रेसियों ने गांधी पार्क का रूख किया वहां तैनात भारी पुलिस बल ने कांग्रेसियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मौके पर ज्वालापुर विधायक रविबहादुर ने कहा कि महात्मा गांधी के चरणों मे बैठ कर सत्याग्रह करना भी भाजपा की सरकार में अपराध हो गया है उन्होंने कहा कि अगर सरकार की नजर में सत्याग्रह करना भी अपराध है तो वे गिरफ्तारी को तैयार है ।

माफिया अतीक को प्रयागराज ला रही है यूपी पुलिस

गाड़ी पलटने को लेकर डीजीपी का हैरान करने वाला जवाब

प्रयागराज, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया अतीक अहमद की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दरअसल, प्रयागराज पुलिस गुजरात के साबरमती जेल में बंद अतीक अहमद को यूपी लाने के लिए गई हुई है। जानकारी के मुताबिक, माफिया अतीक अहमद से उमेश पाल हत्याकांड में पूछताछ की जाएगी। साथ ही 2006 से जुड़े एक मामले में अतीक अहमद को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसी के साथ उत्तर प्रदेश के डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान ने अतीक अहमद की गाड़ी पलटने को लेकर बड़ा जवाब दिया है। उत्तर प्रदेश के डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान ने अतीक अहमद की गाड़ी पलटने को लेकर बड़ा जवाब देते हुए कहा कि हमारी गाड़ियां नहीं पलटतीं बल्कि केवल अपराधी पलटता है। साथ ही डीजीपी ने कहा कि माफिया अतीक अहमद को गुजरात से यूपी इसलिए लाया जा रहा है क्योंकि उसको एक पुराने मामले में कोर्ट के सामने पेश किया जाएगा। इसके अलावा डीजीपी ने यूपी पुलिस की सख्ती का बड़ा दावा करते हुए कहा कि यूपी पुलिस जब जिसको चाहे अरेस्ट कर सकती है, कानून के कठघरे में खड़ा कर सकती है। बता दें कि माफिया से नेता बने अतीक अहमद को प्रयागराज जेल में हाई-सिक्योरिटी बैरक में आइसोलेशन में रखा जाएगा। साथ ही उनके सेल में सीसीटीवी कैमरा होगा। जेल कर्मचारियों को उनके रिकॉर्ड के आधार पर चुना और तैनात किया जाएगा, उनके पास बॉडी वियर कैमरे होंगे। प्रयागराज जेल कार्यालय और जेल मुख्यालय वीडियो वॉल के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी करेगा। प्रयागराज जेल में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए डीआईजी को जेल मुख्यालय भेजा जा रहा है। इसी के साथ डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि आरोपी को हमें कब और कैसे गिरफ्तार करना है यह हमारी रणनीति का हिस्सा है। यूपी पुलिस की एनकांउटर प्रणाली को लेकर डीजीपी ने कहा कि यह हमारी ट्रेनिंग है कि अगर हमारे ऊपर कोई गोली चलाएगा तो हम इसका जवाब गोली से ही देते हैं। साथ ही कहा कि यूपी पुलिस की नींव मजबूत है। अपराधियों के जेल में बनने वाले षड़यंत्र को लेकर डीजीपी ने कहा कि हम उस प्लानिंग को विफल कर देते हैं, कभी कभार इसके बारे में हम जाहिर नहीं करते हैं।

रिंकू शर्मा की हत्या के आरोपियों की जमानत का विरोध, विहिप ने की यह अपील

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। रिंकू शर्मा हत्याकांड के आरोपियों को जमानत मिल गई है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इस जमानत का विरोध करते हुए कहा है कि यह शांतिपूर्ण समाज के लिए घातक है कि जिन अपराधियों ने दिनदहाड़े रिंकू शर्मा की हत्या को अंजाम दिया था, आज उन्हें उसी इलाके में खुले घूमने के लिए छोड़ दिया गया है। संगठन ने कहा है कि इससे मामले की जांच भी प्रभावित हो सकती है, लिहाजा यह न्याय के हित में है कि ऐसे अपराधियों को खुलेआम न छोड़ा जाए। रिंकू शर्मा की हत्या 10 फरवरी 2021 को कर दी गई थी। वह बजरंग दल का सदस्य भी बताया गया था। इस घटना के बाद हुए आक्रामक प्रदर्शन के कारण यह राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने हत्या के पीछे सांप्रदायिक कारण होने से इनकार किया था। रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आरोपियों की रिहाई के विरुद्ध प्रदर्शन करते हुए विहिप नेता सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि इतने जघन्य अपराध के आरोपियों को केवल दो साल में जमानत मिल गई। इससे न्याय की उम्मीद पाले बैठे लोगों को भारी आघात पहुंचा है। उन्होंने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया है कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने आरोपियों के विरुद्ध अदालत में सही तरीके से लड़ाई नहीं लड़ी जिसके कारण उन्हें बेहद आसानी से जमानत मिल गई। उन्होंने कहा कि इस तरह के जघन्य हत्याकांड के आरोपियों की सहज रिहाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के मौन समर्थन के कारण हत्यारों को जमानत मिल जाती है और वो बाहर आकर गवाहों को धमकाते है। यह बेहद गंभीर मामला है। सभी संबंधित पक्षों को इस पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए।

भाई ने क्रिकेट खेलने पर 3 छोटी बहनों पर लोहे की रॉड बरसाई

दो की हालत गंभीर, केस दर्ज

पुणे, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे के वारजे इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई हैं। भाई ने क्रिकेट खेलने को लेकर हुए विवाद में 3 छोटी बहनों पर लोहे की रॉड, पाइप से हमला कर दिया। भाई के हमले में 3 नाबालिग लड़कियां गंभीर रूप से घायल हो गईं हैं। आरोपी भाई ने अन्य साथियों के साथ मिलकर 8 और 12 वर्षीय बहनों पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। कृष्णा सहानी ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। रामनाथ सहानी, राम सहानी और 2 अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूरी घटना शनिवार रात करीब 8।30 बजे वारजे के डंगट बस्ती के पास हुई। वादी और आरोपी दोनों सौतेले भाई-बहन हैं। इन दोनों के बीच मैदान पर क्रिकेट के खेल को लेकर कुछ कहासुनी हो गई। इसी गुस्से को मन में रखकर आरोपी ने बहन कृष्णा को मारने के लिए सीधे घर में घुस गया। इस दौरान आरोपियों ने कृष्णा को नहीं देखा तो उन्होंने घर में मौजूद महिलाओं की लोहे की रॉड से पिटाई कर दी। इस हमले में कृष्णा की मां और तीन छोटी बहनों पर रामनाथ साहनी, राम साहनी और दो अन्य साथियों ने हमला किया था। खून से लथपथ बच्चियों को तुरंत लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद आरोपी के खिलाफ वारजे थाने में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

करौली बाबा ने समस्या निदान, इलाज के नाम पर थानेदार को ठगा

एक लाख 51 हजार खाते में ट्रांसफर किए

छतरपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर शहर के रहने वाले एक रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर ने कानपुर के प्रसिद्ध करौली आश्रम के बाबा संतोष भदौरिया पर जालसाजी कर ठगी करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। रिटायर्ड पुलिसकर्मी का आरोप है कि स्वयं उनकी व उनके घर वालों की बीमारियों को ठीक करने का बाबा ने दावा किया था और इसी झांसे में आकर उन्होंने एक लाख 51 हजार की राशि आश्रम के द्वारा दिए गए बैंक खाते में ट्रांसफर करवाई थी, और उसके बाद 20 मार्च को आश्रम में हवन कराया गया। रिटायर्ड पुलिस एएसआई प्रकाश नारायण भट्ट का कहना है कि बाबा ने यह दावा किया था कि आपके परिवार के जितने लोग अलग-अलग बीमारियों , समस्याओं से परेशान हैं सभी लोग एक दिन के हवन, पूजन, अनुष्ठान में पूरी तरह से तत्काल ठीक हो जाएंगे। प्रकाश नारायण भट्ट का कहना है कि उनकी पत्नी अनीता भट्ट सहित परिवार के कुल छह सदस्य बाबा के आश्रम गए थे, निर्धारित दिन 20 मार्च को हवन हुआ, लेकिन हवन के उपरांत भी उन्हें या उनके परिवार के किसी भी सदस्य को जरा भी राहत नहीं मिली, जिसके बाद 22 मार्च को पुनः जब उनकी बाबा संतोष भदौरिया से मुलाकात हुई, और जब उन्होंने बाबा से बताया कि उन्हें कोई भी राहत नहीं मिली है, तो बाबा ने कहा कि सब ठीक है इसके बाद उन्होंने कहा कि 1% आराम नहीं है तो फिर बाबा ने कहा नहीं मिला आराम तो हो जायेगा और उन्हें उनके चेले/बाउंसरों ने उन्हें वहां से चलता कर दिया, वहीं उन्होंने यह भी बताया कि बाबा के आस-पास कई बाउंसर तैनात रहते हैं, कोई भी ज्यादा बाबा से बातचीत या बहस नहीं कर सकता, करते हैं तो उनका बुरा हाल होता है।

सीएम नीतीश को रामकृपाल यादव से है मलाल

खुले मंच से बोले- आरजेडी से बीजेपी में चले गए तो मेरे कामों को भूल गए

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी पटना के एसके मेमोरियल हॉल में राम लखन सिंह यादव स्मृति समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। इस समारोह में कई राजनीतिक दिग्गज पहुंचे हुए थे। इस दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि 9 मार्च को जयंती समारोह मनाना चाहिए। बिहार में राम लखन सिंह यादव के समाज की बड़ी आबादी कम शिक्षित रहती थी।

शिक्षा के लिए लोगों को उन्होंने प्रेरित किया। उन्होंने कितना कॉलेज का निर्माण करवाया। वहीं, वहां मौजूद सांसद रामकृपाल यादव पर तंज कसते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि रामकृपाल यादव आरजेडी में थे लेकिन बीजेपी में चले गए, वो भूल गए हैं जो राम लखन बाबू और हमने काम किया है। नीतीश कुमार ने कहा कि राम लखन सिंह ने सब जगह लोगों को पढ़ाया। ये कोई साधारण काम नहीं है, कई जगहों पर उन्होंने कॉलेज स्थापित करवाया। जब केन्द्र में मंत्री थे तब भी उन्होंने बहुत काम किया, जो उन्होंने किया है नई पीढ़ी के लोगों तक ये बातें पहुंचना चाहिए।

आज लड़का-लड़की एक बराबर है। बच्चियों के लिए इतना काम हमने किया। आज हम अलग हो गए हैं तो बुराई कर रहे हैं लेकिन पिछला काम भूल गए हैं। काम तो हम लोग कर ही रहे हैं लेकिन राम लखन बाबू को हमेशा याद रखना है कि उन्होंने लोगों के लिए काम किया है। सीएम ने कार्यक्रम को लेकर कहा कि अब से जयंती पर स्मृति समारोह का आयोजन किया जाएगा। अगले साल से सरकारी

तौर पर कार्यक्रम होगा। आज हम आश्वस्त करते हैं कि बहुत जल्द निर्णय लेकर इस काम को कर दिया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि लड़कियां पढ़ेंगी तो प्रजनन दर कम होगा और अभी घट भी रहा है। लड़कियों को जरूर पढ़ाई करानी चाहिए। आपस में प्रेम और भाई चारा का भाव रखिएगा। कोई झगड़ा पैदा करना चाहता है तो मत होने दीजिएगा।

मुक्तसर के बारिश प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने पहुंचे सीएम भगवंत मान, दिया उचित मुआवजे का भरोसा

मुक्तसर (पंजाब), 26 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को मुक्तसर के बारिश व ओलावृष्टि से प्रभावित गांव बुर्ज सिंधवा व डबवाली ढाब का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान इन गांवों में बारिश से प्रभावित खेतों का दौरा किया और किसानों को उचित मुआवजा दिलाने का विश्वास दिलाया। इस मौके पर सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर, मुक्तसर के विधायक जगदीप सिंह काका बराड़, हलका लंबी के विधायक गुरमीत सिंह खुड्डियां, हलका गिद्दड़बाहा इंचार्ज प्रितपाल सिंह, जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन सुखजिंदर सिंह काउणी, डिप्टी कमिश्नर पल्लवी, एसएसपी हरमनबीर सिंह मौजूद थे।

'जेल नहीं जमानत' को लागू न करने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, गृह सचिव तलब

शिमला, 26 मार्च (एजेंसियां)। मानव स्वतंत्रता से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा संज्ञान लिया है। 'जेल नहीं जमानत' पर दिए गए अपने फैसले को लागू न करने पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने गिरफ्तारी, रिमांड, जेल और बेल के संबंध में स्थायी आदेश जारी न करने पर हिमाचल के गृह सचिव को तलब किया है। मामले की सुनवाई 2 मई को निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान हिमाचल सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि फैसले की आंशिक अनुपालना कर दी गई है। फैसले के अनुसार गिरफ्तारी, रिमांड, जेल और बेल के संबंध में स्थायी आदेश जारी करना अभी बाकी है। अदालत ने पाया कि हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, तमिलनाडु और पुडुचेरी ने इस बारे में कोई स्थायी आदेश पारित नहीं किया है। अदालत ने सभी राज्यों को आदेश दिए कि तीन हफ्ते में जरूरी स्थायी आदेश जारी करें। अदालत ने चेताया है कि यदि अदालत के आदेशों की अनुपालना में कोताही बरती गई तो राज्य के गृह सचिव अदालत के समक्ष पेश हों। शीर्ष अदालत ने अपने निर्णय में कहा था कि भारत की जेलों में विचाराधीन कैदियों की भरमार है। आंकड़ों से पता चलता है कि जेलों के दो तिहाई से अधिक विचाराधीन कैदी हैं। इनमें अधिकांश को संज्ञेय अपराध (सात साल या उससे कम के लिए दंडनीय अपराधों का आरोप) के पंजीकरण के बावजूद गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं हो सकती है। अदालत ने जेल नहीं जमानत नियम के महत्व पर जोर देते हुए अनावश्यक गिरफ्तारी और रिमांड को रोकने के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए थे। गिरफ्तारी के संबंध में अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41ए के प्रावधानों की अनुपालना करने के लिए सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्थायी आदेश पारित करने के आदेश दिए थे। अदालत ने पाया था कि इससे निश्चित रूप से न केवल अनुचित गिरफ्तारियां कम होंगी, बल्कि विभिन्न न्यायालयों के समक्ष जमानत की अर्जियों की संख्या भी कम होंगी। शीर्ष अदालत ने जमानत की अर्जी को दो सप्ताह में और अग्रिम जमानत की अर्जी को छह सप्ताह में निपटाए जाने को कहा था। अदालत ने कहा था कि आपराधिक मामलों में दोष सिद्धि की दर बहुत कम है और लगातार हिरासत में रहने के बाद किसी का बरी होना बेहद अन्याय की बात है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अदालतों को जनता की स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए। अदालत ने सभी हाईकोर्ट से कहा है कि जमानत की शर्त पूरी करने में असमर्थ विचाराधीन कैदियों का पता लगाकर, उन्हें जल्द राहत दी जाए। अदालत ने कहा था कि जेल और जमानत के लिए दंड प्रक्रिया संहिता का कानून अंग्रेजों के समय में बना था। लेकिन आजादी के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को यह अहसास नहीं होना चाहिए कि वे पुलिस राज्य में रह रहे हैं। अदालत ने ब्रिटेन का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार से जमानत के लिए अलग से कानून बनाने पर विचार करने का सुझाव दिया था।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 27 मार्च- 2023

आग के मुहाने पर कारखाने

अक्सर सरकारें व प्रशासन तभी चेतता है जब किसी कारखाने व संस्थान में आग जैसी भीषण दुर्घटना हो जाती है। उसके बाद ही सरकारें व प्रशासन खुद कारखाना मालिक और मारे गए मजदूरों के परिजनों के बीच समझौता करा कर कुछ मुआवजा दिला अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेता है। कई बार बड़ा हादसा होने पर सरकारें भी कुछ मुआवजे की घोषणा कर देती हैं। अपने देश क्या पूरी दुनिया में कुछ काम-धंधे ऐसे होते हैं, जिनमें किसी भी समय हादसे की आशंका बनी रहती है। इसलिए उनमें सतर्कता और सुरक्षा संबंधी उपायों का गंभीरता से पालन करने की दरकार सबको रहती है। मगर अपने देश में औद्योगिक सुरक्षा संबंधी नियम-कायदों को किस तरह ताक पर रख कर बहुत कल-कारखाने चलाए जा रहे हैं यह भी किसी से छिपा नहीं है। दुर्भाग्यजनक है कि जिन अफसरों वे महकमों पर इनकी निगरानी की जिम्मा है वे पता नहीं किस लालच में इनकी ओर आंख उठा कर भी देखना पसंद नहीं करते। जब कोई बड़ा हादसा हो जाता है तब जा कर उनकी आंखें खुलती हैं। कुछ दिन की सतर्कता और नियम-कायदों के पालन की औपचारिकता निभाने के बाद फिर से वे कुंभकरणी निद्रा में चले जाते हैं। नतीजतन कारखाना मालिक अपनी मनमानी व लापरवाही पर फिर उतर आते हैं। यही वजह है कि कल-कारखानों में हादसों और उनमें काम करने वाले मजदूरों की मौत का सिलसिला थमने की बजाय और बढ़ता ही जा रहा है। हाल ही में तमिलनाडु के कांचीपुरम में एक पटाखा कारखाने में लगी आग में नौ मजदूरों की मौत हो गई और बारह गंभीर रूप से घायल हो गए। उक्त घटना इसी लापरवाही की एक कड़ी भर है। इस तथ्य को तो हर आदमी जानता व समझता है कि पटाखों के निर्माण में अतिज्वलनशील पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। उनके कारखानों में लापरवाही की मामूली चिनगारी भी भयावह रूप ले सकती है। फिर भी साल दर साल ऐसे हादसे हो जाते हैं, तो जाहिर है कि उनमें जरूरी सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। हर घटना के बाद यह सवाल उठता है कि आखिर सरकारें पटाखा बनाने वाले कारखानों में मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने में विफल क्यों हैं। गौरतलब है कि दक्षिण भारत में पटाखे का निर्माण बड़े पैमाने पर होता है। इनमें ज्यादातर काम मजदूर हाथ से ही करते हैं। पटाखे बनाने से लेकर उनके भंडारण तक। इस काम के लिए वे कोई विशेष प्रशिक्षण भी नहीं लिए होते हैं। इसी का अनुचित लाभ कम मजदूरी में उन्हें कारखाना मालिक रख लेते हैं। सबसे बडी बात तो यह है कि पटाखे बनाने के लिए लाइसेंस लेना पड़ता है, उससे संबंधित नियम-कायदे बहुत सख्त हैं। फिर भी कारखाना मालिक सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने से बाज नहीं आते। जो कारखाने चोरी-छिपे चलाए जाते हैं, उनसे भला नियम-कायदों के पालन की कैसे उम्मीद की जा सकती है। औद्योगिक हादसों पर लगाम न लग पाने की एक बड़ी वजह यह भी है कि उनमें मारे जाने वाले लोगों के लिए मुआवजे का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। दूसरे देशों में औद्योगिक हादसों पर इतना कड़ा जुर्माना है कि हर कारखाना मालिक उससे बचने के उपाय आगे बढ़ कर करता है। अपने यहां बड़ा हादसा होता है, तो कई बार सरकारें भी कुछ मुआवजा दे देती हैं। मगर वह राशि इतनी कम होती है कि उस परिवार का कुछ साल भी गुजारा चलना मुश्किल होता है। इसके चलते कारखाना मालिकों को हादसों का कोई खौफ नहीं रहता। यह केवल पटाखा निर्माण तक सीमित नहीं है, तमाम ऐसे कारखानों व गोदामों में उच्च ताप-दाब पर चलने वाले बायलर तक अप्रशिक्षित मजदूरों के भरोसे चलाए जाते हैं। अपने हैदराबाद में भी हाल ही में स्वपनलोग कांप्लेक्स में इसी तरह का भीषण हादसा हुआ था। जिसमें कई लोगों के मारे जाने की खबर थी। प्लास्टिक आदि के कारखाने व गोदाम भी हमेशा आग के मुहाने पर रहते हैं। ऐसे में जब तक सरकारें औद्योगिक हादसों को लेकर भारी आर्थिक दंड और मुआवजे का प्रावधान नहीं करतीं, तब तक इन पर लगाम लगने का दावा कैसे किया जा सकता है?

इतिहास के नाम पर प्राचीन ग्रंथों का पुनर्लेखन ?

रघु ठाकुर

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंचालक डॉ. मोहन भागवत ने एक नई शोध देश के समक्ष प्रस्तुत की है। वैसे भी वे अनेकों ऐसे शोध पिछले दिनों देश के समक्ष प्रस्तुत करते रहे हैं, जो नितांत गलत, अतार्किक और विवादास्पद रहे हैं। यहां तक की उनके अपने परिवार में भी उनके शोध निष्कर्ष स्वीकार्य नहीं रहे। कुछ ही समय पूर्व उन्होंने यह कहा था कि जाति ईश्वर ने नहीं पंडितों ने बनाई तो ब्राहम्ण समाज की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई थी और उन्हें जब यह महसूस हुआ कि जिनकी सत्ता लाने के लिये संघ बना है वही उनके खिलाफ हो रहे हैं, तो उन्होंने पंडित की एक अलग परिभाषा देकर सफाई देने का प्रयास किया। अभी 3 मार्च 2023 को उन्होंने नागपुर के कन्होलीबारा में आर्यभट् एस्ट्रोनामी पार्क के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए कहा कि भारतीय के पास देश के पारंपरिक ज्ञान भण्डार की कुछ मूलभूत जानकारी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आक्रमण के कारण हमारी व्यवस्था नष्ट हो गई और ज्ञान की हमारी संस्कृति विखंडित हुई। हमारे कुछ प्राचीन ग्रंथ गायब हो गये जबकि कुछ के मामलों में निहित स्वार्थी तत्वों ने प्राचीन कृतियों में गलत द्रष्टिकोण डलवा दिये इसलिये ग्रंथ और परंपरा की फिर से समीक्षा होना चाहिये श्री भागवत जी का यह कथन आमूल चूल झूठ का पुलिंदा है। पहला सवाल तो उनसे यही किया जाना चाहिए कि आक्रमणकारी इस देश में कैसे और क्यों आ सके और क्या उनकी विजय के पीछे भारत की जाति व्यवस्था और कतिपय उच्च जातियों के लोगों का आपसी संघर्ष और गद्दारी नहीं है? यह प्रयास पिछले कुछ दिनों से संघ के द्वारा किया जा रहा है कि इतिहास के नाम पर प्राचीन ग्रंथों का पुर्नलेखन कराया जाये और अतीत में जो अमानवीय और क्रूरता की घटनायें जाति प्रथा के नाम पर हुई है उन्हें शास्त्रों व ग्रन्थों से हटाया जाये ताकि उनकी जमात अतीत के दोषों से दोष मुक्त हो सके। इतिहास को नष्ट करने का यह एक खतरनाक अभियान डॉ. भागवत व उनकी जमात ने शुरू किया है। यह आश्चर्यजनक तथ्य है कि जो श्री मोहन भागवत कह रहे हैं, वही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं विधान परिषद के सदस्य, श्री स्वामी प्रसाद मौर्य भी कह रहे हैं। 2 फरवरी 2023 की लखनऊ में पत्रकार सम्मेलन में भी स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जब तक इस महाकाव्य (राम चरित्र मानस की) की आपत्तिजनक टिप्पणी संशोधित या प्रतिबंधित नहीं होती तब तक इसके खिलाफ उनकी मुहिम जारी रहेगी। (जनसत्ता दैनिक दिल्ली से प्रकाशित, में 3 फरवरी 2023 को पेज नं. 3 पर प्रकाशित समाचार) वैसे तो इतिहासकारों का एक बड़ा हिस्सा आर्यों को विदेशी मानता व सिद्ध करता रहा है और उन्हें भारत में आकर अनार्यों पर अपनी परंपरायें व संस्कृति थोपने का सांस्कृतिक आक्रमणकारी मानता है। पर फिलहाल इस बहस को हम छोड़ भी दें तो दो गैर हिन्दू धर्मावलंबियों के आक्रमणकारी हमले भारत पर मुख्यतः हुये है-एक- मुगलकालीन आक्रमण-दूसरा- ब्रिटिश या अंग्रेजों का आक्रमण। इन आक्रमणकारियों ने सेना की ताकत से भारत पर कैंजा किया था तथा कई वर्षों तक भारत पर मुगल आक्रमणकारियों का शासन रहा है। परन्तु अभी तक इतिहास की कोई ऐसी पुस्तक नज़र नहीं आई जिसमें कहीं भी हिन्दू धर्म से सम्बन्धित पुस्तकों में संशोधन किये जाने का कोई आदेश आक्रमणकारियों या उन शासकों के द्वारा हुआ हो। आक्रमणकारियों ने मंदिर तोड़कर मस्जिदें बनाई यह तो घटनायें सोमनाथ से लेकर अयोध्या तक मिलती है। परन्तु पुस्तकों में परिवर्तन करने की कोई घटना का उल्लेख कहीं भी नही मिलता। और वह संभव भी नहीं था। क्योंकि प्राचीन शास्त्र और ग्रंथ लिखित में बहुत कम थे और जो थे, वह भी अधिकांशतः ब्राह्मण समाज के पास थे क्योंकि वे ज्ञान के अध्ययन और अध्यापन के वर्ण और जाति व्यवस्था के आधार पर एकाधिकारी और नियंत्रक थे। किस ब्राह्मण ने यह संशोधन कब और कैसे किये क्या इसका कोई उत्तर भागवत जी देंगे? फिर कोई एक व्यक्ति समूचे देश के शास्त्र की किताबों में संशोधन या तोड़-मोड़ कैसे कर सकता है? मुगल आक्रमणकारी तो अरबी भाषा वाले थे और वे हिन्दू ग्रन्थों में कोई संशोधन नहीं कर सकते थे। मुगल आक्रमण काल में गुरू ग्रंथ साहिब, जैन ग्रंथ, बौद्ध ग्रंथ और अन्य धर्म के ग्रंथों में किसी बदलाव की शिकायत इन धर्मों के धर्मावलंबियों ने नहीं की। 17वीं सदी में अंग्रेजों के कैंजे के बाद भी इतिहास की घटनाओं के प्रस्तुतिकरण के नजरिये से या विश्लेषण से, मतभिन्नता हो सकती है, उनके द्वारा लिखे गये इतिहास की पुस्तकों पर भी प्रश्नचिन्ह लगाये जा सकते हैं परन्तु हिन्दू धार्मिक ग्रंथों में कोई गलत द्रष्टिकोण या उल्लेख जोड़ने का काम वे भी नहीं कर सकते थे। अगर वे भी ऐसा प्रयास करते तो उन्हें जैन, बुद्ध, इस्लाम, आदि सभी धर्मों की किताबों को बदलना पड़ता। वे कुरान का एक शब्द भी नहीं बदल सके, न किसी अन्य धर्म का। पिछले दिनों वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर पर बिन लादेन के तालीबानी हमले के बाद अमेरिका ने अफगानिस्तान पर कई वर्ष अपना सैन्य नियंत्रण रखा, सद्दाम को मारने के बाद ईराक में अपना नियंत्रण रखा, परन्तु कुरान से कोई छेड़छाड़ नहीं की और न ही यह संभव था। अंग्रेजों ने अपनी सत्ता को कायम और सुरक्षित रखने के लिये निसंदेह इतिहास की घटनाओं को अपने दृष्टिकोण से अपने शासन के हित में व स्थायित्व के लिये प्रस्तुत किया और इतिहास को देशी-विदेशी के संघर्ष के बजाय हिन्दू और मुसलमानों के संघर्ष की ओर मोड़ने का प्रयास किया। परन्तु इस्लामिक परंपराओं और धार्मिक ग्रंथों, हिन्दू परंपराओं व धार्मिक ग्रंथों और उसी प्रकार अन्य भारतीय धर्मों के ग्रंथों और परंपराओं में कोई परिवर्तन वह नहीं कर सकते थे। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत के इतिहास में जाति प्रथा के उदय के बाद जाति भेदभाव की घटनायें हुई हैं और योग्यता व व्यवस्था को जन्मना जातियों के साथ जोड़ दिया गया। शाम्बूक वध से लेकर 18वीं सदी और आज तक भी जाति भेदभाव की हजारों घटनायें हुई है इनसे इंकार करना सत्य पर पर्दा डालना, सत्य को छिपाना और इतिहास और धर्म ग्रंथों को बदलना है। ऐसी अनेक बातें हैं जो कुरान या बाईबिल में या अन्य ग्रंथों में हो सकती हैं, जो आज के समाज की कसौटी पर खरी न हो। परन्तु उन्हें बदला नहीं जा सकता। यह धर्म या मन का ध्रुवीकरण नहीं होगा बल्कि ऐतिहासिक, सामाजिक अपराधों का छिपाना होगा। भारतीय समाज में जातीय भेदभाव रहा है यह तो श्री मोहन भागवत के आदर्श श्री विनायक दामोदर सावरकर ने भी स्वीकार किया है। स्व. सावरकर ने हिन्दू समाज की सात बेड़ियों (जंजीरों) का उल्लेख किया था जिनमें से एक, वेदोत बंदी (गैर ब्राह्मणों के वैदिक साहित्य पढ़ने पर पाबंदी) दूसरी -व्यवसाय बंदी (जन्म के आधार पर रोजगार का निर्धारण) तीसरा - स्पर्शबंदी (अस्पृश्यता) चौथा-समुद्र बंदी (विदेश जाने वालों का जातीय बहिष्कार) पाँचवा- शुद्धिबंदी (हिन्दू धर्म में पुनः वापिसी पर रोक) छटवां - रोटी बंदी- (जाति से बाहर भोजन करने की रोक) और सातवीं-बेटी बंदी (अंतरजातीय विवाह की रोक)। इन सात बेड़ियों का जिक्र हिन्दू धर्म और समाज में होने का उल्लेख स्व. सावरकर ने 1924 में किया था। मतलब साफ है कि भारतीय समाज में और हिन्दू समाज में जातीयता के आधार पर बंधन और भेद हजार साल से अधिक से कायम रहे हैं।

योगी को घेरने में खुद घिरे अखिलेश

निरंकार सिंह

प्रयागराज हत्याकाण्ड में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को घेरने के फेर में अब खुद अखिलेश यादव घिर गये हैं। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाकर उन्होंने जो पेशबंदी की थी उसे योगी की सरकार ने हत्यारों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करके ध्वस्त कर दिया। अचरज की बात यह है कि हत्या के आरोपियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर कई सपा नेता ही हायतौबा मचा रहे हैं। मीडिया चैनलों पर उसके कुछ प्रवक्ता माफिया अतीक अहमद के पक्ष में बोलते नजर आ रहे हैं। यूपी के प्रयागराज में विगत 24 फरवरी को उमेश पाल और उनके सुरक्षा गार्ड की गयी हत्या पिछले एक माह से मीडिया चैनलों पर चर्चा का विषय बनी हुई है। बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में उसके परिवार वालों ने माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गो के खिलाफ सन् 2004 में रिपोर्ट लिखायी थी। इसमें उमेश पाल प्रमुख गवाह थे। अदालत में गवाही देने से पहले ही उनकी भी हत्या कर दी गयी। इस मामले में भी माफिया अतीक अहमद, शाइस्ता, अतीक के बेटों सहित नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। योगी की सरकार इस मामले में लगातार कार्रवाई कर रही है। हत्याकांड में शामिल प्रमुख सूटर पुलिस एनकाउंटर में मारा गया है। कई गिरफ्तार किए गए हैं। कई लोगों के अवैध ढंग से और लूट के धन से बनाए गए मकानों को ध्वस्त किया गया है। माफिया अतीक अहमद गुजरात के साबरमती जेल में बंद है। उसके बेटों की तलाश जारी है। योगी सरकार माफिया गिरोहों और गुंडों के खिलाफ शुरू से ही सख्त रही है। पिछले दिनों राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कुछ गुंडों ने जब प्रदेश की कानून व्यवस्था को चुनौती देने की कोशिश की तो उन्हें भी नेस्तानाबूत करने का काम योगी सरकार कर रही है। यह मामला उत्तर प्रदेश विधान सभा के बजट सत्र में भी गूंजता रहा। प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी में बड़े जोर-शोर से कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में सरेआम बंदूके चलना, बम चलना ही रामराज्य है। प्रयागराज में बीएसपी विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या पर उन्होंने पूछा कि क्या प्रयागराज में इस तरह गोली, तमंचा और बम चलना ही जीरो टालरेंस है। अखिलेश यादव ने कहा, ''यूपी में इस तरह गोली चलना, बम चलना, गैंगवार की तरह दिखाई देना, ये सरकार पूरी तरह असफल हुई है। सरकार के कानून व्यवस्था संभालने की कोई सीमा नहीं बची। ये जो जीरो टालरेंस कहते हैं, क्या गोली चलना जीरो टालरेंस हैं, बम चलना जीरो टालरेंस हैं, क्या मुख्य गवाह की हत्या हो जाना, वो अधिवक्ता है, जीरो टालरेंस है क्या?''उन्होंने गवर्नेंस मॉडल पर सवाल उठाते हुए कहा, ''जो सुरक्षा में लगे थे, उनकी भी जान चली जाना, वो बच सकते थे, लेकिन अस्पताल पहुॅचने के बाद इलाज नहीं मिलना। ये यूपी गवर्नेंस मॉडल, ये है रामराज्य, जहॉ खुलेआम तमंचे चल रहे हैं, बंदूके चल रही है, बम चल रहे हैं, धुंआ उड़ रहा है और सब रिकार्डेड हो, वहां मुख्यमंत्री ज्ञान देंगे विकास का। उम्मीद करते हैं कि ऐसे चीजें सामने आयें, पूरी तरीके से इंटेलिजेंस, पुलिस फैलियर है, इसका कोई जिम्मेदार है तो बीजेपी है। सपा नेता अखिलेश यादव के इन आरोपों का मुख्यमंत्री ने जिस तर्कसंगत ढंग से जवाब दिया उससे अखिलेश यादव का दांव उलटा पड़ गया। उन्होंने इस मामले में सपा का पूरा चेहरा उजागर कर दिया। मुख्यमंत्री योगी ने अखिलेश पर आरोप लगाते हुए कहा कि कहा कि आप सारे अपराधियों को पालेंगे। उनका माल्यार्पण करेंगे और उसके बाद तमाशा बनाते हैं आप लोग। एक तरफ अपराधियों को प्रश्रय देंगे और दूसरी तरफ दोषारोपण करेंगे। जिस अतीक अहमद के खिलाफ राजू पाल के परिवार ने केस दर्ज कराया, वह सपा का पोषित अपराधी है। उसको मिट्टी में मिला देंगे। ये जो अपराधी और माफिया हैं आखिर ये पाले किसके द्वारा गए हैं? क्या ये सच नहीं है कि जिसके खिलाफ केस दर्ज है उन्हें सपा ने सांसद बनाया था? आप अपराधी को पालेंगे और उसके बाद आप तमाशा बनाते हैं। उन्होंने कहा कि आपको बहाना चाहिए था। ये (सपा के लोग) पेशेवर माफिया और अपराधियों के सरपरस्त हैं। इनके रग-रग में अपराध भरा हुआ है। इसके अलावा उन्होंने कुछ सीखा नहीं है। सारा प्रदेश यह जानता है। जिस माफिया ने यह कृत्य किया है, वह यूपी से बाहर है। सपा के सहयोग से वह बार-बार एमपी और एमएलए बना है। इलाहाबाद वेस्ट से सपा सरकार के सहयोग से एमएलए बना था। यही नहीं, 2004 में भी वह माफिया इन्हीं लोगों के सहयोग से एमपी बना था। 2009 में उस माफिया को सांसद बनाने का कुख्यात काम इन्हीं लोगों ने किया था। यह लोग चोरी और सीनाजोरी का काम कर रहे हैं। माफिया कोई भी हो, सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम सरकार करेगी। चोरी और सीनाजोरी का काम नहीं चलेगा। योगी ने कहा कि प्रयागराज की घटना दुखद है। जिसने किया, उसको बख्शा नहीं जाएगा लेकिन ये पेशेवर अपराधी आखिर किसके द्वारा पाले-पोसे गए हैं। आखिर क्यों इतनी परेशानी हो रही है। उन्होंने दिनकर की कविता सुनाते हुए कहा कि यह पाप सपा का है। उत्तर प्रदेश की जनता को, 25 करोड़ की जनता को पहचान का संकट खड़ा हुआ, इहीं पेशेवर अपराधियों के कारण हुआ जो सत्ता पोषित होते थे। जिन्हें महिमामंडित करके ये लोग गौरवान्वित महसूस करते थे। जिनके सामने सत्ता नतमस्तक होती, सभी जानते हैं कि उनके खिलाफ जो कार्रवाई चली है, वह नजीर बनी है। उमेश पाल हत्याकांड को लेकर सपा को घेरते हुए सीएम बोले, पूरे टेलीविजन रंगे थे, प्रयागराज की घटना को लेकर। पूरी घटना के साजिशकर्ता की फोटो वायरल हो रहे थी। कोई उससे भाग नहीं सकता है। हाथ मिला रहे हैं, पीछे आपकी पार्टी का सिंबल लगा है, फिर भी आप मुंह मोड़ने का काम कर रहे हैं। उमेश पाल, संदीप निषाद की कोई जाति नहीं थी क्या। यानि आप ठेका ले चुके हैं जाति का लेकिन किसी गरीब, पिछड़े को पेशेवर अपराधियों को संरक्षण देकर मरवाएंगे, ये क्या तमाशा है, फिर मुकर भी जाएंगे, ये बड़ी अजीब बात है। विज्ञापन सीएम योगी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की नामौजूदगी पर निशाना साधते हुए कहा कि हर समस्या के सामने दो रास्ते होते हैं। एक... निदान के लिए भाग लो या फिर समस्या देखकर ही भाग लो...। जैसे अभी नेता प्रतिपक्ष (अखिलेश यादव) की कुर्सी खाली है वैसे ही प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार समस्याओं से अपना पीछा छुड़ाकर भाग लेती थी। उन्होंने कहा, राजू पाल की कोई जाति नहीं थी क्या, जब राजू पाल की हत्या हुई थी तब इस माफिया के संरक्षणदाता कौन थे। राजू पाल अपने दम पर विधायक बन गया था। आप जाति- जाति की बात करते हैं। मैंने इसी बात को पिछली बार भी कहा था। हम विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर, यूपी की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन बनाने की बात करते हैं तो आप हंसते हैं। आपने प्रदेश को जहां छोड़ा था आज यात्रा उससे बहुत आगे बढ़ चुकी है। नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने वन डिसट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को लेकर सरकार के प्रयासों पर सवाल उठाया तो सीएम योगी ने उनके आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वन डिसट्रिक्ट वन प्रोडक्ट ने एमएसएमई को नया जीवनदिया है। इसी का परिणाम है कि यूपी एक्सपोर्ट का हब बना है। यूपी आज 2016 -17 की तुलना में दोगुने से अधिक रोजगार दे रहा है। 21-22 में 1 लाख 56 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट हमारा केवल 21-22 में ही पहुंच चुका है।

राहुल बेघरबार किए जाने वाले हैं ! अब जेल को ही घर बनाएंगे ?

श्रवण गर्ग

राहुल गांधी ने 26 फ़रवरी को रायपुर में हुए कांग्रेस के अखिल भारतीय अधिवेशन में बताया था कि उनके पास ख़ुद का कोई घर नहीं है। नई दिल्ली में तुग़लक़ लेन स्थित आवास भी उनका अपना नहीं है। उन्हें शायद तभी कोई आभास हो गया होगा कि आगे क्या होने वाला है ! सूरत की न्यायालय द्वारा 23 मार्च को सुनाए गए फ़ैसले के बाद लोकसभा सचिवालय ने संसद सदस्य के रूप में उनकी सदस्यता ख़त्म कर दी है । साथ ही, सांसद के तौर पर मिले हुए तुग़लक़ लेन के आवास को भी अब उन्हें महीने भर के भीतर ख़ाली करना पड़ेगा। तुग़लक़ लेन का घर ख़ाली करके राहुल कहाँ जाएँगे ? ऊपर की अदालतों के द्वारा अगर सूरत की सज़ा में किसी भी तरह की राहत नहीं दी जाती है तो 22 अप्रैल के बाद के दो सालों के लिए राहुल गांधी के नए आवास का पता गुजरात या देश की कोई जेल होगी। शनिवार की अपनी प्रेस कांफ्रेंस में राहुल ने कितने भी लंबे वक्त के लिए अपने नए ठिकाने पर रहने की तैयारी भी दिखा दी। आश्चर्य नहीं होना चाहिए अगर उस (फ़िलहाल) अज्ञात जेल की किसी अत्यधिक सुरक्षा प्राप्त कोठरी को राहुल की हैसियत के मुताबिक़ सुविधायुक्त बनाने का काम युद्धस्तर पर प्रारंभ भी कर दिया गया हो। किसी भी बात का अब कोई भरोसा नहीं रहा है। 'मोदी' सरनेम को लेकर दायर किए गए मानहानि के मुक़दमे के एक रुके हुए फ़ैसले ने चौबीस घंटों के भीतर ही एक सौ चालीस करोड़ लोगों के देश की राजनीति को आगे आने वाले सालों के लिए हिलाकर रख दिया। ऐसा ही एक क्षण 12 जून 1975 को तब उपस्थित हुआ था जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहनलाल सिन्हा ने राहुल की दादी इंदिरा गांधी की लोकसभा की सदस्यता को ख़ारिज कर दिया था। उसके बाद जो घटनाक्रम चला उसने देश की तक़दीर को बदल दिया था । राहुल उस समय पाँच साल के थे। अड़तालीस साल बाद किसी और संदर्भ में हो रही इतिहास की पुनरावृत्ति क्या एक बार फिर जून 1975 के बाद बने घटनाक्रम के तरह की ही साबित होगी ? सूरत के फ़ैसले के तत्काल बाद से ही सवाल उठाए जा रहे थे कि राहुल अब क्या करेंगे ? राहुल ने उनका भी जवाब दे दिया है। उनके जवाबों ने भाजपा को और ज़्यादा डरा दिया होगा ! दूसरी ओर, उनके जवाबों से जनता का बचा हुआ डर भी ख़त्म हो गया होगा। विपक्ष और ताकतवर बन गया होगा ! ' मैं भारत की आवाज़ के लिए लड़ रहा हूँ। मैं हर क़ीमत चुकाने को तैयार हूँ ', राहुल ने लोकसभा से निष्कासन के बाद कहा था। वे अब चुनौती दे रहे हैं कि उन्हें जीवन भर के लिए निष्कासित कर दिया जाए ,जेल में डाल दिया जाए तो भी लोकतंत्र के लिए उनकी लड़ाई जारी रहने वाली है। राहुल ने इस क़ीमत को चुकाने की तैयारी दस साल पहले सितंबर 2013 में ही प्रारंभ कर दी थी जब चुने हुए जन-प्रतिनिधियों को न्यायालयों द्वारा दोषी करार दिये जाने के बाद भी विधायिकाओं में उनकी सदस्यता क़ायम रखने संबंधी मनमोहनसिंह सरकार के अध्यादेश की प्रति को उन्होंने सार्वजनिक रूप से फाड़ दिया था। राहुल गांधी ने तब कहा था :' इस देश में आप भ्रष्टाचार से संघर्ष करना चाहते हैं , चाहे वह कांग्रेस पार्टी हो या फिर भाजपा, हम इस तरह के छोटे-छोटे समझौते करना जारी नहीं रख सकते। हम अगर इस तरह के समझौते करेंगे तो फिर हर जगह करने लगेंगे।'राहुल गांधी ने अगर सितंबर 2013 में अपनी ही यूपीए सरकार के उक्त अध्यादेश का विरोध नहीं किया होता तो 23 मार्च के फ़ैसले के बाद उनकी लोकसभा की सदस्यता पर आँच नहीं आती। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि न सिर्फ़ भारतीय जनता पार्टी का ही उस अध्यादेश को पूरा समर्थन प्राप्त था, बाक़ी सभी दलों के बीच भी उस पर व्यापक सहमति थी। राहुल जब नई दिल्ली में उस अध्यादेश की प्रति फाड़ रहे थे, मनमोहन सिंह अमेरिका की यात्रा पर थे और वाशिंगटन में रात का वक्त था। कुछ घंटों के बाद ही वे राष्ट्रपति ओबामा से मिलने वाले थे। अध्यादेश की प्रति को फाड़ने की घटना के कुछ महीनों बाद ही 2014 में मोदी देश के प्रधानमंत्री बन गए। सूरत की अदालत के फ़ैसले के बाद राहुल ने महात्मा गांधी के इस कथन को ट्वीट किया था कि :' मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन।' राहुल चाहे 'महात्मा गांधी' नहीं बनना चाह रहे हों, गुजरात की धरती से ही उठा बवंडर उन्हें कुछ-कुछ उसी तरह की भूमिका की ओर धकेल रहा है । इस वक्त कहना मुश्किल है कि राहुल को दी जाने वाली छोटी से छोटी अवधि की हिरासत भी क्या उस लोकतंत्र के लिए एक लंबी आयु की सांस बन जाएगी जिसको की मुद्दा बनाकर भाजपा उनसे माफ़ी की माँग कर रही है। राहुल को मिल रही सज़ाओं के डरकर उनके द्वारा प्रधानमंत्री से पूछा गया यह सवाल कि 'अदाणी के साथ उनका रिश्ता क्या है ?' न सिर्फ़ ख़त्म नहीं होने वाला है उसकी धार और तेज़ाबी हो सकती है ! राहुल के जेल चले जाने के बाद उनके सवाल के जवाब की माँग देश की वह जनता कर सकती है उन्हें जो लाखों की संख्या में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सड़कों पर मिली थी।

http://shravangarg1717.blogspot.com

बच्चों की जान पर भारी पड़ रहे विवाहेत्तर संबंध

मनोज कुमार अग्रवाल

हैरान हूँ कि दुनिया क्या से क्या हो गयी। अवैध जिस्मानी रिश्तों का नशा ताड़ी हुआ तो एक दो बच्चों की माँ, मां के नाम पर बदनुमा दाग बन गई। जी हाँ मेरठ में गत बुधवार को एक ऐसा ही मामला सामने आया है जब एक मां ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही कोख से पैदा बेटा-बेटी की हत्या कर दी। दोनों ने पहले बच्चों के हाथ-पैर बांधकर बेड के बॉक्स में बंद कर दिया। हालत बिगड़ने पर उन्हें बाहर निकाला और नशे का इंजेक्शन लगा दिया। इसके बाद गला दबाकर मार डाला। फिर प्रेमी ने शव को कार की डिग्गी में रखकर 25 किलोमीटर दूर ले जाकर गंगनहर में फेंक दिया। इसके बाद मां ने बच्चों के लापता होने की झूठी कहानी रची। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उसने पति के साथ जाकर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। इस दौरान पत्नी अपने बयान को बार-बार बदल रही थी। इस पर पुलिस को उस पर शक हुआ। पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की, तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने महिला को उसके प्रेमी समेत कुल 6 लोगों के साथ गिरफ्तार कर लिया। महिला की निशानदेही पर शुक्रवार को बेटे की लाश को रोहटा में नदी से बरामद कर लिया गया है। जबकि बेटी के शव की तलाश जारी है। निशा ने बुधवार शाम को पति को फोन पर बताया कि मैं घर के अंदर काम कर रही थी, तभी दोनों बच्चे अचानक घर से लापता हो गए । सूचना पर पति शाहिद तत्काल मौके पर पहुंचा। फिर काफी देर तक बच्चों की तलाश की। इसके बाद शाहिद पत्नी निशा के साथ देहली गेट थाना पहुंचा। वहां बच्चों की मिसिंग कंप्लेन दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस की कई टीमें बच्चों की तलाश में लग गई। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। जिसके बाद पुलिस ने महिला को उसके प्रेमी समेत कुल 6 लोगों के साथ गिरफ्तार कर लिया। महिला की निशानदेही पर शुक्रवार को बेटे की लाश को रोहटा में नदी से बरामद कर लिया गया है। जबकि बेटी के शव की तलाश जारी है। महिला निशा खैरनगर गूलर गली की रहने वाली है। उसका पति शाहिद बेग लालकुर्ती पैठ में जूते की दुकान में काम करता है।

निशा बुधवार शाम घर पर अकेली थी। उसने ट्यूशन टीचर सलमान को घर आने से मना कर दिया था। बेटा मेराब (10) सेंट जोंस स्कूल में तीसरी क्लास और बेटी कोनेन (6) दूसरी क्लास में पढ़ती थी।निशा ने बुधवार शाम को पति को फोन पर बताया कि मैं घर के अंदर काम कर रही थी, तभी दोनों बच्चे अचानक घर से लापता हो गए । सूचना पर पति शाहिद तत्काल मौके पर पहुंचा। फिर काफी देर तक बच्चों की तलाश की। इसके बाद शाहिद पत्नी निशा के साथ देहली गेट थाना पहुंचा। वहां बच्चों की गुमशुदगी दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस की कई टीमें बच्चों की तलाश में लग गई।पुलिस ने शुक्रवार को सभी आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया। घटना के बाद पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी भी खंगाले कोई सुराग नहीं मिल रहा था तब पुलिस ने पति-पत्नी से पूछताछ की।

लेखकों के झमेले.. कितना झेलें

रेखा शाह आरबी

वह संपादक थे.. बड़े ही प्रतिष्ठित समाचार पत्र के.. और वह समाचार पत्र की हृदय स्थली लेखकों की मथुरा -काशी संपादकीय पृष्ठ के कर्ताधर्ता भी थे । वही संपादकीय पृष्ठ जिस पर सभी फन्ने खां ,तुर्रम खां लेखकों की गिद्ध दृष्टि गड़ी रहती है, लेखक संडास से भले ही बाद में फारिग होते हैं लेकिन सबसे पहले उस संपादकीय पृष्ठ के कोने कोने को पढ़कर फारिग होते हैं.. अपना नाम दूरबीन से तब तक खोजते रहते हैं जब तक उन्हें अपना लिखा हुआ ना मिल जाए.. इस अभियान में कभी मिल जाए तो खुशी और कभी ना मिले तो गम.. । लेखकों को लगता है कि उनकी रचनाओं को स्थान न देकर सिर्फ उनके साथ अन्याय किया जा रहा है.. लेकिन संपादक पर तो सबसे ज्यादा अत्याचार हो जाता है.. और वह कह भी नहीं सकता। इस धरती का नियम भी अजीब है जितने बड़े लोग इतना बड़ा दुख और जितने छोटे लोग उतना छोटा दुख। क्योंकि नए लेखकों की रचना को तो संपादक टाल भी सकता है पर प्रतिष्ठित और बड़े हस्तियों की रचनाओं को नजरअंदाज करने का साहस तो खुद संपादक के पास भी नहीं होता ।आखिर वह नजरअंदाज करें भी तो भला कैसे करें... बड़े लोग बड़ी जान -पहचान.. रात दिन का मिलना जुलना बड़े लोगों का नाम बिकता है काम कौन देखता है । तो कभी कभी अनिच्छा होने पर भी इच्छा पैदा करना पड़ता है । वह कभी भी बड़े लेखकों को नाराज करने का रिस्क नहीं ले पाता.. भले इस चक्कर में कई नवोदित प्रतिभाशालियों की रचना कूड़ेदान में कराहने लगती है। जिस रचना रूपी पुष्प को खिलकर आकाश तक पहुंच जाना चाहिए वह बड़ी हस्ती के नाम के नीचे अल्पायु में ही प्राण त्याग जाती है।इतना ही झमेला होता तो संपादक कहीं ना कहीं संभाल लेता लेकिन कुछ लेखक तो फेविकोल के जोड़ से भी मजबूत जोड़ संपादक के साथ जोड़ लेते हैं, संपादक को सुबह शाम गुड मॉर्निंग मैसेज के साथ एक प्यारी सी स्माइली भेजता है । जिससे कि संपादक किसी भी हाल में माननीय को भूल न पाए, हर सोशल आईडी से जुड़े यह लेखक संपादक के सामान्य से पोस्ट को भी आसमान का तारा- सितारा बता बता कर संपादक को ना नहीं कह पाने की निरीह अवस्था में पहुंचा देते हैं। कुछ माननीय लेखक तो अपने.. अपनेपन का पिटारा लेकर घर तक पहुंच जाते हैं और बच्चों के प्रिय चाचा और भाभी जी के दुलरवा भी बन जाते हैं अब बेचारा संपादक वह भी तो बाल बच्चे दार परिवार वाला है।

जब महादेव को निगल गई थी माँ सती, पूरी कहानी

धूमावती माँ हिंदू धर्म में एक मां दुर्गा की अवतार हैं। धूमावती माँ का नाम 'धूम' से लिया गया है, जो धुंआं से भरे वनों का अर्थ होता है। वह महामाया के रूप में जानी जाती हैं जो अपनी शक्ति और साधना से समस्त दुःखों से मुक्त होती हैं। धूमावती माँ की पूजा में अमलतास वृक्ष का महत्वपूर्ण रोल होता है, जो माँ की वैभवशाली पूजा स्थलों पर पाए जाते हैं। धूमावती माँ भारतीय हिंदू धर्म में एक तांत्रिक देवी हैं। वे तांत्रिक साधनाओं के माध्यम से पूजी जाती हैं और अपने भक्तों को अनुग्रह देती हैं। धूमावती माँ को ज्ञान और तंत्र की देवी माना जाता है और वे अपने भक्तों को उनकी साधना के द्वारा मुक्ति प्रदान करती हैं। उन्हें एक अलग पहचान होती है, जिसमें वे एक तांत्रिक देवी होने के साथ-साथ अन्य देवियों से भिन्न होती हैं। धूमावती माँ को महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में पूजा जाता है।

धूमावती माँ की उत्पत्ति कैसे हुई?

प्रथम कथा:-

मां धूमावती के प्राकट्य से संबंधित कथाएं अनूठी हैं। पहली कहानी तो यह है कि जब सती ने पिता के यज्ञ में स्वेच्छा से खुद को जला कर भस्म कर दिया तो उनके जलते हुए शरीर से जो धुआं निकला, उससे धूमावती का जन्म हुआ। इसीलिए वे हमेशा उदास रहती हैं। मतलब धूमावती धुएं के तौर पर सती का भौतिक स्वरूप है। सती का जो कुछ बचा रहा- उदास धुआं।

दूसरी कहानी:-

एक बार सती महादेव के साथ हिमालय में विचरण कर रही थी। तभी उन्हें ज़ोरों की भूख लगी। उन्होंने महादेव से कहा- 'मुझे भूख लगी है' मेरे लिए भोजन का प्रबंध करें.' महादेव ने कहा-'अभी कोई प्रबंध नहीं हो सकता' तब सती ने कहा-'ठीक है, मैं तुम्हें ही खा जाती हूं। तथा वे शिव को ही निगल गईं। महादेव तो स्वयं इस जगत के सर्जक हैं, परिपालक हैं। लेकिन देवी की लीला में वे भी शामिल हो गए। भगवान महादेव ने उनसे अनुरोध किया कि 'मुझे बाहर निकालो', तो उन्होंने उगल कर उन्हें बाहर निकाल दिया... निकालने के पश्चात महादेव ने उन्हें शाप दिया कि 'आज और अभी से तुम विधवा रूप में रहोगी... तभी से वे विधवा हैं। पुराणों में अभिशप्त, परित्यक्त, भूख लगना एवं पति को निगल जाना ये सब सांकेतिक प्रकरण हैं। यह मनुष्य की कामनाओं का प्रतीक है, जो कभी समाप्त नहीं होती तथा इसलिए वह हमेशा असंतुष्ट रहता है। मां धूमावती उन कामनाओं को खा जाने यानी नष्ट करने की तरफ इशारा करती हैं।

घर पर जरूर रखें फेंगशुई की ये वस्तुएं
घर में आएगा धन और सौभाग्य

आज कल घरों में फेंगशुई के सामान रखने का चलन धीरे- धीरे बढ़ता ही जा रहा है। फेंगशुई दो शब्दों से मिलकर बना है। फेंग यानि वायु और शुई यानि जल। फेंगशुई शास्त्र जल व वायु पर आधारित है। फेंगशुई के उपाय करने पर घर से वास्तु दोष संबंधी तमाम तरह की परेशानियों का अंत हो जाता है। घर पर सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए बाजार में इस समय कई तरह के फेंगशुई की वस्तुएं मिलती हैं जिसको घर पर लाने से शुभ फल की प्राप्ति होता है। फेंग शुई न केवल आपके घर और कार्यालय को खूबसूरत बनाता है बल्कि प्रचुरता, धन और सद्भाव का भी स्वागत करता है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने जीवन में अच्छे और बुरे वाइब्स के प्रवाह को प्रभावित करने वाली इन फेंग शुई वस्तुओं को कहां और कैसे रखते हैं। आइए जानते हैं फेंगशुई से जुड़ी उन वस्तुओं के बारे में जो धन और सौभाग्य लेकर आता है।

अव्यवस्था से बचें

किसी भी चीज की अति खतरनाक होती है। इसी तरह, आपके लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने कार्यालय और घर पर सभी अनावश्यक वस्तुओं को हटा दें क्योंकि यह धन के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करता है और अवसाद पैदा करता है और असंतोष का कारण बनता है।

मुख्य द्वार को आकर्षक और मजबूत बनाएं

घर में धनागमन चाहते हैं फेंगशुई के अनुसार घर का मुख्य द्वार आकर्षक होना चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर कुछ खूबसूरत पौधे लगाएं और एक डोरमैट लगाएं।

लाफिंग बुद्धा घर लाएं

फेंग शुई में लाफिंग बुद्धा अपने हर्षित, प्यारे और हंसमुख स्वभाव के लिए जाना जाता है। सौभाग्य और धन प्राप्ति के लाफिंग बुद्धा को घर या कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने पूर्व दिशा में रखें। लाफिंग बुद्धा में आप लाफ़िंग बुद्धा सेट, धन के ट्रेज़र बैग के साथ बुद्धा की मूर्ति चुन सकते हैं।

अपने घर में फेंगशुई कॉइन रखें

सौभाग्य और धन के लिए लाल रिबन से बंधे ये फेंगशुई कॉइन अधिक सुरक्षित महसूस कराते हैं और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करते हैं। आप घर में बोन्साई मनी कॉइन ट्री लगा सकते हैं।

नवरात्रि पर करें पान के पत्तों से जुड़े उपाय

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 22 मार्च, बुधवार से हो चुकी है। जो कि 30 मार्च तक चलने वाले हैं। मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा करने की परंपरा है। गौरतलब है कि नवरात्रि के नौ दिन बहुत खास होते हैं। इन दिनों में कुछ खास उपायों को अपनाकर माता रानी को प्रसन्न किया जा सकता है। ऐसा ही कुछ खास उपाय हम आपके लिए लेकर आए हैं। दरअसल, नवरात्रि में पान के पत्तों से जुड़े इन उपायों को करने से घर में सुख और समृद्धि आती है। इसे करने से मां दुर्गा का आशीर्वाद मिलता है। तो चलिए जानते हैं नवरात्रि में किए जाने वाले पान के पत्तों से जुड़े उपायों के बारे में।

1- नवरात्रि में रोजाना आपको पान के साबुत पत्तों पर गुलाब की कुछ ताजी पंखुड़ियां रखनी है और उन्हें मां दुर्गा को अर्पित कर देना है। मान्यता है कि ऐसा करने से आपके जीवन में धन आगमन के नए नए मार्ग खुलना शुरु हो जाते हैं।

2- पान के पत्ते पर केसर रखकर दुर्गा स्त्रोत और दुर्गा जी की नामावली का पाठ करना बेहद ही कारगर उपायों में से एक माना गया है। इस उपाय को करने से घर में मौजूद नकारात्मकता मिटती है और आप पर मां दुर्गा की विशेष कृपा होती है।

3- संतान प्राप्ति के लिए किए जाने वाले लोगों को नवरात्रि के दिनों में 9 पान के पत्ते मां को अर्पित करने चाहिए। इसके अलावा नौ संतानवती सुहागिन महिलाओं को सुहाग का सामान भेंट करना बहुत ही लाभप्रद माना गया है। ऐसा करने से आपकी संतान प्राप्ति की इच्छा पूरी होती है।

4- कार्य क्षेत्र में सफलता की चाहत रखने वाले लोगों को पान के पत्ते के दोनों तरफ सरसों का तेल लगाकर, मां दुर्गा को अर्पित करना है। इसके बाद इस पत्ते को अपने सिरहाने रख कर सोना है। अगले दिन सुबह उठकर इस पान के पत्ते को दुर्गा मंदिर में रख कर आएं। ऐसा करने से आपको हर कार्यक्षेत्र के साथ साथ हर क्षेत्र में सफलता मिलना शुरु हो जाती है।

5- नौकरी व व्यापार में सफलता की चाहत रखने वाले लोगों को नवरात्रि के दिनों में पान का एक बीड़ा मां दुर्गा के मंदिर में अर्पित करना है। ऐसा करने से मां दुर्गा प्रसन्न होंगी और आपको नौकरी व व्यापार में लाभ मिलना शुरु हो जाएगा।

क्या है खजूर खाकर रोजा खोलने की धार्मिक और वैज्ञानिक मान्यता

भारत में रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत आज 24 मार्च से हो गई है। जो कि 30 दिनों तक चलता है। आपको बता दें कि मुस्लिम समुदाय के लिए रमजान एक पवित्र महीना है, जिसमें पूरे माह रोजा रखते हैं और अल्लाह की इबादत करते हैं। गौरतलब है कि रमजान के महीने में रोजा वाले रखने वाले लोगों को पूरा दिन बिना कुछ खाए पिए बिताना पड़ता है और फिर शाम में खजूर खाकर रोजा खोलना होता है। ऐसे में अक्सर लोगों के जहन में एक सवाल आता है कि आखिर खजूर खाकर ही रोजा क्यों खोला जाता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ऐसा क्यों किया जाता है।

आपको बता दें कि रमजान के दिनों में रोजा खोलने के लिए खजूर का सेवन करने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। दरअसल, ये इस्लाम के आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का पसंदीदा फल था। वो खजूर खाकर रोजा खोलते थे। इसी परंपरा को मुस्लिम आज भी निभाते हैं और रमजान के दिनों में रोजा खोलने के लिए खजूर का इस्तेमाल करते हैं। आपको बता दें कि खजूर का सेवन करने के पीछे साइंटिफिक मान्यता भी काम करती है, तो चलिए उसके बारे में भी आपको बता देते हैं।

खजूर खाकर रोजा खोलने की साईंटिफिक मान्यता रमजान के दिनों में सुबह सहरी के बाद कुछ भी खाने पीने की इजाजत नहीं होती है। ऐसे में दिन भर रोजा रखने से एनर्जी का लेवल कम होता है। आपको बता दें कि खजूर शरीर को क्विक एनर्जी प्रदान करता है। वहीं रोजा खोलते ही खजूर खाने से बॉडी को तुरंत एनर्जी मिलती है। इसके अलावा इफ्तार के दौरान खाई जाने वाली अन्य चीजों को डाइजेस्ट करने में भी खजूर बहुत ही ज्यादा मददगार साबित होता है। आम दिनों में भी खजूर का सेवन करने से शरीर को काफी फायदे मिलते हैं।

रामनवमी पर जरूर खरीदें ये वस्तुएं

कहते हैं कि चैत्र माह की नवमी के दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार रामनवमी 30 मार्च 2023 गुरुवार को रहेगी। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, रवि योग और गुरु पुष्य योग बन रहा है। अतः इस दिन पूरे दिन खरीदारी का भी शुभ मुहूर्त रहेगा। अतः इस दिन आप चाहें तो 5 में से कोई एक खरीद सकते हैं।

श्री राम पूजा का मुहूर्त : 30 मार्च 2023 को सुबह 11:11:38 से 13:40:20 तक रहेगा।

1. इस दिन पूजा का सामान, मांगलिक वस्तुएं, पीली वस्तुएं या सोना खरीदें।

2. इस दिन चांदी का हाथी खरीदकर लाएं और उसे घर में स्थापित करें।

3. इस दिन हनुमानजी या श्रीराम सीता की मूर्ति भी खरीद सकते हैं।

4. इस दिन घर के लिए सजावटी सामान भी खरीद सकते हैं।

5. इस दिन वाहन, भूमि या भवन खरीदने का भी शुभ योग है। क्या करते हैं रामनवमी के दिन : इस दिन रामायण का पाठ करते हैं। रामरक्षा स्त्रोत भी पढ़ते हैं। कई जगह भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है। भगवान राम की मूर्ति को फूल-माला से सजाते हैं और स्थापित कर पालने में झुलाते हैं। कई जगहों पर पालकी या शोभायात्रा निकाली जाती है। अयोध्या में राज जन्मोत्सव का भव्य आयोजन होता है।

उज्जैन महाकाल में भगवान शिव का क्यों होता है भस्म से श्रृंगार?

भगवान भोलेनाथ को विचित्र सामग्री ही प्रिय हैं। चाहे वह जहरीला धतूरा हो, या नशीली भांग। इसी तरह वे अपने तन पर भस्म रमाए रहते हैं। लेकिन इसके पीछे राज क्या है बहुत कम लोग जानते हैं। भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई।जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है।

एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकनि अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार कयिा जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग कयिा जाता है।

जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत।

कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

महाअष्टमी के दिन ग्रहों का महासंयोग 4 राशियों के अच्छे दिन शुरु

दिनांक 22 मार्च से चैत्र नवरात्रि के शुरुआत हो चुकी है। हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का खास महत्व है। चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा के नव स्वरूपों की पूजा की जाती है। वहीं चैत्र नवरात्रि के दिन से हिंदू नव वर्ष की भी शुरुआत हो चुकी है। अब ऐसे में महाअष्टमी के दिन ग्रहों का महासंयोग बनने जा रहा है। बता दें, इस बार महाअष्टमी दिनांक 29 मार्च को है और उसी दिन 6 बड़े ग्रह चार राशियों में प्रवेश करेंगे। जिससे महासंयोग बननेजा रहा है। तो ऐसे में आइए आज हम आपको अपने इस लेख में चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर महासंयोग के बारे में बताएंगे, साथ ही कौन से राशियों के लिए महाअष्टमी संयोग शुभ माना जा रहा है।

चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर बन रहा है महासंयोग

अभी गुरु अपनी राशि मीन में हैं और दिनांक 28 मार्च को मीन राशि में ही अस्त होंगे। वहीं मेष राशि में बुध का गोचर भी होने जा रहा है। सूर्य भी मीन राशि में ही बैठे हैं, शनि अपनी कुंभ राशि में विराजमान हैं। वहीं शुक्र मेष राशि में हैं और मेष राशि में राहु भी बैठें हैं। जिससे ग्रहों का महासंयोग बनने जा रहा है। जैसे कि मालव्य, केदार, हंस और महाभाग्य योग का निर्माण होने जा रहा है।

महासंयोग बनने से इन राशियों को होगा लाभ

1. मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए महासंयोग शुभ समाचार लेकर आया है। जिन लोगों का विवाह नहीं हुआ है, उनजके विवाह के योग बन रहे हैं। दामपत्य जीवन अच्छा रहेगा। आपको सभी क्षेत्र में तरक्की के योग बन रहे हैं। आपके खुशियों के सभी रास्ते खुलने वाले हैं। बिजनेस और व्यापार में तरक्की मिलने वाली है।

2. कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए राजयोग अच्छा रहने वाला है। जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उन्हें जल्द सफलता मिलने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति में पहले से सुधार होगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति रहेगी। नए क्षेत्रों में आपकी रूचि बढ़ेगी। आपको लाभ मिलने की संभावना है।

3. कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए महासंयोग नौकरी मिलने के योग लेकर आया है। छात्रों के लिए समय शानदार रहेगा। बिजनेस के मामले में यात्रा पर जाना पड़ सकता है। बिजनेस में तरक्की मिलने के योग है। निवेश के सभी रास्ते खुलेंगे।

4. मीन राशि

मीन राशि वालों को समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। बिजनेस करने वालों के अच्छे दिन शुरु होंगे। आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। नौकरी में अचानक परिवर्तन आ सकता है। आपके रुके हुए सभी काम पूरे होंगे। शिक्षा क्षेत्र में आपको सफलता के योग बन रहे हैं। आपको हर क्षेत्र में तरक्की मिलने वाली है।

जल्द इंगेजमेंट कर सकते हैं राघव-परिणीति

सोर्सेस की माने तो राघव और परिणीति एक दूसरे को पसंद करते हैं। उनका परिवार भी एक दूसरे को जानता है। जल्द ही किसी ऑफिशियल अनाउंसमेंट की उम्मीद की जा सकती है। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा को हाल ही में मुंबई में साथ देखा गया था। दोनों ने साथ में लंच और डिनर किया। अब इसको लेकर चर्चा है कि वो दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। सोर्सेस की माने तो राघव और परिणीति एक दूसरे को पसंद करते हैं। उनका परिवार भी एक दूसरे को जानता है। जल्द ही किसी ऑफिशियल अनाउंसमेंट की उम्मीद की जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक दूसरे को तब से जानते हैं जब वे यूके में पढ़ाई कर रहे थे।

जल्द ही रोका की डेट ऑफिशियल होगी

एक रिपोर्ट के मुताबिक, राघव और परिणीति का जल्द रोका (इगेंजमेंट) हो सकता है। दोनों की फैमिली भी एक दूसरे को पसंद करती है। अभी दोनों के फैमिली मेंबर्स अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, इसलिए अभी किसी तारीख को तय करना मुश्किल है। हालांकि वे इस संबंध में चर्चा कर रहे हैं, जल्द ही किसी बड़े कार्यक्रम की घोषणा होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस रोका सेरेमनी में खास मेहमान और फैमिली मेंबर्स ही मौजूद रहेंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों तब से एक दूसरे को जानते हैं जब वो इंग्लैंड में पढ़ाई कर रहे थे। परिणीति ने मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल में पढ़ाई की है जबकि राघव ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में पढ़ाई की। परिणीति और राघव को इग्लैंड में 'भारत यूके आउटस्टैंडिंग अचीवर ऑनर्स' के सम्मान से नवाजा गया था। इस इवेंट में 75 लोगों को अवॉर्ड दिया गया था। इसमें ब्रिटिश यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट को सम्मानित किया गया था।

राघव चड्ढा को लेकर उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भी चुटकी ली। राज्यसभा में बिजनेस नोटिस के निलंबन को लेकर कार्यवाही चल रही

थी। तभी राघव ने कुछ बोला जिसके जवाब में जगदीप धनखड़ ने कहा, 'आप फिलहाल वैसे ही सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में हैं। आप चाहे तो अभी शांत रह सकते हैं।' इस मजाकिया कमेंट पर राघव भी अपने आप को मुस्कुराने से नहीं रोक पाए।

जब राघव चड्ढा से इस मुलाकात के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने इसे टाल दिया। राघव जब संसद से बाहर आ रहे थे उस समय मीडिया ने उनसे परिणीति के बारे में सवाल किया तो उन्होंने कहा, 'आप मुझसे राजनीति के बारे में सवाल करें, परिणीति के बारे में नहीं।'

परिणीति चोपड़ा की लेटेस्ट फिल्मों की बात करें तो वो कोड नेम तिरंगा और ऊंचाई जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। उनकी अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो जल्द ही चमकीला और कैप्सूल गिल में नजर आएंगी।

पाकिस्तानी सांसद अफनान उल्लाह बोले- माहिरा खान को मानसिक बीमारी है, पैसों के लिए बॉलीवुड एक्टर्स की चापलूसी करती हैं

पाकिस्तानी एक्ट्रेस माहिरा खान ने हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म पठान की तारीफ की। जिसके बाद उनके बयान पर पाकिस्तान के लोगों का गुस्सा भड़क उठा, सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जाने लगा। लोगों ने कहा कि माहिरा पैसों के लिए बॉलीवुड एक्टर्स की चापलूसी करती हैं।

दरअसल, हाल ही में माहिरा ने द आर्ट्स काउंसिल ऑफ पाकिस्तान में शाहरुख खान और उनकी हालिया रिलीज पठान के बारे में बात की। उनका ये बयान पाकिस्तान के सांसद डॉ. अफनान उल्लाह खान को पसंद नहीं आया। यही वजह थी की उन्होंने माहिरा को पागल कह दिया और जमकर खरी-खोटी सुनाई।

डॉक्टर अफनान उल्लाह ने ट्वीट में लिखा- 'माहिरा खान को मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम है और अनवर मकसूद इन दिनों नशे में धुत रहते हैं। इन दोनों बेशर्म लोगों से जनता नाराज है। माहिरा खान के किरदार पर किताबें लिखी जा सकती हैं, वो तो पैसों के लिए भारतीय एक्टर्स की चापलूसी करती हैं।'

माहिरा ने शेयर किया फिल्म रईस का एक्सपीरिएंस

दरअसल हाल ही में एक वीडियो सामने है, जिसमें माहिरा अनवर मकसूद से अपने बॉलीवुड एक्सपीरिएंस पर बात करती नजर आ रही हैं। अनवर उनसे पूछते हैं कि नाक के अलावा शाहरुख और आप में क्या एक जैसा है? इस पर माहिरा ने कहा- 'शाहरुख मेरे समय के हीरो थे और मैं हमेशा उनसे प्यार करती थी। उनके साथ काम करना मेरे लिए सपने जैसा था। आखिरकार मुझे ये मौका मिला और ये अमेजिंग था।

माहिरा ने किया इमरान खान को सपोर्ट!

जब मकसूद ने माहिरा से सवाल किया कि वो किस पॉलिटिकल पार्टी की समर्थक हैं, तो इस पर वो मुस्कुराई और चुप रहीं। हालांकि, उन्होंने शाहरुख की तारीफ करते हुए आगे कहा- हाल ही में एक फिल्म पठान रिलीज हुई थी और मैं पठान की तरफ हूं। कहा जा रहा है कि इस बयान के जरिए माहिरा ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तरफ अपना सपोर्ट जाहिर किया है। यही वजह है कि अपोजिशन पार्टी के सांसद द्वारा उन पर निशाना साधा गया है।

भोजपुरी हीरोइन आकांक्षा दुबे ने किया सुसाइड

सारनाथ के होटल में पंखे से लटकता मिला शव, मौत से पहले इंस्टा पर थीं लाइव

भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे सुसाइड से पहले इंस्टा पर लाइव थीं। वह रो रही थीं, कुछ कहना चाहती थीं। भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे ने रविवार को वाराणसी के सारनाथ के एक होटल में सुसाइड कर लिया। उनका शव होटल के 105 नंबर कमरे में पंखे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है। सुसाइड की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। आकांक्षा भदोही जिले के चौरी थाना क्षेत्र के परसीपुर गांव की रहने वाली थीं। वह शुक्रवार रात शूटिंग के बाद होटल में गई थीं और सुबह उनका शव फंदे से लटकता मिला।

पुलिस की मौजूदगी में मैनेजर ने खोला दरवाजा

रविवार सुबह मेकअप मैन ने आकांक्षा दूबे को फोन किया। फोन न उठाने पर मेकअप मैन होटल पहुंचा। जहां दरवाजा बंद था। होटलकर्मियों ने मेकअप मैन से आकांक्षा के सुबह से नाश्ते के लिए ऑर्डर न देने की जानकारी दी। इसके बाद होटलकर्मियों ने कमरे का दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई रिस्पॉन्स नहीं आया, तो पुलिस को बुलाया।

आकांक्षा दूबे ने सारनाथ थाना क्षेत्र के सोमेंद्र होटल में फांसी लगाकर जान दे दी। वह अभी 27 साल की थी। पुलिस की मौजूदगी में मास्टर चाबी से मैनेजर ने दरवाजा खोला। इसके बाद उनका शव पंखे से लटका था। ACP सारनाथ ने अभिनेत्री के मोबाइल समेत अन्य चीजों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं उनके नंबर की काल डिटेल भी निकाली जा रही है।

समर सिंह ने किया पोस्ट

अभिनेत्री के निधन के बाद उनके कथित बॉयफ्रेंड समर सिंह ने अकांक्षा सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर निशब्द रेस्ट इन पीस और हैशटैग आकांक्षा दुबे लिखा है।

सुसाइड के कुछ घंटे बाद ही रिलीज हुआ भोजपुरी सॉन्ग

सुसाइड के कुछ घंटे बाद ही एक्ट्रेस का आखिरी गाना रिलीज हुआ। गाने का टाइटल है 'ये आरा कभी हारा नहीं।' गाने के वीडियो को भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह और आकांक्षा पर फिल्माया गया है। गाने के बोल जावेद अख्तर और इमामुद्दीन के हैं और म्यूजिक प्रियांशु सिंह ने दिया है।

सुसाइड से पहले इंस्टा पर किया था लाइव

सुसाइड से पहले इंस्टाग्राम पर लाइव आकर अभिनेत्री फूट-फूटकर रोते हुए नजर आई थीं। यहीं नहीं, सुसाइड से पहले इंस्टाग्राम पर लाइव अभिनेत्री फूट-फूटकर रोते हुए नजर आई थीं। फिलहाल वीडियो डिलीट हो चुका है। इसके अलावा देर रात अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया था। इसमें उन्होंने भोजपुरी सॉन्ग 'हिलोर मारे' पर शीशे के सामने बेली डांस किया था। अभिनेत्री ने कुछ दिन पहले वैलेंटाइन डे पर अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल किया था। उन्होंने अपने को-स्टार समर सिंह के साथ फोटो पोस्ट करते हुए हैप्पी वैलेंटाइन्स डे लिखा था।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल कर मोबाइल कब्जे में ले लिया।

सोशल मीडिया पोस्ट से धोखा मिलने के संकेत?

सुसाइड के बाद आकांक्षा का एक पुराना पोस्ट वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने फोटो पोस्ट करते हुए लिखा था, 'मोहब्बत तो तुझसे थी, लेकिन तेरी मोहब्बत ने जोर से खींच के

तमाचा मार ही दिया मुझे।' उनकी फोटोज पर यूजर्स ने कमेंट्स भी किया था कि आखिर किसने उन्हें धोखा दे दिया?

22 मार्च को होटल में पहुंची थी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे

शनिवार देर रात आकांक्षा दुबे ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था। SP ज्ञानप्रकाश राय ने बताया, "होटल सोमेंद्र के रूम नंबर 105 में रविवार सुबह एक महिला के आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। जानकारी पर पता चला कि भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे आकर रुकी थी।

वह शूटिंग के सिलसिले में बनारस आई थी। 22 मार्च की रात होलत में आकर रुकी थीं।उनके परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है। उनका परिवार काफी समय से महाराष्ट्र में परिवार रहता है। मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जांच की जा रही है।

2019 में किया था फिल्मों में डेब्यू

आकांक्षा दुबे भोजपुरी की जानी मानी एक्ट्रेस थीं। भदोही में 1996 में जन्मी आकांक्षा ने अपने करियर की शुरुआत टिकटॉक और इंस्टाग्राम से शॉर्ट वीडियो से किया था। इसके बाद भोजपुरी फिल्मों में लोकप्रियता पाई। अभिनेत्री ने 2019 में फिल्म 'मेरी जंग मेरा फैसला' से डेब्यू किया था।

इस फिल्म में उन्होंने कैमियो किया था, लेकिन छोटे से रोल में उनको ऑडियंस को काफी प्रभावित किया था। इसके बाद आकांक्षा ने 'वीरों के वीर' , मुझसे शादी करोगी और 'कसम पैदा करने वाले की 2' नाम की फिल्मों में काम किया था। इसके अलावा कई एल्बम वीडियो भी काम किया था।आकांक्षा दुबे 3 साल की उम्र में पेरेंट्स के साथ मुंबई शिफ्ट हुई थीं। उनके पेरेंट्स उन्हें IPS अफसर बनाना चाहते थे, लेकिन उनका मन डांस और एक्टिंग लगाता था। इसलिए उन्होंने परिजनों को किसी तरह से राजी किया और फिल्मी दुनिया में आ गईं।

नवाजुद्दीन ने भाई और पत्नी पर किया मानहानि का केस:बोले- आलिया पहले से शादीशुदा थी, धोखे से भाई ने प्रॉपर्टी अपने नाम की

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने भाई और एक्स वाइफ आलिया के खिलाफ कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज कर दिया है। कोर्ट में दायर याचिका में नवाज ने दावा किया है कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को वापस लिया जाए और उनसे लिखित तौर पर माफी भी मांगी जाए। इतना ही नहीं नवाज ने भाई शम्सुद्दीन और आलिया से 100 करोड़ रुपए के हर्जाने की डिमांड भी की है। नवाजुद्दीन के मानहानि केस पर 30 मार्च को सुनवाई होनी है। नवाजुद्दीन ने याचिका में कहा है कि उनके भाई और पत्नी आलिया के बयानों, सोशल मीडिया कंटेंट पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पत्नी और भाई लिखित माफी मांगें।

फिल्म बोले चूड़ियां के दौरान शम्सुद्दीन और नवाजुद्दीन के बीच अनबन हुई थी, जिसके बाद से दोनों के रास्ते अलग हो गए। नवाज और आलिया की शादी 2009 में हुई थी। पिछले महीने आलिया ने नवाज पर रेप का केस लगाया था।

नवाज ने याचिका में लगाए 5 आरोप

1. नवाज ने बताया कि 2008 में जब उनके भाई शम्सुद्दीन ने बताया कि वह बेरोजगार हैं, तो उन्होंने उसे अपना मैनेजर अपॉइंट कर लिया। उन्होंने शम्सुद्दीन को इनकम टैक्स रिटर्न, ऑडिटिंग, जीएसटी फाइलिंग जैसे सभी काम देखने को कहा और और खुद फिल्मों पर फोकस करने लगे। अपना क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, एटीएम, साइन की हुई चेकबुक, बैंक पासवर्ड, ईमेल एड्रेस सब कुछ अपने भाई को सौंप दिया था। उस बीच उनके भाई ने बेईमानी करनी शुरू कर दी और पैसों की हेराफेरी करने लगा।

2. फिल्मों में व्यस्त होने के कारण नवाज के पास अपने ट्रांजैक्शन को लेकर बैंक से कॉर्डिनेट करने का समय नहीं था। शम्सुद्दीन ने उन्हें कहा कि वो नवाज के नाम पर प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, लेकिन असल में उन्होंने वो प्रॉपर्टी खुद के नाम पर खरीदी थी। इन प्रॉपर्टीज में यारी रोड का एक फ्लैट, एक सेमी कॉर्मशियल प्रॉपर्टी, बुढ़ाना के शाहपुर में एक फार्म हाउस और दुबई की एक प्रॉपर्टी शामिल है।

3. जब नवाज ने अपने भाई से इस बारे में सवाल-जवाब किया तो उसने एक्स वाइफ आलिया को भड़काना शुरू कर दिया।

4. आलिया यानी अंजना उनसे शादी से पहले ही शादीशुदा थी, लेकिन उसने खुद को अविवाहित बताकर उन्हें धोखे में रखा।

5. जब सच्चाई का पता चला तो नवाज हैरान रह गए। नवाज ने अपने भाई और एक्स वाइफ दोनों पर 21 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

पति की मौत को नहीं हुआ एक साल, धनुष से दूसरी शादी करने पर इस एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी, दिया ये जवाब

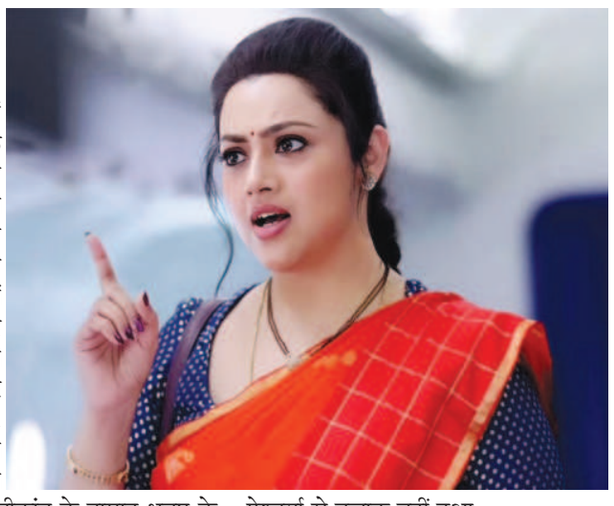

'दृश्यम' फ्रेंचाइजी , 'मुथु' और 'अन्नात्थे' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री मीना सागर लंबे समय से सिल्वर स्क्रीन पर नजर नहीं दिखीं. इन दिनों वे अपनी दूसरी शादी को लेकर चर्चा में हैं. अभिनेत्री को लेकर कहा जा रहा है कि वे रजनीकांत के दामाद धनुष के साथ दूसरी बार घर बसाने को तैयार हो चुकी हैं. ये खबर जंगल में आग की तरह वायरल हो रही है और अब इस पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी है.

मीना के पति की मौत सॉफ्टवेयर इंजीनियर विद्यासागर का पिछले साल 28 जून को कोविड-19 के बाद के स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हुई थी. पति के निधन को गए एक साल भी नहीं हुआ कि अब सुनने में आया उनके पेरेंट्स ने पारिपारिक मित्र के साथ दोबारा घर बसाने को लेकर प्रेशर बनाया है. कहा जा रहा है कि मीना धीरे-धीरे पति के निधन के गम से उबर रही हैं लेकिन दूसरी शादी करने में उन्हें कोई दिलचस्पी नहीं है. धनुष संग उनके रिश्ते की खबर फैली तो उन्होंने काफी नाराजगी जताई. बता दें कि रजनीकांत के दामाद का अभी भी ऐश्वर्या से तलाक नहीं हुआ.

अभिनेत्री ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए हैं. मीना के मुताबिक विद्यासागर की मौत से उबर पाना उनके लिए अभी भी मुश्किल है, सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी दूसरी शादी को लेकर फेक न्यूज फैलाई, जिससे वह और भी भड़क गई हैं. मीना ने कहा, अभी मेरी प्रायोरिटी नैनाका विद्यासागर का भविष्य होगा जिसके लिए वे अकेले ही काफी हैं. मीना के इस स्पष्टीकरण से निश्चित रूप से उनकी दूसरी शादी को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगा दिया. मीना ने इंटरव्यू के दौरान लंबे समय तक फिल्मों से दूर रहने के मुद्दे पर भी बात की. मीना के मुताबिक, वे पहले उन्हें ऑफर की गई फिल्मों की स्क्रिप्ट पढ़ेंगी और उनमें मुख्य भूमिकाएं तभी निभाएंगी जब वे उन्हें इंप्रेसिव लगेंगी.

विक्टिम वो नहीं मैं हूं.. उसने कान का पर्दा फाड़ दिया, मेंटल और फिजिकल टॉर्चर किया : एक्स बॉयफ्रेंड अनूप पिल्लई

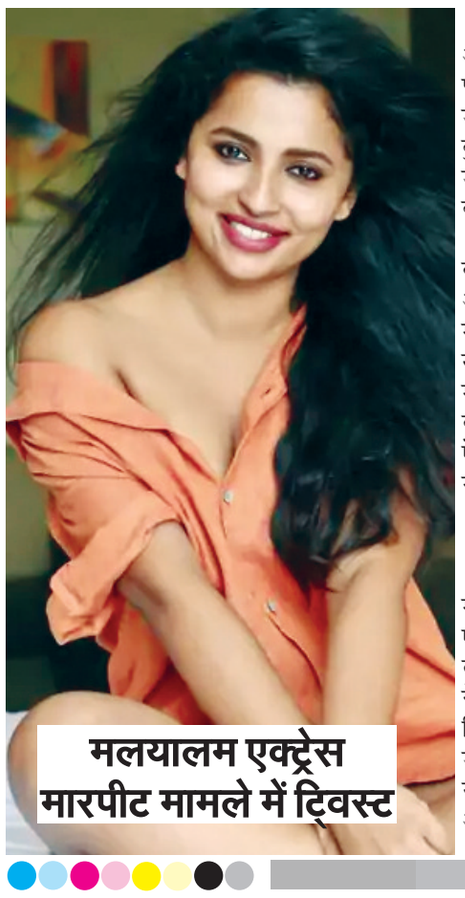

मलयालम एक्ट्रेस मारपीट मामले में ट्विस्ट

मलयालम की पॉपुलर एक्ट्रेस अनिका विक्रमन ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड पर मारपीट का आरोप लगाया था। उन्होंने 7 मार्च को सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज की थी। इन फोटोज में उनके चेहरे और आंखों पर चोट के काफी निशान दिखाई दे रहे थे।

अब इस मामले में उनके एक्स बॉयफ्रेंड अनूप पिल्लई का रिएक्शन आया है। अनूप का कहना है कि इस मामले में विक्टिम अनिका नहीं बल्कि वो खुद हैं। अनूप के मुताबिक, अनिका उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से टार्चर करती थीं। यहां तक कि उसने एक बार ऐसा मारा कि मेरे कान का पर्दा फट गया।

'मुझे फंसाने के लिए अनिका ने अपने आप को घायल किया'

अनिका विक्रमन ने 7 मार्च को सोशल मीडिया पर फोटोज पोस्ट कर अपने एक्स बॉयफ्रेंड अनूप पर गंभीर आरोप लगाए थे। अब इस पूरे आरोपों पर अनूप ने सोशल मीडिया के जरिए रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा है कि अनिका ने उनके ऊपर जो भी आरोप लगाए हैं वो सभी बेबुनियाद हैं। अनूप ने कहा कि अनिका जो चोटें दिखा रही हैं वो उन्होंने खुद अपने आप से दिया है।

अनूप ने कहा, ' हम दोनों 2016 से ही रिलेशनशिप में थे। मैं जब भी इंडिया आता था, वो मेरे साथ रहती थी। चूंकि उसे फिल्मों में काम नहीं मिल रहा था इसलिए उसने रिक्वेस्ट किया कि मैं उसके लिए एक एल्बम तैयार करूं। हालांकि दुर्भाग्य से वो एल्बम नहीं बन पाया। इसके बाद वो किसी और के टच में हो गई। इस बीच में उसने कई बार पैचअप करने की कोशिश भी की।

'अनिका के मारने से कान का पर्दा फट गया'

अनूप ने आगे कहा, अनिका ने बैंगलोर और चेन्नई में रहने के दौरान मुझसे लाखों रुपए लिए। क्योंकि उसका आर्थिक मदद करने वाला कोई नहीं था। उसने कई बार मुझे मेंटली और फिजिकली टॉर्चर किया। यहां तक उसने मुझे मारा। उसने एक बार मुझे ऐसा मारा कि मेरे कान का पर्दा फट गया। मैंने तब उससे सारे रिश्ते खत्म किए और विदेश चला गया।

अनिका सेटलमेंट के लिए पैसों की मांग की- अनूप

अनूप पिल्लई का यह भी कहना है कि अनिका पूरी तरह से रिश्ता खत्म करने के लिए तैयार नहीं थी। उन्होंने नशे की हालत में उनके साथ मिसबिहेव भी किया। अनिका ने एक बार सेटलमेंट करने की भी बात की थी लेकिन बदले में उसने मुझसे कहा कि मुझे उसे खर्चा देखना पड़ेगा।

अनिका ने 7 मार्च को अपनी कुछ फोटोज पोस्ट की थी जिसमें उनका चेहरा पहचानना मुश्किल हो रहा था। अनिका ने फेसबुक पोस्ट में लिखा था ₹मैं अनूप पिल्लई नाम के शख्स से प्यार करती थी। पिछले कुछ सालों से वो मेरा मानसिक और शारीरिक शोषण कर रहा था। मैंने ऐसा आदमी कभी नहीं देखा। इतना सब करने के बाद भी वो मुझे डरा रहा है। मैंने सपने में भी कभी नहीं सोचा था कि वो मेरे साथ ऐसा करेगा।

मेरी बेवकूफी थी कि उसे माफ कर दिया- अनिका

अनिका ने पोस्ट में आगे लिखा, 'उसने मुझे पहले चेन्नई में मारा था, लेकिन फिर उसने पैर पकड़ कर रोते हुए माफी मांगी थी। मेरी बेवकूफी थी कि मैंने उसे माफ कर दिया था। जब उसने दोबारा मुझे मारा, तो मैंने बेंगलुरु पुलिस में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। लेकिन उसने पुलिस वालों को पैसे दे दिए, जिसके बाद पुलिस ने आपसी सुलह करने के लिए कहा। उसने इस तरह से कई बार धोखा दिया था, इसलिए मुझे उसे छोड़ना था लेकिन वो मुझे नहीं छोड़ना चाहता था। उसने मेरा फोन तोड़ दिया था ताकि मैं शूट पर ना जा सकूं। इससे पहले भी जब हम रिश्ते में नहीं थे, तो लगातार मेरी व्हाट्सएप चैट पर अपनी नजर बनाए रखता था।

बिजली खपत के लिए पीक ऑवर चार्जेस का प्रस्ताव मंजूर नहीं : ऊर्जा मंत्री

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जगदीश रेड्डी ने दोहराया कि तेलंगाना राज्य बिजली की खपत के लिए पीक आवर शुल्क के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा। ऊर्जा मंत्री ने रविवार को यहां एक बयान में कहा कि पीक आवर खपत के आधार पर उच्च शुल्क लगाने का केंद्र सरकार का प्रस्ताव पूरी तरह से लोगों को गुमराह करने वाला है और यदि प्रस्ताव लागू किया गया तो यह गरीब लोगों पर अतिरिक्त बोझ होगा। यह याद दिलाते हुए कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने विद्युत नियामक आयोग (ईआरसी) की सिफारिशों को अलग नहीं रखा है और लोगों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए बिजली शुल्क में वृद्धि करने से भी इनकार कर दिया है, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि पीक आवर शुल्क की शुरूआत से लोगों पर और बोझ पड़ेगा।

खेत के कुएं में गिरी बालिका को बचाया गया

राजन्ना-सिरसिला, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तंगल्लापल्ली मंडल के अंकुशपुर में एक लड़की अंकिता रविवार सुबह गलती से एक कृषि कुएं में गिर गई। ग्रामीणों के अनुसार, अंकिता पशुओं के गोबर लेने के लिए खेत में गई थी। इस दौरान वह गलती से कुएं में गिर गई और शोर मचा दिया। उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और रस्सियों की मदद से उसे बाहर निकाला। उसे सिरसिला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

आजादी के बाद से लोगों को बुनियादी जरूरतें प्रदान करने में विफल रही कांग्रेस व भाजपा : केसीआर

महाराष्ट्र में तेलंगाना सरकार की तरह कल्याणकारी योजनाएं लागू करने की मांग की

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान में गलती ढूंढते हुए, जिन्होंने कहा कि बीआरएस प्रमुख को महाराष्ट्र का दौरा करने और अपने राज्य में राजनीति करने की कोई आवश्यकता नहीं है, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि यदि राज्य में रैतु बंधु, रैतु बीमा और कृषि और दलित बंधु को मुफ्त बिजली आपूर्ति सहित तेलंगाना में बीआरएस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया जाता है तो वह फिर से महाराष्ट्र का दौरा नहीं करेंगे।

रविवार को महाराष्ट्र राज्य के नांदेड़ जिले के कंधार लोहा में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, बीआरएस अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना एक छोटा राज्य

है और वित्तीय संसाधन महाराष्ट्र की तुलना में कम है, लेकिन बीआरएस सरकार रैतु बंधु, रैतु बीमा की पेशकश कर रही है, बाधित सभी खंडों को बिजली की आपूर्ति और यह राज्य में किसानों द्वारा उत्पादित पूरे धान की खरीद कर रहा है। केसीआर ने सवाल किया कि पिछले नौ वर्षों के दौरान, तेलंगाना ने कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी और शीर्ष धान उत्पादक राज्य के रूप में उभरा। जब तेलंगाना में सभी कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं, तो इन योजनाओं को महाराष्ट्र में क्यों नहीं लागू किया जा सकता है। यह कहते हुए कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि दलित समुदाय के लोग अभी भी महाराष्ट्र में कमजोर जीवन जी रहे हैं, जो कि डॉ. बीआर अंबेडकर का मूल राज्य है, बीआरएस नेता ने तेलंगाना की तर्ज पर दलित बंधु को लागू करने के लिए महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार की मांग की। केसीआर ने कहा कि मैं यहां लोगों के कल्याण और महाराष्ट्र के विकास के लिए आया हूं। अगर वर्तमान राज्य सरकार बीआरएस योजनाओं को तुरंत लागू करती है, तो मैं फिर से महाराष्ट्र राज्य का दौरा नहीं करूंगा। बीआरएस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दोनों राष्ट्रीय दलों कांग्रेस और भाजपा ने आजादी के बाद से देश पर शासन किया लेकिन लोगों को बुनियादी जरूरतें प्रदान करने में विफल रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश जल्द ही एक राजनीतिक चक्रवात का गवाह बनने जा रहा है और बीआरएस को केंद्र में सत्ता में आने से कोई भी ताकत रोक नहीं सकती है।

कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक जैसी योजनाओं को लागू करने वाले तेलंगाना एकमात्र राज्य : गंगुला

करीमनगर, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है, जो कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक जैसी योजनाओं को लागू कर रहा है। रविवार को करीमनगर के समाहरणालय सभागार में कोथापल्ली, करीमनगर शहरी और ग्रामीण मंडलों के लाभार्थियों को कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक चेक वितरित करने के बाद बोलते हुए, कमलाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने गरीब महिलाओं की शादी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए योजनाओं की शुरुआत की है। विधवाओं, अकेली महिलाओं, वृद्धों और गरीबों को भी पेंशन दी जा रही है। 156 हितग्राहियों को 1.56 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष के विजया, महापौर वाई सुनील राव और अन्य उपस्थित थे।

हरीश राव ने राज्य भाजपा नेताओं को दी चुनौती

कहा, केंद्र से बारिश राहत कोष प्राप्त करें भाजपा नेता

सिद्दीपेट, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने तेलंगाना के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं को चुनौती दी है कि वे प्रति एकड़ 10,000 रुपये की राहत राशि देने के लिए केंद्र पर दबाव बनाएं ताकि तेलंगाना के किसानों को दोहरा लाभ मिल सके। रविवार को सिद्दीपेट में कृषि बाजार में स्प्रिंकलर वितरित करने के बाद किसानों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बेमौसम बारिश से हुई फसल क्षति के बाद 10,000 रुपये प्रति एकड़ की राहत की घोषणा की है, इसके बावजूद भाजपा नेता राज्य सरकार की आलोचना कर रहे हैं। यह कहते हुए कि भाजपाकिसानों के कल्याण के बारे में कभी चिंतित नहीं थी, राव ने कहा कि केंद्र द्वारा बनाए गए तीन किसान बिलों का विरोध करते हुए 800 से अधिक किसानों की मौत हो गई है। दूसरी ओर, तेलंगाना सरकार ने रैतु बंधु, रैतु बीमा, 24 घंटे बिजली आपूर्ति और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत करके किसान बिरादरी का समर्थन करने में एक मिसाल कायम की है। पूरे समर्थन के साथ, तेलंगाना के किसानों ने 56 लाख एकड़ में धान की खेती की थी, जबकि शेष भारत ने 41 लाख एकड़ में धान की खेती की है। मुख्यमंत्री को आधुनिक युग के भागीरथ के रूप में सराहते हुए मंत्री ने कहा कि कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के पूरा होने के कारण फसलों की सिंचाई में वृद्धि हुई है। जैसा कि पिछले नौ वर्षों में तेलंगाना में एक क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है, राव ने कहा कि कई राज्यों के मजदूर कृषि क्षेत्रों में भी काम खोजने के लिए तेलंगाना की ओर पलायन कर रहे हैं। यह कहते हुए कि विपक्षी दल के नेता आरोप लगा रहे थे कि गोदावरी का पानी नहरों में नहीं छोड़ा जा रहा है, उन्होंने कहा कि वे पानी के प्रवाह का अनुभव तभी करेंगे जब उन्हें केएलआईएस नहरों में डुबोया जाएगा।

साइबराबाद एसओटी ने की लॉज, फार्म हाउस, पब और ढाबों की जांच

अनैतिक कार्य में शामिल कई गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी साइबराबाद ने 25 और 26 मार्च को आठ लॉज/ओयो रूम, 11 फार्म हाउस, छह पब और 14 ढाबों की साइबराबाद आयुक्तालय सीमा के तहत जांच की और पेटबशीराबाद की सीमा में एक लक्ष्मी विला गेस्ट हाउस पाया, जो अनुमति देने जैसे नियमों का उल्लंघन करता है। ग्राहक गांजा से भरी सिगरेट का सेवन करते हैं, जो एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रतिबंधित पदार्थ है और आबकारी विभाग की अनुमति के बिना शराब की अनुमति देता है। केपीएचबी पुलिस थाने सीमा में होटल कार्तिकेय रेजीडेंसी में वेश्यावृत्ति की भी जानकारी मिली। शमीरपेट पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत जैस्मीन फार्म हाउस ग्राहकों को सूखे गांजे के सेवन की अनुमति दे रहा था, जो एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रतिबंधित पदार्थ है और आबकारी विभाग की अनुमति के बिना शराब की अनुमति भी दे रहा था। शमशाबाद थाने की सीमा में एक्रीशन फार्म हाउस ग्राहकों को हुक्का और शराब पीने की अनुमति दे रहा था। मोइनाबाद पीएस की सीमा में ब्राउन टाउन रिसॉर्ट में आम की लकड़ी का खेत ग्राहकों को मुजरा पार्टी आयोजित करने की अनुमति दे रहा था और वेश्यावृत्ति चला रहा था। मोइनाबाद पुलिस थाने की सीमा में ब्राउन टाउन रिसॉर्ट में कुशी करते आम की लकड़ी का फार्म ग्राहकों को आबकारी विभाग की अनुमति के बिना अवैध रूप से हुक्का और शराब पीने की अनुमति दे रहा था। पेटबशीराबाद थाना अंतर्गत लक्ष्मी विला गेस्ट हाउस में आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। वे हैं ए. वासु, एस. कल्याण, आर. अनिरुद्ध, एम. सौरब, जोएल, एस. विवेक, के. वामशी और आर. महेश। इसी तरह चार आरोपियों को केपीएचबी थाना अंतर्गत कार्तिकेय रेजीडेंसी से गिरफ्तार किया गया। वे हैं राजू (आयोजक फरार), नरेश (उप संगठक फरार), बरला शिवा दिनेश (ग्राहक) और एक पीड़ित।

जसमन फार्म हाउस (शमीरपेट पीएस) से एल.विद्या सागर, किशोर, एन. संतोष कुमार, लक्ष्मी नारायण, आई. शिव कुमार, अभिजीत सिंह, सुनील कुमार, के संतोष कुमार, नागा राजू साईं, ओबुलरेड्डी प्रमोद रेड्डी। मोहम्मद मुस्तफा अली (मालिक फरार) को गिरफ्तार कर लिया गया। एक्रीशन फार्म हाउस (शमशाबाद थाना) से 17 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। वे हैं अनूप (पार्टी आयोजक और फार्म हाउस के मालिक) ब्राउन टाउन रिसॉर्ट (मोइनाबाद पीएस) में आम की लकड़ी का खेत। वे हैं अलापति राजेश (आयोजक), बोया उदय किरण (आयोजक), यदलपति भार्गव, पोएती कुमार, परुचुरी सुधाकर, शनीग दिनेश, ए. भारत कुमार, नसारी शशिधर, बथुला कुरुमूर्ति, सिम्हाद्री विक्की, पेडिनचेती राजेश, एगरा रवि, पिल्ली गोविंद, मदुमंची विनोद कुमार, वल्लुरी सतीश, नितिन अग्रवाल (विला नंबर 12 का मालिक फरार) और अभिजीत (ट्रिनिटी विला का मालिक फरार) है। पुलिस ने इस्तेमाल किए गए कंडोम (मैन फोर्स) के तीन पैकेट, आठ सीलबंद कंडोम, 100 ग्राम खुला सूखा गांजा, एक गांजा से भरी सिगरेट, पांच हुक्का पॉट, छह हुक्का फ्लेवर, 10 हुक्का पाइप, तीन चांदी के कागज, दो कोयले के डिब्बे, 23 बीयर की बोतलें, नौ ब्रीजर्स, सात व्हिस्की की बोतलें, 47 मोबाइल फोन, सात चार पहिया वाहन सहित नौ वाहन और दो दो पहिया वाहन और शुद्ध नकद 1400 रुपये बरामद किए। साइबराबाद पुलिस ने लोगों को सलाह दी कि वे किसी भी उल्लंघन की जानकारी और अन्य संबंधित जानकारी व्हाट्सएप नंबर 9490617444 पर साइबराबाद पुलिस को दें।

राम मंदिर, कोमसरी बाजार, बोवेनपल्ली वार्ड-1 में आयोजित पूजा-अर्चना कार्यक्रम में भाग लेते हुए जंपन्ना प्रताप, नागराज, राममोहन, देवेंद्र, श्रीनिवास, विनय, चिन्नाबाबू, संतोष व अन्य।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद के सदस्यों द्वारा 7वी डिस्ट्रिक्ट 320ए कन्वेंशन पर क्लासिक गार्डन में बैनर परेड की गई, जिसके लिए क्लब को बेस्ट बैनर परेड का अवार्ड दिया गया। साथ ही सबसे अधिक मेम्बरशिप रेजिस्ट्रेशन का अवार्ड भी क्लब को मिला। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष शीलकुमार जैन व मंत्री देवांश त्रिवेदी ने इस सफलता पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चैत्र नवरात्रि मानव जाति के लिए शुभ : तलसानी

पूरी श्रद्धा के साथ 'मां वैष्णव देवी विशाल जागरण' संपन्न

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि चैत्र नवरात्रि मानव जाति की भलाई के लिए है और ये नवरात्रि समारोह भारतीय घरों में एक विशेष स्थान रखते हैं। उन्होंने कहा कि देवी आदिशक्ति की पूजा के लिए चैत्र नवरात्रि सबसे शक्तिशाली है। मां वैष्णव देवी जागरण मंडल, गोशामहल पुलिस मैदान, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'मां वैष्णव देवी विशाल जागरण' में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव व सांसद आर कृष्णय्या, विधायक राजा सिंह, पूर्व एमएलसी पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की और मां वैष्णव देवी की विशेष पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर सरकार तेलंगाना राज्य में मंदिरों के विकास और मंदिरों को प्रतिष्ठा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, और याद दिलाया कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जिसने मंदिरों के लिए दीपा नेवेद्य योजना लागू की। उन्होंने कहा कि देश के लोग अपने त्योहारों को संजोते हैं और उन्हें खुशी और सद्भाव के साथ मनाते हैं। उन्होंने मां वैष्णव देवी जागरण मंडल को आध्यात्मिक जागृति 'मां वैष्णव देवी विशाल जागरण' के आयोजन के लिए बधाई दी।

मां वैष्णव देवी जागरण मंडल के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल

ने कहा कि बुराई पर अच्छाई की जीत और मानवता के कल्याण और आपसी सद्भाव के निर्माण के लिए 'मां वैष्णव देवी विशाल जागरण' का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। मां वैष्णव देवी जागरण मंडल सनातन धर्म के आदर्शों और मूल्यों के संरक्षण, आचरण और प्रचार-प्रसार के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित करता है। अंजनी कुमार अग्रवाल ने 'माँ वैष्णव देवी विशाल जागरण' को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए हजारों भक्तों का आभार व्यक्त किया। बाद में, जम्मू में माँ वैष्णव देवी माता मंदिर के पुजारी लोकेश पुजारी ने इस जागरण में विशेष पूजा की और अखंड ज्योति जलाई और 'माँ वैष्णव देवी विशाल जागरण' की शुरुआत की। उन्होंने जम्मू में मां वैष्णव देवी माता मंदिर से लाए गए प्रसादम और खजाना कोषागार के सिक्कों को श्रद्धालुओं में बांटा। शनिवार की रात दस बजे से शुरू हुआ जागरण रविवार की सुबह तड़के तक चला और गोशामहल पुलिस मैदान श्रद्धालुओं से भर गया और परिसर का माहौल भक्तिमय हो गया। प्रसिद्ध गायक राजू मुरारी दाहिमा, कुमार विशु, नवीन जोशी ने संगीतकारों के एक उत्कृष्ट बैंड के साथ भक्तों को अपने शक्तिशाली और मधुर आवाज के साथ भजन और गीतों के साथ अपने पैरों पर खड़ा कर दिया। पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने ताली बजाकर "जय माता जी" का नारा लगाते हुए नृत्य किया। सुबह मां वैष्णव देवी जागरण मंडल कोर वर्किंग कमेटी के सदस्य रामकिशन अग्रवाल, राकेश नरसिंह पुरिया, संजय अग्रवाल, अंजनी सर्वयोगी, राकेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राकेश जालान, धीरज अग्रवाल, सूर्य कमल गुप्ता, ललित अग्रवाल, हरिओम गर्ग ने मां वैष्णव देवी की महा आरती की।

आंध्र सीएम व तेलंगाना राज्यपाल ने एलवीएम3 के प्रक्षेपण के लिए इसरो को बधाई दी

अमरावती, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डीने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की टीम को वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर भारत की क्षमता को बढ़ावा देने वाले वनवेब के दूसरे उद्यम के लिए 36 उपग्रहों को ले जाने वाले सबसे बड़े रॉकेट एलवीएम3 के सफल प्रक्षेपण के लिए बधाई दी है।

एलवीएम3-एम3/वनवेब इंडिया 2 मिशन की सफलता भारतीय अंतरिक्ष इतिहास में एक मील का पत्थर है, मुख्यमंत्री ने कहा और भविष्य के प्रयासों में इसरो की सफलता की कामना की। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजनने भी इसरो के अध्यक्ष और टीम को सफल प्रक्षेपण के लिए बधाई दी।

उन्होंने ट्वीट किया कि इसने एक बार फिर "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी पथ पर हमारे देश को गौरवान्वित करने" के लिए इसरो के वैज्ञानिकों की क्षमताओं का प्रदर्शन किया है।

इसरो ने रविवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 36 उपग्रहों के साथ भारत के सबसे बड़े लॉन्च व्हीकल मार्क-III (एलवीएम3) रॉकेट/वनवेब इंडिया-2 मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। 5,805 किलोग्राम वजन वाले 36 पहली पीढ़ी के उपग्रहों को लगभग 87.4 डिग्री के झुकाव के साथ 450 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नशे में धुत महिला ने ऑटो चालक पर हमला किया

पेड्डापल्ली, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरीखानी कस्बे में कथित तौर पर शराब के नशे में एक महिला ने ऑटो रिक्शा चालक को भुगतान करने से इनकार कर दिया और कथित तौर पर उस पर पत्थरों से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, करीमनगर शहर के निवासी, ऑटोरिक्शा चालक तिरुपति, जो रामनगर ऑटो स्टैंड से संचालित होता है, से शनिवार की रात महिला ने संपर्क किया और उसे गोदावरीखानी शहर में छोड़ने के लिए कहा। तिरुपति ने उसे 1,500 रुपये देने को कहा और वह 1,000 रुपये देने को तैयार हो गई। गोदावरीखानी चौक पहुंचने के बाद, उसने उसके साथ बहस की और उसे भुगतान करने के बजाय, उसने कथित तौर पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उस पर पत्थरों से हमला किया। राहगीरों ने मौके पर जमा होकर पुलिस को सूचना दी।

उगादि कवि सम्मेलन आयोजित किया गया

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिला केंद्र में साहित्य रंजनी संस्था द्वारा उगादि कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। संगारेड्डी जिला सरकारी ग्रंथालय के अध्यक्ष पी. नरहरि रेड्डी, साहित्य रंजनी के गौरव अध्यक्ष पांडुरंगम गुप्ता, अध्यक्ष पी. पेंटारेड्डी और सचिव बाबूराव द्वारा ज्योति प्रज्लन कर कवि सम्मेलन का आरंभ किया गया। कवि सम्मेलन में विभिन्न प्रांत के कवि और कवयित्रियों ने कविता पढी। तेलुगु के प्रमुख कवि डॉक्टर पूर्ण कृष्णा, तेलंगाना तेलुगू पाठ्य पुस्तक के रचयिता और प्रमुख कवि डॉक्टर मोहम्मद शरीफ, तेलुगु कवि डॉक्टर मारुति, रवि कुमार, साईलु चारी, कवि डॉ. पी. नारायणा, बोया वेंकटेशम, वैद्यनाथ, कवि मोगली माला, विट्ठल, कृष्णा रेड्डी और तेलुगु और हिंदी के कवि केएल प्रभाकर प्राण आदि इस कवि सम्मेलन में उपस्थित होकर कविता गान किये हैं।

निर्मला सीतारमण बोलीं- ब्याज दर जोखिमों के बारे में सतर्क रहें बैंक, निरंतर आकलन का दिया सुझाव

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक के धड़ाम होने के बाद बैंकों से कर्ज दर जोखिमों के बारे में सतर्क रहने और निरंतर तनाव का आकलन करने को कहा। वित्त मंत्री ने कहा, बैंकों को उचित सावधानी बरतनी चाहिए और जोखिम प्रबंधन, जमा व परिसंपत्ति आधार के विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए नियामक ढांचे का पालन करना चाहिए। वित्त मंत्री ने शनिवार को विभिन्न वित्तीय स्वास्थ्य मानकों पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से प्रदर्शन की समीक्षा की। दो घंटे चली बैठक में सिलिकॉन वैली बैंक और

सिग्नेचर बैंक के डूबने समेत क्रेडिट सुइस से संकट पर चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों दृष्टिकोणों से विकासशील व तत्काल बाह्य वैश्विक वित्तीय तनाव पर भी चर्चा की। वित्त मंत्री ने बैंको को तनाव बिंदुओं की पहचान करने के लिए व्यापार मॉडल को बारीकी से निगरानी करनी की सलाह दी।

वित्तीय झटके से बचने को तैयार

सार्वजनिक बैंकों के प्रमुखों ने वित्त मंत्री को बताया कि वे सर्वोत्तम कॉर्पोरेट प्रशासन प्रथाओं, नियामक मानदंडों का पालन करते हैं। मजबूत संपत्ति-देयता व जोखिम प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं। बैंकों ने बताया कि वे वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों के प्रति सतर्क हैं। संभावित वित्तीय झटके से खुद को बचाने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं।

बढ़ेंगे सीएनजी-पीएनजी के दाम! 1 अप्रैल को सरकार का गैस कीमतों पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस के मूल्य की सीमा तय करने पर विचार करेगा। इस कदम का मकसद सीएनजी से लेकर उर्वरक कंपनियों के लिए उत्पादन की लागत को कम करना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सरकार साल में 2 बार तय करती है गैस की कीमतें

सरकार एक साल में दो बार स्थानीय रूप से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतें तय करती है - जिसे वाहनों में उपयोग के लिए सीएनजी में और रसोई में इस्तेमाल के लिए पाइप वाली गैस (पीएनजी) में बदला जाता है। इसके अलावा गैस का इस्तेमाल बिजली और उर्वरक उत्पादन में भी होता है। इन दरों में एक अप्रैल को संशोधन होना है। घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस के भुगतान के लिए दो फॉर्मूला हैं। इनमें एक ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और

ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) जैसी राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनियों के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए भुगतान का फॉर्मूला और दूसरा गहरे समुद्र के नए क्षेत्रों से उत्पादित गैस के भुगतान का फॉर्मूला है।

वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में उछाल

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में उछाल ने स्थानीय रूप से उत्पादित गैस की दरों को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। विरासत वाले या पुराने क्षेत्रों से गैस के लिए 8.57 अमेरिकी डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) और कठिन क्षेत्रों से गैस के लिए 12.46 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की दर तय है।

10.7 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक पहुंच सकती हैं गैस की कीमतें

मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने कहा कि मौजूदा फॉर्मूले के अनुसार, पुराने क्षेत्रों से गैस की कीमतें बढ़कर 10.7 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तक पहुंच सकती हैं। मुश्किल क्षेत्र की गैस के दाम में मामूली बदलाव होगा। गैस कीमतों में पिछले संशोधन के बाद सीएनजी और पीएनजी के दाम 70 फीसदी तक चढ़ चुके हैं। यदि एक अप्रैल से दरों में संशोधन होता है तो इसमें और बढ़ोतरी होगी।सूत्रों ने कहा कि सरकार ने पिछले साल किरीट पारिख की अध्यक्षता में गैस की कीमतों में संशोधन पर एक समिति गठित की थी जो स्थानीय उपभोक्ता और उत्पादक दोनों हितों को संतुलित करती है और साथ ही देश को गैस आधारित अर्थव्यवस्था बनने के उद्देश्य को आगे बढ़ाती है। समिति ने अपनी सिफारिशों में पुराने क्षेत्रों से निश्चित अवधि के लिए गैस के दाम में बदलाव मौजूदा ब्रेंट कच्चे तेल के दाम का 10 फीसदी करने को कहा है। अभी तक यह गैस अधिशेष वाले देशों की कीमतों के आधार पर किया जाता था। समिति ने कठिन क्षेत्रों के लिए फॉर्मूला में कोई बदलाव नहीं करने का सुझाव दिया है।

6.50 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की सीमा के तहत हो सकता है बदलाव

सूत्रों ने कहा कि हालांकि यह चार डॉलर प्रति इकाई के न्यूनतम मूल्य और 6.50 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की सीमा के तहत होगा। मौजूदा ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल है। ऐसे में गैस की कीमत 7.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू होनी चाहिए, लेकिन सीमा के कारण ईंधन की कीमत केवल 6.5 डॉलर होगी।

बड़े पैमाने पर छंटनी के बावजूद भी टेक सेक्टर ऑफर कर रहा सबसे ज्यादा सैलरी!

भारत समेत पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी का असर जिस क्षेत्र पर सबसे ज्यादा पड़ा है वह है टेक सेक्टर। हर दिन हजारों की संख्या में लोगों को नौकरी से निकाला जा रहा है। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियां जैसे मेटा, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, ट्विटर आदि ने दो से तीन चरणों में छंटनी कर चुकी हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के टेक इंडस्ट्री में कुल 3 लाख से अधिक लोग बेरोजगार हो चुके हैं। जनवरी से मार्च 2023 तक 500 से अधिक टेक कंपनियों ने 1.5 लाख से अधिक लोगों को नौकरी से निकाला है। इतनी बड़ी संख्या में छंटनी के बावजूद भी टेक क्षेत्र में सबसे ज्यादा सैलरी ऑफर किया जा रहा है। कई कंपनियां कर्मचारियों की भर्ती भी कर रही हैं। ब्लूमबर्ग में छपी रिपोर्ट के मुताबिक इस बात में कोई दो राय नहीं हैं कि पिछले कुछ सालों में टेक इंडस्ट्री अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। लोगों की बड़े पैमाने पर

छंटनी की जा रही है, लेकिन आज भी यह क्षेत्र सबसे ज्यादा सैलरी ऑफर करने वाला बना हुआ है। आज भी लोगों इस क्षेत्र में 120 डॉलर यानी करीब 9,882 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से पेमेंट मिल रहा है। ऐसे में यह दुनिया की सबसे ज्यादा सैलरी वाली जॉब है। उदाहरण के तौर पर माइक्रोसॉफ्ट अपने कर्मचारियों को हर घंटे 90 डॉलर यानी 7,411 रुपये के हिसाब से सैलरी देता है। वहीं एक पीएचडी स्कॉलर को केवल 45 डॉलर यानी 3,705 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से सैलरी मिलती है। ऐसे में टेक वर्कर की सैलरी पीएचडी स्कॉलर से दोगुना है। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने पिछले कुछ महीनों में सबसे ज्यादा बड़े पैमाने पर छंटनी की है। कंपनी ने कुछ 27,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। कंपनी ने मार्च में 9,000 लोगों की छंटनी की है। इसके अलावा कंपनी ने जनवरी में 18,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। वहीं फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा दूसरे चरण की छंटनी में ने कुल 10,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। वहीं पिछले साल नवंबर में कुल 11,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया था। गूगल ने जनवरी में कुल 12,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी।

दिग्गज आईटी कंपनी एक्सेंचर ने भी अगले 1.5 लाख में 19,000 कर्मचारियों की छंटनी का प्लान बनाया है। इस तरह कई टेक कंपनियां पिछले कुछ महीनों से लगातार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है।

भारत में स्टार्टअप्स ने की भारी छंटनी अब तक गई हजारों की नौकरी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। वैश्विक आर्थिक मंदी के लक्षण अब पहले से ज्यादा गहरे हो चुके हैं। भारत में भी इसका असर दिख रहा है। खासकर भारतीय स्टार्टअप्स आर्थिक सुस्ती से ज्यादा परेशान हैं और इस कारण छंटनी का सहारा ले रहे हैं। पिछले कुछ समय के दौरान भारत के कम से कम 82 स्टार्टअप्स ने छंटनी की है और हजारों लोग इसका शिकार हुए हैं।लेऑफ्स डॉट एफवाईआई के अनुसार, अभी पूरी दुनिया में भारी छंटनी का दौर चल रहा है। टेक कंपनियों की बात करें तो इस साल जनवरी महीने में 84,714 लोगों की और फरवरी में 36,491 कर्मचारियों की छंटनी की गई। मार्च महीने में एसेंचर और इनडीड के अलावा रूफस्टॉक , ट्विच , अमेजन, लिवस्पेस , कोर्स हीरो , क्लावियो , माइक्रोसॉफ्ट , फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा , वाई कम्बिनेटर , सेल्सफोर्स , एटलासियन , सिरीयस एक्सएम, अलेर्जो, सेरेब्रल, वायमो, थॉटवर्क्स जैसी कंपनियां छंटनी कर चुकी हैं। आंकड़े बताते हैं कि पूरी दुनिया में टेक कंपनियां इस साल अब तक 1.50 लाख से ज्यादा लोगों को काम से निकल चुकी हैं।

इन कंपनियों के सारे कर्मचारी बाहर

स्टार्टअप्स का हिसाब देखें तो बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक 16 स्टार्टअप्स अपने 100 फीसदी कर्मचारियों को निकाल चुके हैं। इनमें से तीन स्टार्टअप कंपनियां भारत की हैं। बेंगलुरू बेस्ड वीट्रेड और डीयूएक्स एजुकेशन तथा चेन्नई की फिपोला ने अपने सभी कर्मचारियों को बाहर किया है। भारतीय स्टार्टअप्स में छंटनी का आंकड़ा अभी बढ़ने की ही आशंकाएं हैं।

छंटनी में आगे ये स्टार्टअप

भारतीय स्टार्टअप्स में भी सबसे ज्यादा छंटनी एडुटेक सेक्टर में हो रही हैं। Inc42 की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस सेक्टर के 19 स्टार्टअप अब तक छंटनी कर चुके हैं, जिनमें सिर्फ चार यूनिकॉर्न ने ही करीब 8,500 लोगों को काम से निकाला है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन...	05-40 बजे
चंद्र-	वृष	में	मेष--	07-16 बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष--	09-01 बजे
बुध-	मीन	में	मिथुन..	11-03 बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क...	13-13 बजे
शुक्र-	मेष	में	सिंह...	15-26 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	17-33 बजे
राहु-	मेष	में	तुला	19-38 बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक.	21-47 बजे
			धनु.....	00-01 बजे
			मकर..	02-08 बजे
			कुंभ...	03-58 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2548,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 17 -28 उपरान्त सप्तमी
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , सोमवार Mar 27
नक्षत्र - रोहिणी - 15 -26 तक उपरान्त मृगशिरा
योग - आयुष्मान -23 - 18 - तक उप - सौभाग्य
करण- तैतिल - 17 - 28 - तक उप- गर
विशेष:- स्कंद षष्ठी
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग-06-39 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:48 से 09:19 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
अमृत	06:18 - 07:48	शुभ	चंचल	18:24 - 19:56 शुभ
काल	07:48 - 09:19	अशुभ	रोग	19:56 - 21:24 अशुभ
शुभ	09:19 - 10:50	शुभ	काल	21:24 - 22:53 अशुभ
रोग	10:50 - 12:22	अशुभ	लाभ	22:53 - 00:21 शुभ
उत्पात	12:22 - 13:53	अशुभ	उत्पात	00:21 - 01:50 अशुभ
चंचल	13:53 - 15:24	शुभ	शुभ	01:50 - 03:18 शुभ
लाभ	15:24 - 16:56	शुभ	अमृत	03:18 - 04:47 शुभ
अमृत	16:56 - 18:24	शुभ	चंचल	04:47 - 06:18 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पुरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसें सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है ।अपने माता -पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं । अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें । आपको यह जानकार आश्चर्य होगा की आपने इन पारिवारिक सत्रों से कितना कुछ सीखा है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया हैं । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपको थोड़ा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मज़े करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे । आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं । आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी ।आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है ।बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है ।आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें । उस दोस्त की अपनी कुछ परेशानियां चल रही ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों। ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

ट्विटर एम्प्लॉइज को मिलेगा स्टॉक ग्रांट

मस्क इसे 20 बिलियन डॉलर के वैल्यूएशन पर देंगे,कंपनी में अभी करीब 2000 कर्मचारी

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने अपने एम्प्लॉइज को 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.6 लाख करोड़ रुपए) के वैल्यूएशन पर स्टॉक ग्रांट देने का ऐलान किया है। मस्क ने पिछले साल अक्टूबर में माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण 44 बिलियन डॉलर (करीब 3.6 बिलियन डॉलर) में किया था। यानी मस्क जिस वैल्यूएशन पर अपने कर्मचारियों को स्टॉक ऑप्शन दे रहे हैं वो वैल्यूएशन अधिग्रहण के वैल्यूएशन से करीब आधा है। इनफॉर्मेशन ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बताता है कि डील के बाद से ट्विटर की वैल्यू कितनी गिर गई है। वहीं मस्क ने ईमेल में कहा की वो सोशल-मीडिया कंपनी के

भविष्य को लेकर आशावादी है। उन्होंने कहा, 'मुझे एक स्पष्ट, लेकिन कठिन, 250 बिलियन डॉलर से ज्यादा के वैल्यूएशन का रास्ता दिखाई देता है।' यानी अभी दिया गया स्टॉक ग्रांट आने वाले समय में 10 गुना हो जाएगा।

2021 में 630 मिलियन डॉलर खर्च किए थे

ट्विटर ने 2021 में स्टॉक-ऑप्शन बेस्ड कंपनसेशन पर लगभग 630 मिलियन डॉलर खर्च किए थे। इसमें 7,500 से अधिक कर्मचारी थे और अब, छंटनी के कई राउंड में हजारों कर्मचारियों को निकाले जाने के बाद कंपनी में लगभग 2,000 कर्मचारी रह गए हैं। मस्क के ट्विटर मॉनेटाइजेशन के प्रयासों के बावजूद, माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने दिसंबर 2022 के लिए रेवेन्यू और एडजस्टेड अर्निंग में 40% की भारी गिरावट दर्ज की है।स्टॉक ग्रांट किसी भी कंपनी के कर्मचारियों को एक स्पेसिफिक सेट पीरियड के लिए दिया जाता हैं। स्टॉक ग्रांट रिसीव करने वाले कर्मचारी एक निश्चित अवधि तक अपने शेयर नहीं बेच सकते। इस पीरियड को वेस्टिंग पीरियड कहा जाता है। कर्मचारियों को एक स्पेसिफिक टाइम तक रोकने के लिए कंपनियां स्टॉक ग्रांट देती है। अगर कोई कर्मचारी स्टॉक ग्रांट के वेस्टिंग पीरियड तक कंपनी में नहीं रुकता तो उसे इसका फायदा नहीं मिलता।एलन मस्क ने ट्विटर को प्रॉफिट में लाने के लिए सब्सक्रिप्शन पर जाने का फैसला किया है। उन्होंने ट्विटर ब्लू को दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में लॉन्च कर दिया है। भारत में एंड्रॉयड और आईओएस मोबाइल यूजर्स को ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए 900 रुपए प्रति महीना चुकाना पड़ता है। वेब यूजर्स को ब्लू सब्सक्रिप्शन 650 रुपए में मिलता है।

बड़ी उपलब्धि: एसपीसीओपीएस और एसपीयू का एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज

जेनेरिक दवाओं पर जागरूकता के लिए किया ये काम

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। सिक्किम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज , सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी गंगटोक, सिक्किम का नाम एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। यहां के छात्रों ने जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सबसे छोटा मानव कैप्सूल बनाने का रिकॉर्ड बनाया है। सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के सिक्किम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज (एसपीसीओपीएस) के 70 छात्रों ने नौ दिसंबर, 2022 को कैंपस में जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक मानव कैप्सूल बनाया था। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने तीन जनवरी, 2023 को इस रिकॉर्ड की पुष्टि की और 23 मार्च को सिक्किम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज (एसपीसीओपीएस), सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एसपीयू) का एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कर दिया।

सिक्किम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज (एसपीसीओपीएस), सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एसपीयू) की इस उपलब्धि पर कुलसचिव प्रोफेसर रमेश कुमार रावत, सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के विभिन्न गठित कॉलेजों के सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने सिक्किम प्रोफेशनल कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज (एसपीसीओपीएस) सभी छात्रों और संकाय सदस्यों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

विदेशी निवेशकों ने मार्च में अब तक शेयरों में 7,200 करोड़ रुपये डाले, इस समूह में आया ज्यादातर पैसा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार में 7,200 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसमें मुख्य हिस्सा अमेरिका के जीक्यूजी पार्टनर्स द्वारा अडानी समूह की कंपनियों में किया गया निवेश शामिल है। इस महीने की शुरुआत में सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के पतन के बाद अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली में दबाव दिखाई दे रहा है। मैक्रो धारणा उतार-चढ़ाव की होने के बावजूद ज्यादातर वैश्विक बाजारों में सुधार देखा गया।

फरवरी और जनवरी में एफपीआई ने निकाली थी रकम

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने 24 मार्च तक भारतीय शेयरों में 7,233 करोड़ रुपये का

निवेश किया है।

इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों से 5,294 करोड़ रुपये और जनवरी में 28,852 करोड़ रुपये निकाले थे। वहीं दिसंबर, 2022 में उन्होंने शेयरों में शुद्ध रूप से 11,119 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

जानकारों का क्या है कहना

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली में दबाव और बैंकिंग शेयरों में गिरावट के कारण वैश्विक स्तर पर बाजारों में जोखिम कम होने की वजह से निकट अवधि में एफपीआई के सतर्क रहने की संभावना है। विजयकुमार ने बताया कि मार्च में एफपीआई के निवेश में जीक्यूजी द्वारा अडाणी के चार शेयरों में किया गया 15,446 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव रहने की संभावना प्रबल

कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा, ''आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने नीतिगत दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि की है। साथ ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने देश की वित्तीय प्रणाली में स्थिरता की उम्मीद जताई है। केंद्रीय बैंक के सख्त मौद्रिक रुख की वजह से एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव रहने की संभावना है।''

सबसे खराब रहा एलआईसी का आईपीओ, इन दोनों ने दिया मल्टीबैगर रिटर्न

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। शेयर बाजार में गिरावट का असर आईपीओ के ऊपर भी दिखा है। पिछले कुछ महीने से तो गिने-चुने आईपीओ ही बाजार में आए हैं। अब जबकि चालू वित्त वर्ष एक सप्ताह से भी कम बचा है और बचे चंद दिनों में कोई आईपीओ नहीं आने वाला है, तो हम पूरे वित्त वर्ष के आंकड़ों पर नजर डाल सकते हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि चालू वित्त वर्ष आईपीओ के लिहाज से ठीक नहीं रहा है और ज्यादातर को तो डिस्काउंट पर लिस्ट होना पड़ा था।आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 38 कंपनियों ने शेयर बाजार में पैर रखे। इन कंपनियों ने आईपीओ के मार्फत कुल 52,600 करोड़ रुपये जुटाए। इनमें कुछ वैसे भी आईपीओ के आंकड़े शामिल हैं, जो ओपन तो मार्च 2022 में हो गए थे, लेकिन उनके शेयरों की लिस्टिंग अप्रैल 2022 यानी चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में हुई थी।

मिर्गी भूत-प्रेत का चक्कर नहीं, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है

झाड़-फूंक से बचें, नींद की कमी भी हो सकता है कारण; इलाज ही उपाय

नई दिल्ली, 26 मार्च (स्क्लूसिव डेस्क)। 26 मार्च को वर्ल्ड पर्पल डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे एक ही मकसद है, मिर्गी यानी एपिलेप्सी के प्रति दुनियाभर में अवेयरनेस फैलाना। लैंसेट की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में लगभग 5 करोड़ लोग मिर्गी से जूझ रहे हैं। इनमें से लगभग एक से 1.2 करोड़ लोग भारतीय हैं। बच्चों के जन्म के समय मस्तिष्क यानी ब्रेन में पर्याप्त रूप से ऑक्सीजन सप्लाई न हो पाने की वजह से भी बचपन से ही मिर्गी की शिकायत होती है। आज मिर्गी की बीमारी को लेकर जो भी मिथ यानी भ्रांतियां हैं, उसकी सच्चाई भी जानते हैं...

देखा जाए तो मिर्गी दिमाग से जुड़ी एक तरह की बीमारी है। मेडिकल साइंस में इसके दौरे को न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर कहा जाता है। मिर्गी के दौरे अगर किसी व्यक्ति को आते हैं, तो उसमें कुछ कामन लक्षण दिखाई दे सकते हैं? जैसे- अचानक गुस्सा आना, कंफ्यूजन फील होना, डर, एंग्जाइटी, अचानक खड़े-खड़े गिर जाना, कुछ समय के लिए कुछ भी याद नहीं रहना , चक्कर आना,लगातार ताली बजाना या हाथ रगड़ना, चेहरे, गर्दन और हाथ की मांसपेशियों में बार-बार झटके आना।

मिर्गी होने के कई कारण है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है। इसके प्रमुख कारण हैं... जेनेटिक, सिर पर गंभीर चोट, ब्रेन ट्यूमर या सिस्ट, अल्जाइमर, एड्स आदि। मिर्गी सिर्फ जन्मजात बीमारी नहीं है। जैसे कि बताया गया है कि यह एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है।

जब ब्रेन में नर्व सेल या कोशिका की एक्टिविटी डिस्टर्ब हो जाती है तभी मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। जन्मजात होने के साथ-साथ यह ब्रेन इंजरी, स्ट्रोक और ट्रॉमा की वजह से कभी भी किसी को हो सकता है।

मिर्गी का इलाज संभव है। अगर तीन साल तक लगातार इलाज करवाया जाए तब 70% से 75% तक बच्चों में इसके ट्रीटमेंट का असर दिखता है। बड़ों को भी समय पर इलाज मिल जाए तो इस पर काबू पाना मुश्किल काम नहीं है। जिन लोगों का इलाज पूरी तरह से नहीं हो पाता, उनकी बीमारी भी कंट्रोल में रहती है अगर वो प्रिकॉशन रखें। वहीं 20% से 30% लोगों को इसकी दवाई ताउम्र खानी पड़ती है। कुछ जांच करने से मिर्गी की पहचान डॉक्टर आसानी से कर सकते हैं। जैसे-

ब्लड टेस्ट, इलेक्ट्रोइन सेफलोग्राम यानी ईईजी, इमेजिंग टेस्ट जैसे-सीटी स्कैन, एमआरआई आदि।

गांव के लोग मिर्गी को छूआछूत से जोड़कर देखते हैं, टोने-टोटके से इसे ठीक करने की कोशिश करते हैं। जबकि मेडिकल साइंस छूआछूत और टोने-टोटके को बिल्कुल भी नहीं मानता है। इससे मरीज की हालत ठीक होने के बजाय और बिगड़ सकती है। इसलिए झाड़-फूंक या टोना-टोटका के चक्कर में न पड़ें। दिमाग के डॉक्टर से कॉन्टैक्ट करें। सही इलाज करवाएं।

दरअसल, बहुत सारे लोगों में मिर्गी होने की वजह ब्रेन में कीड़ा होना भी है। जिसे न्यूरो सिस्टीस सरकोसिस के नाम से जानते हैं। यह खुले में शौच करने के कारण होता है। खुले में शौच करने से पेट में मौजूद टेप वॉर्म यानी कृमि बाहर आ जाता है। यह खेतों में मौजूद सब्जी या पानी में मिल जाता है। जब ये सब्जियां आपके घर पर जाती हैं और इसे अच्छी तरह धोए बगैर हम पकाते हैं या फिर बाजार में बिना धोए मोमोज और बर्गर जैसी चीजों में इसको यूज किया जाता है, तो इससे टेपवर्म पेट से होकर ब्रेन में पहुंचता है, जो मिर्गी की वजह बनता है। यह इतने छोटे होते हैं कि खुली आंखों से देख पाना संभव नहीं है।

इस बीमारी में मेडिसिन मरीज की बीमारी पर डिपेंड करता है। जरूरी नहीं कि हर मरीज की मेडिसिन 3-5 साल तक खाना पड़े। कुछ मरीजों को 6 महीने, 1 साल या फिर 1 हफ्ते ही मेडिसिन खाने की जरूरत पड़ती है। वही कुछ को जिंदगी भर मेडिसिन खाने की जरूरत पड़ सकती है।

अगर मिर्गी की दवाइयों की खुराक भूल गए है तो इससे क्या नुकसान होगा? वैसे तो हर दिन निर्धारित यानी तय समय पर ही दवाई खानी चाहिए। अगर एक खुराक भूल गए हैं, तो याद आने पर उसी समय देना चाहिए। यदि एक से ज्यादा खुराक भूल गए हैं, तो डॉक्टर की सलाह लें।

खबर में आगे बढ़ने से पहले क्यूआरजी हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नजीब उर रहमान कहते हैं- मिर्गी से जुड़ी गलत जानकारियों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। अच्छे डॉक्टर्स से इसका इलाज करवाना चाहिए। मरीज को अपनी इस बीमारी को फैमिली और डॉक्टर से नहीं छिपाना चाहिए। अच्छे से इलाज लेने पर इस बीमारी को ठीक किया जा सकता है।

अगर किसी को मिर्गी का दौरा पड़े, तो आसपास के लोग, फैमिली या फ्रेंड्स ऐसे करें मरीज की मदद-

गले के कॉलर को ढीला कर

मरीज को बाएं करवट में लिटा दें। जबरदस्ती मरीज के शरीर को पकड़ने या फिर दबाने से बचें। मरीज को कुछ भी खिलाएं-पिलाएं नहीं। दौरा शुरू होने का और खत्म होने का समय नोट कर लें। रिस्की चीजों जैसे आग, फर्नीचर के नुकीले कोनों से दूर रखें। सिर के नीचे मुलायम चीजे रखें, जिससे सिर फर्श से टकराए नहीं। मुंह या नाक से आने वाले पानी या झाग को साफ करते रहें। जूता सुंघाना या फिर हाथ में लोहा पकड़वाने से बचें।

ध्यान रहे कि ज्यादातर दौरे कुछ सेकेंड में या मिनट में बिना इलाज के ही रुक जाते हैं। अगर दौरा 4-5 मिनट से ज्यादा समय तक रहे, तब मरीज को फौरन हॉस्पिटल ले जाना चाहिए।

बच्चे में मिर्गी होने के प्रमुख कारण

जन्म में कुछ कठिनाई, टॉक्सिन की कमी से, ब्रेन में विकार

कुछ जेनेटिक कंडीशन, ऊर्जा बनाने का प्रोसेस ब्रेन कुछ इस तरह से होता है कि एक्स्ट्रा डिस्चार्ज होते ही बच्चे को मिर्गी के अटैक आने लगता है। जन्म से लेकर 17 साल की उम्र तक दो तरह से मिग्री हो सकती है...। फोकल एपिलेप्सी या आंशिक, जर्नलाइज्ड एपिलेप्सी या सामान्य, फोकल एपिलेप्सी के प्रमुख लक्षण।

आंखें तिरछी हो जाती है। शरीर लगातार हिलता रहता है। होंठ कांपते हैं। शरीर के एक साइड अकड़न, शरीर के एक साइड झटके

जर्नलाइस्ड एपिलेप्सी में चारों हाथ-पैर में अकड़न, एक टक सीधे देखते रहना, आंखें ऊपर कर लेना, झटके आना, स्कूल में बच्चे जवाब नहीं देते हैं, सिर्फ सुनते रहते हैं, कई बार ये भी एपिलेप्सी के लक्षण है।

बच्चों को मिर्गी के दवाइयों के कुछ साइड इफेक्ट्स होते है। लेकिन वे सभी मरीज में नहीं देखे जाते। आमतौर पर नींद ज्यादा आती है, जो समय के साथ ठीक हो जाती है। यदि बच्चे की स्किन पर लाल निशान, मुंह में छाले, पीलिया, बेहोश होना, स्वभाव में बदलाव, बुद्धि के विकास में कमी, उल्टी या संतुलन में तकलीफ होती है, तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

70 प्रतिशत बच्चे दवाई का कोर्स पूरा करने के बाद ठीक रहते हैं। यदि बच्चे को दिमागी तकलीफ हो, फैमिली हिस्ट्री में मिर्गी हो, ई.ई.जी या दिमाग का स्केन असामान्य हो या कुछ मुश्किल प्रकार की मिर्गी हो तो दौरे फिर से आने की संभावना होती है। सामान्यतः दवा बंद करने के शुरुआती 6 महीनों में दौरे फिर से आने की संभावना होती है।

चलिए अब मिर्गी से जुड़े कुछ मिथ की सच्चाई भी बता देते हैं-

मिथ नंबर 1: जिन लोगों को मिर्गी का दौरा पड़ता है, वो एक तरह से पागल होते हैं। जबकि सच्चाई ऐसा नहीं है। मिर्गी के मरीज पागल नहीं होते हैं। यह न्यूरो से जुड़ी बीमारी होती है। जिसका सही इलाज मिलने पर मरीज नॉर्मल लाइफ जी सकते हैं।

मिथ नंबर 2: मिर्गी ठीक होने वाली बीमारी नहीं है, इसलिए जिस लड़की को मिर्गी आए, उससे शादी नहीं करनी चाहिए। जबकि

सच्चाई ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मिर्गी का इलाज संभव है और ये ठीक होने वाली बीमारी है।

मिथ नंबर 3: मिर्गी का मरीज ठीक हो भी जाए, तब भी कई तरह दिक्कतें आती रहती हैं। बिल्कुल नहीं। मिर्गी का मरीज नॉर्मल लाइफ जी सकता है। बस उसे ड्राइविंग, स्विमिंग या एडवेंचर स्पोर्ट्स जैसी कुछ चीजों से परहेज करना पड़ेगा।

मिथ नंबर 4: जब किसी को मिर्गी का दौरा पड़े, तो मरीज को जोर से पकड़ लेना चाहिए। सच्चाई यह है कि मरीज को कभी भी दबाना नहीं चाहिए। बल्कि उसके आसपास से कोई भी खतरनाक सामान को हटा दें। उसके मुंह को सीधा रखें, कपड़े ढीले कर दें, अगर चश्मा पहना है, तो उसे हटा दें।

उसमें मुंह में कुछ भी डालने की कोशिश न करें। जल्द से जल्द अस्पताल ले जाएं।

मिथ नंबर-5: जिन लड़कियों या महिलाओं को मिर्गी का दौरा पड़ता है, वो कभी मां बन सकती हैं।

सच्चाई: बिल्कुल, बन सकती हैं, लेकिन प्रेग्नेंसी के पहले मिर्गी को कंट्रोल कर लिया जाए, तो प्रेग्नेंसी में किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। प्रेग्नेंसी के सालभर पहले से ही सही दवाइयां शुरू कर देने से बच्चे पर भी बुरा असर नहीं पड़ता है। आज ऐसी दवाएं उपलब्ध है, जिनसे गर्भ के समय मां और बच्चे को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचता है।

चलते-चलते

अब आप सोच रहे होंगे कि मिर्गी की जागरूकता फैलाने वाले दिन का नाम पर्पल डे क्यों रखा गया...? कैसिडी मेगन कैनेडा से हैं। उन्हें भी मिर्गी के दौरे पड़ते थे। जब वे 9 साल के थे तब उन्होंने मिर्गी से जुड़े अपने संघर्षों से प्रेरित होकर वर्ष 2008 में 'पर्पल डे' मनाने के बारे में सोचा। मेगन चाहते थे कि एक दिन उनके जैसे लोगों के नाम पर रहे और उस दिन वे मिर्गी से जुड़े मिथकों को दूर कर लोगों को इसका सामना करना सिखाएं। 26 मार्च 2008 को पहली बार बैगनी दिवस यानी पर्पल डे आयोजित किया गया। इस दिन लोगों को बैगनी रंग का कपड़ा पहनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

मेगन ने अपनी इस सोच को दुनिया के हर हिस्से तक पहुंचाने के लिए 2008 में नोवा स्कोटिया के एपिलेप्सी एसोसिएशन के सामने प्रस्ताव रखा। उनके विचार को स्वीकारा गया और 26 मार्च एपिलेप्सी कैंपेन के लिए 'पर्पल डे' के नाम से जाना जाने लगा।

अमरजीत भगत की मौजूदगी में 'आरक्षण वापस दो' के नारे

कवासी लखमा फिर बोले- आदिवासी हिंदू नहीं, अलग धर्म कोड के लिए दिल्ली कूच करेंगे

रायपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर के शहीद स्मारक भवन में अनुसूचित जनजाति सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें अमरजीत भगत मंच पर बोलने पहुंचे तो आरक्षण मुद्दे पर उनके द्वारा की गई टिप्पणी से कुछ लोग नाराज हो गए। मंत्री के भाषण के बीच खड़े होकर विरोध जताते हुए लोगों ने जमकर हंगामा किया।

दरअसल ये पूरा आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग का था और इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से आदिवासी समाज के लोगों को बुलाया गया था। इधर एक बार फिर कवासी लखमा ने कहा कि, आदिवासी हिन्दू नहीं है। इसलिए अलग धर्म कोड की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ के आदिवासी दिल्ली कूच करेंगे।

दरअसल मंच पर अमरजीत भगत भाषण दे रहे थे। इस बीच आरक्षण को लेकर उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाना शुरू कर दिया। तो वहां भाषण के बीच विरोध कर रहे लोगों ने आरक्षण वापस दो के नारे लगाए।

आदिवासी समाज के विधायकों को भी जमकर कोसा। मौजूद भीड़ से किसी ने कहा कि, हमारे 29 विधायकों में कोई भी आरक्षण के लिए कुछ नहीं कर पाया।

विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे लोगों को अमरजीत भगत ने बैठने की हिदायत दी। लेकिन उनका हंगामा लगातार जारी रहा। मंत्री अमरजीत भगत ने भी हंगामें के बीच अपना भाषण जारी रखा।

इधर हंगामे के बीच मंत्री के सुरक्षाकर्मी विरोध कर रहे लोगों को शांत कराने पहुंचे थे। लेकिन उन्हें भी लोगों की नाराजगी झेलनी पड़ी। इस बीच मंत्री अमरजीत भगत अपना भाषण देकर निकल गए।

अपने भाषण में क्या बोले थे, अमरजीत भगत ?

आदिवासियों को 32 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलने पर बीजेपी को जिम्मेदार ठहराते रहे। उन्होंने कहा कि, आरक्षण को अगर किसी ने रोकने की कोशिश की है, तो वो भारतीय जनता पार्टी और उनके दलाल हैं।

अमरजीत भगत ने कहा, पहले बीजेपी आरक्षण को लेकर सड़क में रैली निकालती थी। कांग्रेस भवन का, विधायकों के निवास का घेराव करती थी लेकिन जैसे ही विधानसभा में आरक्षण बिल पास हुआ, इनके मुंह में ताला क्यों लग गया?

बीजेपी के एक भी नेताओं ने रैली क्यों नहीं निकाली। राज्यपाल से मिलने क्यों नहीं गए। आरक्षण को लेकर सामूहिक प्रयास किया जा रहा है।

आदिवासियों की नाराजगी पर कवासी लखमा की सफाई

इस पूरे घटनाक्रम पर जब आबकारी मंत्री कवासी लखमा से सवाल किया गया तो उन्होंने किसी भी तरह के विरोध से साफ इनकार कर दिया। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि, जब चार बर्तन एक साथ होते हैं तो उनमें टकराहट होती है। ऐसा ही समाज के इस कार्यक्रम में भी हुआ लेकिन विरोध जैसी कोई बात नहीं है। कवासी लखमा ने कहा, जिस तरह से जैन धर्म को अलग कोड दिया गया है। उसी तरह आदिवासी भी अपने लिए अलग धर्म कोड की मांग कर रहे हैं। आदिवासी हिन्दू नहीं है। यहां के मूल निवासी आदिवासी हैं। जंगल और पहाड़ की रक्षा करने वाले आदिवासी हैं। इसलिए 20 अप्रैल के आसपास प्रदेशभर से आदिवासी दिल्ली जाकर राष्ट्रपति से अलग धर्म कोड की गुहार लगाएंगे।

अलग धर्म कोड की मांग को लेकर दिल्ली कूच करेंगे आदिवासी

आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ के आदिवासी दिल्ली कूच करेंगे। और राष्ट्रपति से मिलकर आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग रखेंगे। रायपुर के शहीद स्मारक भवन में आयोजित अनुसूचित जनजाति सम्मेलन में यह फैसला लिया गया है।

भ्रष्टाचार के कुए: खलारी की चुरी पंचायत में 300 मीटर दायरे में खोद डाले 38 कुएं और 6 तालाब

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार की तस्वीर देखनी हो तो रांची जिले के खलारी प्रखंड के चुरी पंचायत आइए। होयर गांव से आगे सफी नदी से सटे जंगली इलाके में जैसे ही आगे बढ़ेंगे, भ्रष्टाचार की तस्वीर दिखने लगेगी। कुछ दूरी पर ही एक अर्द्धनिर्मित कुआं है, जिस पर लगा बोर्ड बताता है कि इसका निर्माण महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत कराया गया है।

यह कुआं सोनमती देवी की जमीन पर वर्ष 2020-21 में 3.81 लाख रुपए की लागत से खोदा गया था। कुएं के अंदर हरे रंग के जमे पानी को देखकर अंदाजा लग सकता है कि इसका आज तक इस्तेमाल नहीं हुआ। चंद कदम आगे बढ़ने पर एक और कुआं है, जो सुषमा कुमारी के नाम पर स्वीकृत है। कुएं में जंगल-झाड़ी उगे हैं, यानी पानी का इस्तेमाल नहीं होता। इसकी लागत भी 4.47 लाख दर्ज है। इससे जैसे ही आगे बढ़ेंगे, कुएं की कतार दिखेगी। करीब 300 मीटर दायरे में 38 कुएं हैं। ये सभी योजनाएं 2020-21 और 2021-22 की है। आसपास छह तालाब भी हैं, जो आधे-अधूरे खोदे गए हैं।

वन भूमि और गैर मजरुआ

जमीन पर खोदे गए तालाब ऐसी जगहों पर हैं, जहां पानी जमा हो ही नहीं सकता। इसे देखकर कहा जा सकता है कि यहां भ्रष्टाचार का कुआं-तालाब खोदकर छोड़ दिया गया है। एक कुएं पर 3.50 लाख से 4.70 लाख रुपए तो तालाब पर करीब पांच लाख रुपए खर्च किए गए हैं। ऐसे में महज 300 मीटर दायरे में कुआं-तालाब खोदने पर करीब दो करोड़ खर्च हो चुके हैं, जिसका कोई उपयोग नहीं है।

सभी पंचायतों में कुओं की कतार, जंगल में खोद दिए तालाब

ग्रामीणों ने बताया कि यहां मनरेगा के पैसों की बंदरबांट होती है। चुरी ही नहीं, लगभग सभी पंचायतों में यही हाल है। होयर गांव से आगे जंगल है। वहां भी एक लाइन से दर्जनों कुएं और तालाब खोद दिए गए हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक लाभुक, पंचायत के लोग और प्रखंड के अधिकारियों की मिलीभगत से कुआं-तालाब बनाने के नाम पर पैसों की बंदरबांट होती है। शिकायत करने पर कोई सुनने वाला नहीं है। प्रशासन सिंचाई के लिए कुआं खोदने का तर्क देता है, लेकिन ऐसे जगह कुएं खोदे गए हैं, जहां सिंचाई ही नहीं होती। कुछ खेत हैं, जो मानसून की बारिश पर निर्भर है।

जांच हो तो खूंटी से बड़ा मनरेगा घोटाला सामने आएगा

ये सभी योजनाएं वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 की हैं। कोरोना संक्रमण की वजह से लोग घर से बाहर नहीं निकल रहे थे। उसी दौरान प्रशासन ने कुएं और तालाब की खुदाई कराई। इससे जंगली क्षेत्रों में पहले से बनाए गए सैकड़ों डोभा खत्म हो गए।

पहले डोभा के नाम पर करोड़ों का खेल हुआ, फिर कुएं-तालाब के नाम पर। ग्रामीणों का कहना है कि खलारी प्रखंड में मनरेगा के तहत कुआं-तालाब खुदाई और सड़क निर्माण योजनाओं की जांच कराई जो तो यहां खूंटी और चतरा में हुए मनरेगा घोटाले से भी बड़ा घोटाला सामने आएगा।

ऐसा नहीं हो सकता, गड़बड़ी हुई है तो इसकी जांच कराएंगे

खलारी में करीब 300 मीटर क्षेत्र में दर्जनों कुआं-तालाब क्यों खोदे गए? -कुआं-तालाब लाभुक की जमीन पर खोदे जाते हैं। जिनकी जमीन आसपास होगी, वहां योजना दी गई होगी। वन क्षेत्र, सरकारी भूमि या निजी भूमि पर भी दर्जनों कुएं-तालाब खोदे जा सकते हैं? -ऐसा नहीं हो सकता। योजना पंचायत द्वारा स्वीकृत होती है। अंचल से जमीन का सत्यापन कराकर रिपोर्ट मांगी जाती है। ऐसा है तो लोकेशन भेजिए, जांच कराएंगे।

तालाब में पानी नहीं और कुएं का इस्तेमाल नहीं, तो करोड़ों खर्च क्यों ?

-योजना स्वीकृत होती है तो क्रियान्वयन में पैसे लगेंगे ही। कहीं गड़बड़ी हुई है तो उसकी जांच कराकर कार्रवाई करेंगे।

हकीकत परखेगा राजभवन: राज्यपाल ने सचिवों से मांगी रिपोर्ट

पूछा-कितने लोगों को मिला पेयजल और आवास

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन राज्य सरकार की योजनाओं की हकीकत परखेंगे। राजभवन ने राज्य में चल रही पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य और आवासीय योजनाओं जानकारी मांगी है। राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी की ओर से आधा दर्जन विभागों के सचिवों को पत्र लिखकर योजनाओं से संबंधित रिपोर्ट राजभवन को भेजने को कहा है। पूछा गया है कि कितने बेघरों को घर मिला। कितने घरों में पेयजल पहुंचा गया है। कैंसर पीड़ितों के इलाज की क्या व्यवस्था है। रिपोर्ट मिलने के बाद राज्यपाल समीक्षा भी कर सकते हैं।

1 आवास: बताएं कितने परिवारों को मिला घर, कितने वेटिंग में

राज्यपाल के प्रधान सचिव की ओर से ग्रामीण विकास और नगर विकास सचिव को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि जिलावार और शहरी निकायवार गृह विहीन परिवार, आवास उपलब्ध कराए गए परिवारों की संख्या, वर्तमान की वेटिंग लिस्ट दें। साथ ही,

आवास उपलब्ध कराने की कार्य योजना की जानकारी दी जाए।

2 सिंचाई : जिलेवार सिंचित भूमि की जानकारी दें

राज्यपाल ने लघु एवं मध्यम सिंचाई योजनाओं की स्थिति और सिंचित क्षेत्र का रिकॉर्ड मांगा है। राज्य के महत्वपूर्ण जलाशयों में अभी कितना जलसंग्रह है यह भी बताने को कहा है। सचिव को प्रमुख सिंचाई योजनाओं की स्थिति और सिंचित कृषि भूमि की विवरणी उपलब्ध कराने को कहा गया है।

3 जलापूर्ति : कितने गांवों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध दिया जा रहा

राज्यपाल ने जानना चाहा है कि राज्य में शहरी एवं ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की स्थिति क्या है। सभी नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए चलाई जा रही योजनाओं की विवरण मांगा गया है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की विवरणी भी मांगी गई है। ऐसे गांव जहां पाइपलाइन से शुद्ध पेयजल और जहां चापाकल या बोरवेल के माध्यम से पानी दिया जा रहा है, इसकी जानकारी देने को कहा गया है। इसके अलावा स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अन्तर्गत निर्मित शौचालय व उपयोग की भी जानकारी देने को कहा गया है।

4 स्वास्थ्य : कैंसर मरीजों के इलाज की व्यवस्था बताएं

राज्यपाल ने राज्य में आयुष्मान भारत योजना से संबंधित संपूर्ण विवरणी मांगी है। जिलावार टीबी मरीजों व उनके इलाज की व्यवस्था की जानकारी देने को कहा है। जिलावार कैंसर की मरीजों की संख्या और उनके उपचार हेतु उपलब्ध संसाधनों की विवरणी मांगी है। कुपोषित बच्चों की संख्या व कुपोषण के उन्मूलन के कार्यों की रिपोर्ट मांगी गई है।

बेकाबू डंपर ने 6 बच्चियों को कुचला

2 की मौत, 2 की हालत गंभीर; नहाने के लिए तालाब जाने निकली थीं लड़कियां

सारंगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में रविवार सुबह 6.30 बजे तेज रफ्तार डंपर ने 6 बच्चियों को कुचल दिया। हादसे में 2 बच्चियों की मौत हो गई। जबकि 2 बच्चों की हालत गंभीर है। बाकी की 2 लड़कियों की हालात समान्य है। डंपर सरायपाली मार्ग की ओर से आ रहा था। जानकारी के मुताबिक, सारंगढ़ के ग्राम बटाऊपाली गांव में 6 बच्चियां अपने परिवार के साथ पारिवारिक कार्यक्रम में आई हुई थीं। रविवार सुबह सभी पास के तालाब में नहाने के लिए निकली थीं। वे नेशनल हाईवे रोड के किनारे पैदल तालाब के लिए जा रही थीं, तभी दानसरा से सालर के बीच बटाऊपाली में बेकाबू डंपर ने सभी बच्चियों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में चीख-पुकार मच गई। घायल सभी बच्चियों को सारंगढ़ स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां 2 लड़कियों को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल 2 बच्चियों को प्राथमिक इलाज के बाद रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बाकी की 2 बच्चियों की हालत खतरे से बाहर है। मृत बच्चियों के नाम कविता सिदार (10 वर्ष) और अंजू सिदार (16 वर्ष) हैं।

गंगोत्री में बर्फबारी

धाम से लगी पहाड़ियों ने ओढ़ी बर्फ की सफेद चादर

उत्तरकाशी 26 मार्च (एजेंसियां)। गंगोत्री धाम में बीते रात से हल्की बर्फबारी हो रही है। बर्फबारी के चलते जहां धाम से लगी पहाड़ियों ने सफेद चादर ओढ़ ली है। वहीं तापमान में गिरावट से धाम में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। तीर्थपुरोहित माधव सेमवाल, मंदिर समिति कर्मचारी प्रेम बहादुर ने बताया कि बर्फबारी से तापमान काफी गिर गया है, जिसके चलते कडाक़े की सर्दी महसूस हो रही है। दूसरी ओर गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग धरासू के पास मलबा व पत्थर आने से अवरुद्ध कुछ देर बंद रहा।

मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ों में रविवार को भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। अधिकांश पर्वतीय क्षेत्रों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि बारिश के साथ ही ओलावृष्टि की संभावना भी है। 3200 मीटर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है। जबकि, मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहने और तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। वहीं, देहरादून, मसूरी, विकासनगर सहित कई मैदानी इलाकों में बारिश हुई। मौसम के बिगड़े मिजाज के चलते गंगोत्री हाईवे पर 16 घंटे आवाजाही बंद रही। हालांकि छोटे वाहनों को कल्याणी धरासू फेड़ी मार्ग से डायवर्ट किया गया था लेकिन बड़े वाहनों की आवाजाही थमने से हाईवे के दोनों ओर वाहनों की करीब 12 किमी लंबी लाइन लगी रही। गंगोत्री हाईवे पर धरासू में हाईवे चौड़ीकरण के दौरान पहाड़ी से भारी मलबा व बोल्डर गिर गया था। शनिवार को प्रशासन की ओर से छोटे वाहनों को कल्याणी फेडी धरासू तराकोट मार्ग से भेजा गया लेकिन बड़े वाहनों की आवाजाही संभव नहीं हो पाई। इसके चलते हाईवे के दोनों तरफ बड़े वाहनों की लाइन लगी रही। यहां करीब दोनों ओर 12 किमी तक वाहनों की कतार लगी रही। चौड़ीकरण काम में लगी एजेंसी ने सुबह करीब साढ़े आठ बजे बाद हाईवे से मलबा व बोल्डर हटाने का काम शुरू किया। बीआरओ ने दोपहर बाद दो बजे तक आवाजाही बहाल करने की संभावना जताई थी लेकिन भारी मात्रा में मलबा व बोल्डर आने से शनिवार अपराह्न 3:15 बजे बाद ही आवाजाही बहाल हो पाई।

ट्यूनीशिया में भूमध्य सागर को पार कर इटली जा रही बोट डूबी, 19 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत

ट्यूनीशिया, 26 मार्च (एजेंसियां)। अफ्रीका महाद्वीप के उत्तरी देश ट्यूनीशिया के पास एक बोट समुद्र में डूब गई। इस हादसे में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई। बोट में सवार सभी लोग प्रवासी बताए जा रहे हैं। यह नौका-हादसा भूमध्यसागर पार कर इटली जाते समय हुआ। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे के बाद वहां बचाव-कार्य शुरू किया गया। हालांकि, अभी किसी के जिंदा बचने की खबर नहीं आई है। घटना का पता तब लगा, जब एक मानवाधिकार समूह ने रविवार को ट्यूनीशिया के पास बोट डूबने की सूचना दी। बताया जा रहा है कि उस बोट के डूबने से उप-सहारा

अफ्रीका के कम से कम 19 प्रवासियों की मौत हो गई है।

इस इलाके में ऐसी कई घनाएं हो चुकीं

हफ्तेभर में, इटली की ओर जाने वाली नौकाओं के साथ हादसे की कई घटना सामने आई हैं। यहां प्रवासियों को ले जाने वाली 5 नौकाएं दक्षिणी शहर सफैक्स के करीब डूब चुकी हैं, जहां 67 लोग लापता और नौ लोग मृत घोषित किए गए।

इस साल इटली पहुंचे इतने प्रवासी

यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्यूनीशिया से इटली जाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस साल इटली पहुंचने वाले कम से कम 12 हजार प्रवासी ट्यूनीशिया छोड़ चुके है। इसकी वजह आपराधिक घटनाओं को माना जा रहा है। पिछले महीने, ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति कैस सैयद ने देश में रहने वाले उप-सहारा अफ्रीकी प्रवासियों पर अपराध बढ़ाने का आरोप लगाया था।

अमेरिका में टॉरनेडो से 26 लोगों की मौत

गोल्फ बॉल जितने बड़े ओले पड़े, रात फिर तूफान आने की आशंका

मिसिसिपी, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के मिसिसिपी में देर रात आए टॉरनेडो की चपेट में आने से 26 लोगों की मौत हो गई। इलाके में तेज बारिश के बीच गोल्फ बॉल जितने बड़े ओले गिरे। हजारों लोगों के घरों की बिजली चली गई। शनिवार को इमरजेंसी सर्विसेज ने मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया। हालांकि, टॉरनेडो से तबाह हुई इमारतों में अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अधिकारियों से बात करके जल्द से जल्द मदद पहुंचाने के आदेश दिए। इमरजेंसी सर्विसेज ने बताया है कि खतरनाक तूफान के चलते दर्जनों लोग घायल हुए हैं और कई लोग लापता हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। उधर, आज यानी रविवार रात को यहां फिर तूफान आने की आशंका है, जिससे करीब 20 लाख लोग खतरे में हैं।

30 हजार फीट तक उड़ा मलबा

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक टॉरनेडो की रफ्तार इतनी तेज थी कि इसकी वजह से मची तबाही में फैला मलबा 30 हजार फीट ऊपर तक उड़ा। टॉरनेडो जमीन पर करीब 1 घंटे तक रहा। मिसिसिपी के मेयर टेट रिव्ज ने बताया कि प्रभावित इलाके मे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सबसे ज्यादा तबाही मिसिसिपी के रोलिंग फॉर्क कस्बे में मची है। यहां रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि टोरनोडे की रफ्तार इतनी तेज थी कि इससे घर की सारी खिड़कियां टूट गई। आधे से ज्यादा कस्बा पूरी तरह से तबाह हो चुका है।

लोगों को 2011 के खतरनाक तूफान की याद दिलाई

अमेरिका की इमेरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बताया कि तूफान ने 160 किलोमीटर के इलाके में ज्यादा तबाही मचाई है। टॉरनेडो आने से पहले ही कई लोगों ने अपने परिवार को अमेरिका के दूसरे राज्यों में रिश्तेदारों के घर भेज दिया था। इमेरजेंसी सर्विसेज ने भी कई लोगों को इलाके से बाहर निकाला था। वहीं, शुक्रवार को आए टॉरनेडो ने लोगों को 2011 के तूफान की याद दिलाई जिसमें 161 लोगों की मौत हो गई थी।

बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस

पुतिन बोले- अमेरिका के न्यूक्लियर वेपन कई देशों में मौजूद, अब हम भी यही कर रहे

मॉस्को, 26 मार्च (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा ऐलान किया है। पुतिन ने कहा कि वो बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन तैनात करेंगे। पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच पुतिन ने नाटो को यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने को लेकर वॉर्निंग दी। पुतिन ने कहा- मेरा ये फैसला न्यूक्लियर ट्रीटी का उल्लंघन नहीं करता है। अमेरिका ने भी की देशों में अपने न्यूक्लियर वेपन तैनात कर रखे हैं और हम भी अब ऐसा ही करेंगे। वहीं अमेरिका ने पुतिन के इस फैसले पर कहा कि फिलहाल इसके कोई संकेत नहीं हैं कि रूस परमाणु हथियार का इस्तेमाल करेगा। अमेरिका के एक सीनियर अधिकारी ने कहा- हमें परमाणु हथियार से जुड़ी अपने रणनीति को बदलने का कोई कारण नहीं दिख रहा है। रूस के न्यूक्लियर वेपन इस्तेमाल की भी कोई आशंका नहीं है। हम एक साथ मिलकर नाटो

देशों की रक्षा के लिए खड़े रहेंगे।

रूस ने बेलारूस में तैनात किया इस्कंदर मिसाइल सिस्टम

पुतिन ने कहा- बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने के लिए रूस यहां एक स्पेशल स्टोरेज फैलिसिटी बना रहा है। ये काम जुलाई की शुरुआत तक पूरा होगा। हम पहले ही बेलारूस में कई इस्कंदर मिसाइल सिस्टम भेज चुके हैं, जिसमें न्यूक्लियर वॉरहेड लगाए जा सकते हैं। हम बेलारूस को इन हथियारों का कंट्रोल नहीं देंगे। ये सिर्फ वहां तैनात रहेंगे। हमने बेलारूस के 10 एयरक्राफ्ट को टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन ले जाने के लिए सक्षम बना दिया है। अब अगले महीने से हम पायलट की ट्रेनिंग शुरू करेंगे।

पुतिन ने कहा- अमेरिका-ब्रिटेन का रवैया देख लिया फैसला

यूक्रेन को हथियार भेज रहे अमेरिका और ब्रिटेन की निंदा करते हुए पुतिन ने कहा- ब्रिटेन जो बारूद-गोले भेज रहा है उसमें यूरेनियम मौजूद है। इससे पहले उन्होंने मार्च में यूक्रेन को चैलेंजर-2 बैटल टैंक देने की घोषणा की थी। पश्चिम और युरोपीय देश लगातार गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार कर रहे हैं। उनके इन्हीं फैसलों के चलते मैंने ये कदम उठाया है।

1990 के बाद अब दूसरे देश में परमाणु हथियार भेज रहा रूस

1990 के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है जब रूस किसी और देश में अपने परमाणु हथियार तैनात करेगा। पुतिन के इस फैसले पर बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा- हमने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम और इस्कंदर मिसाइल सिस्टम तैनात कर दिए हैं। ये रूस ने करीब 6 महीने पहले बेलारूस को सौंपा था।

क्या होता है टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन

टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन वो हथियार होते हैं जो खास जगहों पर वार करने में सक्षम होते हैं। इनमें कई शहरों को एक साथ उड़ाने की ताकत नहीं होती है। टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन में कम रेंज की मिसाइल, आर्टिलरी शेल्स, जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल और न्यूक्लियर वॉरहेड वाले टॉरपीडो जैसे कई हथियार शामिल होते हैं। हालांकि, अभी इसकी कोई जानकारी नहीं है कि रूस बेलारूस में ऐसे कितने हथियार तैनात करेगा।

अमेरिका के कई देशों में परमाणु हथियार मौजूद

अमेरिका ने ब्रिटेन, बेल्जियम, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, तुर्किये जैसे कई यूरोपीय देशों में अपने परमाणु हथियार तैनात कर रखे हैं। 2021 में सुरक्षा प्रस्तावों को पेश करते हुए रूस ने अमेरिका से अपने परमाणु हथियार वापस ले जाने की बात कही थी। हालांकि, यूएस और नाटो से इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

मुरैना के मिशनरीज स्कूल के प्रिंसिपल आवास में मिलीं शराब की बोतलें

मुरैना 26 मार्च (एजेंसियां)। मुरैना शहर के सबसे महंगे और जाने माने सेंट मैरी स्कूल का बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम जब प्राचार्य (फादर) के कक्ष में पहुंची तो सबकी आंखे फटी रह गईं। प्राचार्य के कक्ष में न सिर्फ अंग्रेजी शराब की भरी और खाली बोतलें मिलीं, बल्कि कंडोम सहित आपत्तिजनक सामग्री भी मिली। यही नहीं स्कूल की लाइब्रेरी से बड़ी मात्रा में धर्म विशेष के प्रचार की सामग्री भी बरामद हुई है। राज्य बाल अधिकार सरंक्षण आयोग की सदस्य की सिफारिश पर कलेक्टर ने स्कूल को सीज करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, राज्य बाल अधिकार सरंक्षण आयोग की सदस्य डॉ निवेदिता शर्मा मुरैना पहुंचीं। मुरैना पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी को जानकारी दी। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी के साथ नेशनल हाइवे-44 पर एसपी ऑफिस के पास सेंट मैरी स्कूल में पहुंची। यहां पर उन्होंने स्कूल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वे स्कूल की लाइब्रेरी में पहुंची, तो उनको बड़ी मात्रा में धर्म विशेष के प्रचार की सामग्री मिली। राज्य बाल अधिकार सरंक्षण की सदस्य ने देखा कि लाइब्रेरी से ही प्राचार्य का आवासीय कमरा है। वे प्राचार्य के आवासीय कमरे में पहुंचीं तो उनकी आंखे फटी रह गईं। प्राचार्य के आवासीय कक्ष में अंग्रेजी शराब की भरी और खाली बोतलों के साथ आपत्तिजनक सामग्री मिली। कमरे में शराब की बोतलें मिलने पर राज्य बाल अधिकार सरंक्षण आयोग की सदस्य ने आबकारी विभाग को खबर दी। आबकारी विभाग ने प्राचार्य के खिलाफ मामला दर्जकर लिया है। टीम ने सभी सामग्री जप्त करते हुए जिला कलेक्टर कलेक्टर अंकित अष्ठाना से स्कूल को सीज करने की सिफारिश की। राज्य बाल अधिकार सरंक्षण आयोग की सदस्य की सिफारिश पर कलेक्टर ने तत्काल स्कूल को सीज करने के निर्देश दिए हैं। राज्य बाल सरंक्षण आयोग की सदस्य डॉ निवेदिता शर्मा का कहना है, निरीक्षण के दौरान प्राचार्य के आवासीय कक्ष से शराब की बोतलों के साथ कंडोम सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिली है।

पाक में युवक को मौत की सजा, व्हाट्सएप ग्रुप पर शेयर किया था ईशनिंदा कंटेंट

इस्लामाबाद26 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक मुस्लिम व्यक्ति को व्हाट्सएप ग्रुप पर ईशनिंदा कंटेंट शेयर करने के लिए मौत की सजा दी गई है। उसे पेशावर की एक अदालत ने इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम और आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत दोषी ठहराया। सैयद मुहम्मद जीशान के रूप में पहचाने जाने वाले दोषी को पाकिस्तान में ईशनिंदा के बेहद संवेदनशील मुद्दे पर अदालत के फैसले के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। अदालत के आदेश में कहा गया है, हिरासत में सैयद ज़काउल्लाह के बेटे सैयद मुहम्मद जीशान को दोषी ठहराया गया है और दोषी पाए जाने के बाद सजा सुनाई गई है। इसकी एक प्रति न्यूज एजेंसी द्वारा प्राप्त की गई थी। उत्तर-पश्चिम शहर मर्दन के निवासी जीशान पर 1,2 मिलियन रुपये (4,300) का जुर्माना भी लगाया गया और कुल 23 साल की कैद की सजा दी गई। उनके वकील ने एजेंसी को बताया कि पंजाब प्रांत के तालागंग के निवासी मुहम्मद सईद ने दो साल पहले संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के साथ एक आवेदन दायर किया था, जिसमें जीशान पर एक व्हाट्सएप ग्रुप पर ईशनिंदा कंटेंट पोस्ट करने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा एफआईए ने जीशान के सेल फोन को जब्त कर लिया था और इसकी फोरेंसिक जांच ने उसे दोषी साबित कर दिया। राष्ट्रीय न्याय और शांति आयोग के अनुसार, पाकिस्तान में एक मानवाधिकार और कानूनी सहायता समूह, पिछले 20 वर्षों में 774 मुसलमानों और विभिन्न अल्पसंख्यक धार्मिक समूहों के 760 सदस्यों पर ईशनिंदा का आरोप लगाया गया है।

'पंजाब के हालात पर हमारी नजर'

कनाडा की विदेश मंत्री ने दिया बयान, भारत ने दी सख्त प्रतिक्रिया

टोरंटो 26 मार्च (एजेंसियां)। कनाडा की विदेश मंत्री मेलिनी जॉली ने वहां की संसद में अपने एक बयान में कहा कि कनाडा पंजाब के हालात पर करीब से नजर रख रहा है और कनाडा में रह रहे समुदाय को इसके बारे में जानकारी देता रहेगा। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय ने विदेशी नेताओं के पंजाब को लेकर दिए बयान पर कहा है कि गलत और भ्रामक जानकारी पर विश्वास ना करें। बता दें कि पंजाब पुलिस ने वारिस पंजाब दे संगठन के कट्टरपंथी नेता अमृतपाल सिंह के कई सहयोगियों को गिरफ्तार किया है और फरार अमृतपाल की तलाश की जा रही है।

कनाडा की विदेश मंत्री ने दिया पंजाब पर बयान

कनाडा की संसद में भारतीय मूल के सांसद इकविंदर एस गहीर के सवाल के जवाब में कनाडा की विदेश मंत्री मेलिनी जॉली ने कहा कि 'हम पंजाब में बदलते हालात के बारे में जानते हैं और हम करीब से इस पूरे मामले पर नजर रखे हुए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि वहां जल्द ही हालात सामान्य और स्थिर हो जाएंगे।' जॉली ने कहा कि कनाडा के नागरिक हमेशा सरकार पर भरोसा कर सकते हैं और हम उनकी चिंताओं को दूर करने का प्रयास लगातार करते रहेंगे। सांसद गहीर ने पंजाब में इंटरनेट सेवाओं के बंद होने का भी मुद्दा उठाया और विदेश मंत्री से इसे लेकर सदन को जानकारी देने की मांग की।

कनाडा के प्रधानमंत्री ने कही थी ये बात

बीते बुधवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने सदन को बताया कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही पंजाब में हालात सामान्य हो जाएंगे। बता दें कि कनाडा में हाल के समय में हिंदू विरोधी घटनाएं भी बढ़ी हैं। खालिस्तान समर्थकों द्वारा बीते दिनों कई हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया गया। इसे लेकर भारतीय दूतावास ने कनाडा की सरकार से शिकायत भी की थी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की थी।

विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

वहीं विदेशी नेताओं और सांसदों द्वारा अमृतपाल मामले पर दिए जा रहे बयानों पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने विदेश में रह रहे लोगों से अपील की कि वह गलत और भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास ना करें, यह सोशल मीडिया पर कुछ तत्वों द्वारा फैलायी जा रही हैं। प्रशासन एक भगोड़े को पकड़ने की कोशिश कर रहा है और इससे संबंधित सभी सूचनाएं समय समय पर संबंधित प्रशासन द्वारा साझा की जा रही हैं।

देश की जनता मर रही है भूखी

बेटी को 2 लाख की विदेशी जैकेट पहनाता है तानाशाह किम जोंग

सियोल 26 मार्च (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और उनकी बेटी की एक तस्वीर वायरल हो रही है। इस तस्वीर में किम जोंग की बेटी 2 लाख की जैकेट पहने हुए नजर आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जोंग अपनी बेटी के साथ इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल लॉन्च को देखने के लिए पहुंचे थे। बता दें मखमकली हुड वाली ये काले रंग की जैकेट पूरी तरह से वाटरप्रूफ है। फ्लेयर्ड क्रिश्चियन डायर के टुकड़े में ये ब्रांडेड जैकेट कैनेज आकृति में दिखाई दे रही है। एक साउथ कोरियाई ब्रॉडकास्टर ने बताया कि ये जैकेट फ्रांसीसी लक्जरी फैशन से ली गई थी। बता दें कोरोना महामारी के बाद से उत्तर कोरिया में एक बड़ा खाद्य संकट पैदा हो गया है। वहां के लोग खाने की समस्या से परेशान है।हालांकि वहां के एक्सपर्ट के अनुसार देश में अकाल की स्थिति नहीं है। इस बीच किम जोंग की बेटी के महंगे जैकेट ने किम जोंग पर कई सवालिया निशान उठा दिए है। एक रिपोर्ट जारी कर बताया था कि 16 मार्च को यूनाइटेड नेशंस (यूएन) के बैन के बावूजद संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच मिसाइल दागी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार ये उत्तर कोरिया का तीसरा शक्ति प्रदर्शन था। उस समय दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल जापान के प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा के साथ एक शिखर सम्मेलन के लिए टोक्यो गए हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दक्षिण कोरियाई सांसद था योंग-हो ने पहले ही दावा किया था कि किम जोंग उन बेटी कभी भी उत्तर कोरिया पर शासन नहीं करेगी क्योंकि उसके पिता अपनी शक्ति खो रहे हैं,

वॉशिंगटन में भारतीय दूतावास पर खालिस्तानी हमले की साजिश विफल

राजदूत को धमकाया, कहे अपशब्द

वॉशिंगटन 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास में खालिस्तानी हमले की बड़ी साजिश विफल हो गई है। बता दें कि खालिस्तानी समर्थकों के एक समूह ने भारतीय दूतावास में हिंसा भड़काने की कोशिश की और अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू को अपशब्द भी कहे। हालांकि अमेरिकी पुलिस और खूफिया विभाग की तत्परता से बड़ी घटना होने से टल गई। अलगाववादी सिखों का एक समूह शनिवार को वॉशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के बाहर इकट्ठा हुआ। इस दौरान कई

अलगाववादी नेताओं ने समूह को संबोधित किया और भारत के खिलाफ आग उगली। इस दौरान भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू को अपशब्द कहे गए। हालांकि घटना के वक्त भारतीय राजदूत, दूतावास में मौजूद नहीं थे। इस दौरान कट्टरपंथी लोग भीड़ को दूतावास पर हमले के लिए उकसाते दिखे। घटना को कवर कर रहे पत्रकारों का कहना है कि खालिस्तानी प्रदर्शनकारी अपने साथी लाठी-डंडे भी लाए थे और उन्हें प्रदर्शनकारियों ने नजदीक के एक पार्क में रखा हुआ था। इससे साफ है कि प्रदर्शनकारी भारतीय दूतावास पर हमले और तोड़फोड़ की तैयारी से वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों की कोशिश थी कि सैन फ्रांसिस्को और लंदन की तरह भारतीय दूतावास पर हमला किया जाए और तिरंगे का अपमान किया जाए। हालांकि पुलिस की तत्परता से खालिस्तानी अपने मंसूबे में सफल नहीं हुए। खालिस्तानियों के मंसूबे की भनक अमेरिकी खूफिया एजेंसियों को लग गई। जिसके बाद तुरंत खूफिया विभाग के अधिकारी, भारी संख्या में पुलिस और सुरक्षाबलों के जवान भारतीय दूतावास पहुंच गए और दूतावास को सुरक्षा घेरे में ले लिया। इस दौरान कुछ कट्टरपंथियों ने दूतावास के अंदर दाखिल होने की कोशिश की तो पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें चेतावनी देकर वहां से जाने को कह दिया। जिस तरह से खालिस्तानी भीड़ को उकसा रहे थे, उससे हालात नियंत्रण से बाहर हो सकते थे लेकिन पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

राहुल गांधी का समर्थन कर घिरे अमेरिकी सांसद रो खन्ना

बोले- मेरे दादा की छवि खराब मत करिए

वॉशिंगटन 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना राहुल गांधी का समर्थन कर सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं। बता दें कि रो खन्ना के राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने पर चिंता जाहिर की थी और कहा था कि यह गांधीवादी विचारधारा और भारतीय मूल्यों से धोखा है। इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने रो खन्ना को निशाने पर ले लिया है। बता दें कि रो खन्ना के दादा अमरनाथ विद्यालानकर कांग्रेसी नेता थे और इंदिरा गांधी की सरकार में मंत्री भी रहे। इसे लेकर रो खन्ना को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। एक यूजर ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'ऐसा लगता है कि रो खन्ना भूल गए हैं कि अमरनाथ विद्यालानकर (उनके दादा) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता थे और इंदिरा गांधी सरकार ने जब देश में इमरजेंसी लगाई थी, उस वक्त वह सरकार का हिस्सा थे। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान की गईं ज्यादतियों का विरोध नहीं किया था।' फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'क्या आपके दादा ने इंदिरा गांधी का इमरजेंसी पर समर्थन नहीं किया था? वह हमेशा फासीवादी फैसले के समर्थन में नहीं रहे?' सोशल मीडिया पर घिरने के बाद रो खन्ना ने सफाई देते हुए ट्वीट किया कि 'यह दुखद है कि लोग मेरे दादा की छवि को खराब कर रहे हैं, जिन्होंने लाला लाजपत राय के साथ काम किया। वह 31-32 और 41-45 तक जेल में रहे। इंदिरा गांधी के इमरजेंसी के फैसले का विरोध करते हुए उन्हें दो पत्र लिखे और इस फैसले के तुरंत बाद संसद छोड़ दी थी। मुझ पर हमला कर सकते हैं लेकिन भारत की आजादी के लिए लड़ने वाले नेताओं को निशाना मत बनाइए और तथ्य अहम होते हैं।' बता दें कि साल 2019 के एक मामले में सूरत की अदालत ने राहुल गांधी को मानहानि का दोषी मानते हुए बीते गुरुवार को दो साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद जनप्रतिनिधि कानून के तहत दो साल या दो साल से ज्यादा सजा पाए जनप्रतिनिधियों की संसद सदस्यता रद्द होने का प्रावधान है और राहुल गांधी भी इस कानून के चलते अपनी संसद सदस्यता गंवा बैठे। इस पर रो खन्ना ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होना गांधीवादी दर्शन और भारतीय मूल्यों से धोखा है। मेरे दादा ने इसके लिए सालों जेल में नहीं बिताए थे। रो खन्ना ने प्रधानमंत्री मोदी को टैग करते हुए लिखा कि आपके पास इस फैसले को पलटने की ताकत है और भारतीय लोकतंत्र के लिए ऐसा किया जाना चाहिए।'

डॉक्टरों की हड़ताल को लेकर सीएम एक्शन में

दिल्ली दौरा बीच में छोड़कर लौटे ; हेल्थ मिनिस्टर, चीफ सेक्रेटरी से चर्चा

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में चल रही डॉक्टरों की हड़ताल को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने गंभीरता दिखाई है। गहलोत दिल्ली दौरा बीच में छोड़कर शनिवार शाम को जयपुर पहुंचे। सीएम ने स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा और मुख्य सचिव उषा शर्मा सहित वरिष्ठ अफसरों के साथ बैठक की। सीएम ने मुख्य सचिव को डॉक्टरों के साथ बैठक करने के निर्देश दिए।

डॉक्टरों से की काम पर लौटने की अपील

सीएम अशोक गहलोत ने डॉक्टरों से हड़ताल खम कर काम पर लौटने की अपील की है। सीएम ने कहा कि राइट टू हेल्थ में डॉक्टरों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है। डॉक्टरों की मांगों को भी बिल में रखा गया है। डॉक्टरों का हड़ताल पर जाना उचित नहीं है। पक्ष-विपक्ष ने सर्वसम्मति से यह बिल पास किया है।

शिकंजा कसने की तैयारी

राजस्थान में राइट टू हेल्थ बिल का विरोध कर रहे प्राइवेट डॉक्टरों और हॉस्पिटल्स पर सरकार शिकंजा कसने की तैयारी में है। सरकार ने प्रदेशभर के प्राइवेट हॉस्पिटल्स की डिटेल के साथ सूची मांगी है। इसके लिए सभी सीएमएचओ को लेटर जारी हो चुका है। सरकार को खूब पता है कि तमाम हॉस्पिटल्स नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। कोई आवासीय में हॉस्पिटल चला रहा है तो कोई बायो मेडिकल वेस्ट का ठीक से निस्तारण नहीं कर रहा है।

सरकार को मिलने वाले टैक्स में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी होती है। कई हॉस्पिटल्स तो नक्शे के अनुसार बने ही नहीं हैं। ऐसी बिल्डिंग को या तो सील किया जाएगा या गिरा दिया जाएगा। कुल मिलाकर सरकार इनकी कमियां निकालकर दबाव बनाने के प्रयास में है।

27 मार्च को मेडिकल सर्विस बंद करने का ऐलान

बिल का विरोध अब राज्य के अलावा देशभर में होने जा रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सभी डॉक्टरों से 27 मार्च को मेडिकल सर्विस बंद करने का आह्वान किया है। शनिवार को जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल स्थित जेएमए हॉल में प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों की बैठक हुई। आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शरद अग्रवाल ने आंदोलन को समर्थन देते हुए 27 मार्च को संगठन से जुड़े सभी डॉक्टरों से देशभर में बंद का आह्वान किया है। प्राइवेट हॉस्पिटल एवं नर्सिंग होम

सोसाइटी के सचिव डॉ. विजय कपूर ने बताया कि 27 मार्च को जयपुर में महारैली निकाली जाएगी। प्रदेशभर के डॉक्टर्स इसमें शामिल होंगे।

रैली निकालकर किया प्रदर्शन

बिल के विरोध में शनिवार को भी डॉक्टरों ने जयपुर में जेएलएन मार्ग पर प्रदर्शन कर रैली निकाली। सुबह 11 बजे बड़ी संख्या में डॉक्टरों का समूह एसएमएस स्थित जेएमए सभागार से निकाला और नारेबाजी-प्रदर्शन करते हुए त्रिमूर्ति सर्किल तक पहुंचा।

यहां करीब 10 मिनट प्रदर्शन करने के बाद डॉक्टर्स वापस जेएमए लौट गए। इस दौरान करीब आधे घंटे तक त्रिमूर्ति सर्किल पर ट्रैफिक बंद रहा। उसे दूसरे रास्ते पर डायवर्ट किया गया।

29 को सामूहिक अवकाश पर रहेंगे डॉक्टर

सरकारी हॉस्पिटल के मेडिकल ऑफिसरों की यूनियन अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ (अरिसदा) भी अपना विरोध तेज करने जा रही है।

अरिसदा के प्रदेशाध्यक्ष अजय चौधरी ने बताया कि हम 29 मार्च को प्रदेशभर में एक दिन का सामूहिक अवकाश रखेंगे। अगर 29 मार्च को ऐसा होता है तो प्रदेशभर की पीएचसी, सीएचसी, उप जिला हॉस्पिटल में मरीजों को नहीं देखा जाएगा, क्योंकि यहां ज्यादातर डॉक्टर मेडिकल ऑफिसर ही होते हैं। ये इस संगठन से जुड़े हैं।

जयपुर जिले में पौने दो सौ हॉस्पिटल्स

हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान के सभी जिलों के सीएमएचओ को पत्र लिखकर उनके एरिया में संचालित प्राइवेट हॉस्पिटल की लिस्ट और जानकारी मांगी है। इसमें हॉस्पिटल नाम, पता, मालिक का नाम और फोन नंबर, हॉस्पिटल में बेड की संख्या और वर्तमान स्थिति चालू है या बंद है। जयपुर में पुलिस कमिश्नरेट ने भी अपने एरिया में संचालित हॉस्पिटल की जानकारी मांगी है। जयपुर जिले की बात करें तो वर्तमान में अभी 175 छोटे-बड़े हॉस्पिटल संचालित हैं।

प्राइवेट हॉस्पिटल्स पर ये हो सकती है कार्रवाई

राज्य सरकार ने अधिकांश बड़े और मीडियम अस्पतालों को रियायती दर पर जमीन आवंटित कर रखी है। उनका आवंटन निरस्त करने का अधिकार सरकार के पास है। जिन अस्पताल की बिल्डिंग संबंधित नगरीय निकाय (नगर पालिका, नगर निगम, यूआईटी या विकास प्राधिकरण) से बिना अप्रूव करवाए बनी है, उन इमारतों को सील किया जा सकता है। जिन अस्पताल संचालकों की बिल्डिंग परिसर में पार्किंग और फायर फाइटिंग की सुविधा नहीं है, उनको सील किया जा सकता है या पैनाल्टी लगाई जा सकती है।

नगर पालिकाएं और नगर निगम इन अस्पताल से नॉर्मल रेट पर नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) वसूलता है। उसे सरकार कॉमर्शियल रेट पर वसूल कर सकती है। जिन अस्पतालों ने अप्रूव नक्शे से अलग अवैध निर्माण कर लिया है, उस अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की जा सकती है।

खाचरियावास ने कहा- चोर को चोर कहकर क्या गुनाह किया

डोटासरा बोले- बीजेपी के पाप का घड़ा भरा; अलवर में मुंह पर ताला लगाकर बैठे नेता

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी को संसद से अयोग्य घोषित करने के विरोध में कांग्रेस आज राजधानी जयपुर सहित सभी जिलों में सत्याग्रह कर रही है।

जयपुर में खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा- चोर को चोर कहकर राहुल गांधी ने क्या गलत कर दिया? राहुल गांधी ने किसी जाति को चोर नहीं कहा।

जयपुर में कलेक्ट्रेट सर्किल पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अगुवाई में नेता सत्याग्रह पर बैठे हैं। मंत्री महेश जोशी, प्रताप सिंह खाचरियावास सहित कई विधायक और नेता सत्याग्रह पर बैठे हैं। कांग्रेस नेता शाम पांच बजे तक सत्याग्रह पर बैठेंगे।

डोटासरा का मोदी बीजेपी पर निशाना, कहा, जनता इनके पाप का घड़ा फोड़ेगी

कांग्रेस प्रदेशध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा- अब चीजें उजागर होने लग गई हैं। पाप

बहुत दिन तक छुपता नहीं है। पाप का घड़ा भर चुका है। अब बीजेपी सरकार के पाप का घड़ा जनता फोड़ेबी। इन्हें 2024 में सत्ता से जाना पड़ेगा।

डोटासरा ने कहा- राहुल गांधी के साथ जिस तरह का बर्ताव हो रहा है। केंद्र के काले कारनामे बताएंगे। अडाणी के 20 हजार करोड़ रुपए के घोटाले के बारे में बताएंगे। विदेशी शेल कंपनी में से कहां से पैसा आया।राहुल गांधी लगातार इस पर सवाल उठा रहे हैं कि पीएम मोदी और अडाणी के बीच इस पैसे का क्या संबंध है। इससे घबराकर उन्हें संसद से अयोग्य ही करवा दिया।

बीजेपी ने हमें सुनहरा मौका दे दिया

डोटासरा ने कहा- लोकसभा में राहुल गांधी एक बार ही भाषण देते, अब जितने भी कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं, सब हर जगह इनके काले कारनामों के बारे में बताएंगे। बीजेपी ने हमें सुनहरा मौका दिया है। इनके भ्रष्टाचार और इनकी गलत नीतियों को उजागर करने का मौका मिला है।

उन्होंने कहा कि हम लोग पीछे हटने वाले नहीं है। 2024 तक जब तक हम सत्ता से नहीं हटा देंगे, कांग्रेस का हर कार्यकर्ता गांव ढाणी, मोहल्ला, वार्ड तक संघर्ष करता रहेगा। इनके काले कारनामों को उजागर करेंगे, इनकी हिटलरशाही का विरोध करेंगे।

डोटासरा ने कहा- एक तो राहुल गांधी की यात्रा ऐतिहासिक रूप से सफल रही। राहुल गांधी को पता चल गया कि यह मोदी जी इमानदारी का चोला पहने हुए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि इनका और अडाणी का क्या कनेक्शन है? यह 20 हजार करोड़ किसका है? ये विपक्ष के नेताओं को दबाने के लिए ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग कर रहे हैं।

प्रताप सिंह बोले- चोर को चोर कहकर राहुल गांधी के क्या गलत कहा

खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने केंद्र और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा- चोर को चोर कहकर राहुल गांधी ने क्या गलत कर दिया। राहुल गांधी ने किसी जाति को चोर नहीं कहा। राहुल गांधी ने देश को लूटने वालों को चोर कहा। क्या विजय माल्या, मेहुल चोकसी, ललित मोदी चोर नहीं हैं? पीएम मोदी घोषणा कर दें कि विजय माल्या, ललित मोदी चोर नहीं हैं।

खाचरियावास ने कहा- अडाणी घोटाले की आवाज उठाना कोई गलत नहीं है। राहुल गांधी आज आवाज उठा रहे हैं। केंद्र सरकार लगातार हर मोर्चे पर विफल हो रही है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। सरकार घोटालों में लिप्त हो रही है, हर चीज महंगी हो गई है, लोग खून के आंसू रो रहे हैं। अडाणी घोटाला हुआ तो जेपीसी की मांग पूरे विपक्ष ने की है। आप जेपीसी नहीं बनाओगे तो सुप्रीम कोर्ट की जांच में सब सामने आ जाएगा।

7 अप्रैल को जयपुर आएंगे आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत

तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेवा संगम में होंगे शामिल, देशभर से जुटेंगे 4000 प्रतिनिधि

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सेवा संगम की जानकारी देते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय संगठन राष्ट्रीय सेवा भारती की ओर से 7 से 9 अप्रैल तक जयपुर के केशव विद्यापीठ में राष्ट्रीय सेवा संगम का आयोजन किया जाएगा। 3 दिन तक चलने वाले इस आयोजन का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन राव भागवत 7 अप्रैल को करेंगे। जिसमें देशभर में सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले 1000 से ज्यादा सेवा संगठन के 4000 से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सेवा संगम से जुड़े कैलाश शर्मा ने बताया कि सेवा भारती ने पिछले साल 25 हजार से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है। इसके साथ ही दक्षता, स्वास्थ्य, कौशल विकास और महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में संगठन ने लगातार काम कर रहा है। सेवा भारती द्वारा वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित और पीड़ित बंधुओं की सेवा करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं को प्रोत्साहन और सहयोग करने वाली संस्था है। हमारा लक्ष्य हर व्यक्ति तक रोजगार पहुंचकर उसे आत्मनिर्भर बनाना है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय सेवा प्रमुख शिवलहरी ने बताया कि हर पांच साल में राष्ट्रीय सेवा भारती की ओर से राष्ट्रीय सेवा संगम आयोजित किया जा रहा है। पहला सेवा संगम साल 2010 में बंगलूरु में आयोजित किया गया था। इसमें 980 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। साल 2015 में दूसरा सेवा संगम नई दिल्ली में आयोजित हुआ। उसका श्रेय वाक्य समरस भारत, समर्थ भारत रहा। इसमें 3500 प्रतिनिधि ने भाग लिया और अब तीसरा सेवा संगम जयपुर में 7, 8 और 9 अप्रैल को होने जा रहा है।

इस दौरान संगम में सरसंघ चालक डॉ मोहन भागवत के साथ ही जॉर्डन आश्रम के स्वामी महेश्वरानंद महाराज सहित देशभर के कई संत शामिल होंगे। वहीं पिरामल ग्रुप के अजय पीरामल भी संगम में हिस्सा लेंगे। 3 दिन तक चलने वाले सेवा संगम के लिए केशव विद्यापीठ को अलग-अलग नगरों का रूप दिया गया है।

नवीन पालीवाल बोले- 200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी आप

कहा- कांग्रेस बीजेपी से जनता हो गई परेशान, मिश्रा बोले- राहुल पर हुई तानाशाही

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही सियासी नियुक्तियों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने राजस्थान की कांग्रेस और केंद्र की बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा।

पालीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी राजस्थान में बदलाव लाना चाहती है। इसके लिए इस बार हम प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। ताकि राजस्थान की जनता भी दिल्ली और पंजाब जैसी मूलभूत और मुफ्त सुविधाएं हासिल कर सके।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी विनय मिश्रा कहा कि कांग्रेस और भाजपा संगठन मजबूती के दावे करती है। लेकिन

धरातल पर ऐसा नहीं है। क्योंकि कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय प्रदर्शनों की भीड़ उनका संगठन बताता है। वहीं भाजपा के पन्ना प्रमुख भी केवल पन्नों तक ही सीमित है। इनका संगठन सिर्फ लोगों को डराने के लिए है।

आज देश में तानाशाही का माहौल है। राहुल गांधी जैसे नेता पर तानाशाही कर उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई है। जबकि कोर्ट ने उन्हें 1 महीने का वक्त दिया है। तो कार्रवाई में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई।बीजेपी लोकतंत्र को खत्म करना चाहती हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

मिश्रा ने कहा कि हमने राजस्थान में संगठन को मजबूत करने के लिए काम शुरू कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही हमने पार्टी के 7 विधायकों को सहप्रभारी भी नियुक्त किया हैं। जो आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजस्थान में आम आदमी पार्टी को ग्रास रूट पर मजबूत करने का काम करेंगे।

आम आदमी पार्टी राजस्थान के 7 सहप्रभारी

1. अमनदीप सिंह - बलुआना (पंजाब)
2. चेतर वसावा - देदियापाड़ा (गुजरात)
3. हेमंत खावा - जमजोधपुर (गुजरात)
4. नरेश यादव - महरौली (दिल्ली)
5. नरिंदर पाल सवाना - फाजिल्का (पंजाब)
6. मुकेश अहलावत - सुल्तानपुर माजरा (दिल्ली)
7. शिवचरण गोयल - मोती नगर (दिल्ली)

राजस्थान में छह दिन में दूसरी बार भूकंप

देर रात कई शहरों में हिली धरती; पाकिस्तान रहा केंद्र

बीकानेर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में छह दिन में दूसरी बार भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। देर रात करीब ढाई बजे बीकानेर, जैसलमेर और उसके आसपास के इलाकों में आए भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई है। हालांकि, अब तक किसी भी प्रकार के जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं है। भूकंप का केंद्र बीकानेर से 516 किलोमीटर दूर पाकिस्तान में बताया जा रहा है।

अरुणाचल प्रदेश में भी महसूस किए गए भूकंप के झटके

इससे पहले अरुणाचल प्रदेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। वहां, रात करीब 1.45 पर भूकंप आया। 3.5 रिक्टर स्केल के इस भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश का छंगलांग जिला रहा। जहां जमीन के करीब 76 किलोमीटर अंदर भूकंप का केंद्र

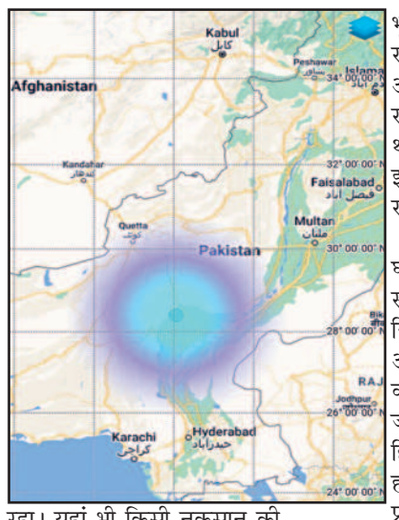

रहा। यहां भी किसी नुकसान की सूचना नहीं है।

21 मार्च को भी आया था भूकंप

बीते मंगलवार(21 मार्च) को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से करीब 258 किलोमीटर दूर हिंदू कुश क्षेत्र में रात 10 बजकर 17 मिनट पर आए तेज भूकंप के झटकों ने राजस्थान समेत उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों की नींद उड़ा दी थी। 6.6 तीव्रता वाले इस भूकंप से पूरा राजस्थान कांप उठा था।

जमीन हिलने से घबराए लोग मल्टी स्टोरी बिल्डिंग से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए थे। इस भूकंप का असर भारत के जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और गुजरात में रहा था। राजस्थान में जयपुर, अलवर, जोधपुर, सीकर, उदयपुर, कोटा समेत सभी जिलों में झटके महसूस हुए थे।

क्यों आता है भूकंप?

भूगर्भ वैज्ञानिकों के मुताबिक, भूकंप की असली वजह टेक्टोनिकल प्लेटों में तेज हलचल होती है। इसके अलावा उल्का प्रभाव और ज्वालामुखी विस्फोट, माइन टेस्टिंग और न्यूक्लियर टेस्टिंग की वजह से भी भूकंप आते हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता मापी जाती है। इस स्केल पर 2.0 या 3.0 की तीव्रता का भूकंप हल्का होता है, जबकि 6 की तीव्रता का मतलब शक्तिशाली भूकंप होता है।

ऐसे लगाते हैं भूकंप की तीव्रता का अंदाजा

भूकंप की तीव्रता का अंदाजा उसके केंद्र (एपिसेंटर) से निकलने वाली ऊर्जा की तरंगों से लगाया जाता है। सैकड़ों किलोमीटर तक फैली इस लहर से कंपन होता है। धरती में दरारें तक पड़ जाती हैं। भूकंप का केंद्र कम गहराई पर हो तो इससे बाहर निकलने वाली ऊर्जा सतह के काफी करीब होती है, जिससे बड़ी तबाही होती है।

पुलिस से भाग रहे बदमाशों ने बरसाई गोलियां

70 किलोमीटर तक पीछा कर पकड़ा; गाड़ियों से मिले हथियार

कोटपूतली, 26 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के कोटपूतली इलाके में कुछ बदमाशों ने 24 मार्च को मंथली की डिमांड करते हुए पेट्रोल पंप के सेल्समैन से मारपीट की। इस दौरान बदमाशों ने तोड़फोड़ करने के साथ ही फायरिंग भी की और मंथली नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। पेट्रोल पंप पर फायरिंग के बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना पर सरूण्ड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इसके बाद आरोपियों की तलाश में जुट गई।

पुलिस को आरोपियों की लोकेशन नीमकाथाना की तरफ मिली तो नाकाबंदी करवाई गई और डीएसटी की टीम बदमाशों की 2 कारों का पीछा कर रही थी। रींगस में भैंरूजी मोड़ पर बदमाशों की एक गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। कार क्षतिग्रस्त होने पर बदमाश पैदल भागने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने 3 बदमाशों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। कार की तलाशी लेने पर बैग में हथियार बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि सरुण्ड थाना क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप पर शुक्रवार तड़के 3 बलेनो गाड़ी में सवार होकर छह बदमाश आए और 2.5 लाख रुपए की रंगदारी की मांग करते हुए पंप कर्मियों पर दो फायर कर दिए।

बदमाशों ने पेट्रोल पंप पर खड़ी कार, मोटरसाइकिल, पंप मशीन व केबिन को लोहे की रॉड व लाठियों से तोड़ दिया था व एक कर्मचारी का सिर भी फोड़ दिया था।

108 एंबुलेंस की टक्कर से 15 लोग घायल

ऑटो रिक्शा में सवार घायलों को जिला अस्पताल में कराया भर्ती

बांसवाड़ा, 26 मार्च (एजेंसियां)। सवारी से भरे ऑटो रिक्शा को पीछे से आ रही 108 एंबुलेंस ने टक्कर मार दी, टेंपो में सवार 15 लोग घायल हो गए,ऑटो रिक्शा सड़क से करीब 10 फीट दूर खेत में जा गिरा, घायलों को नजदीकी अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बांसवाड़ा जिले के सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र के सागवा झुमकी सड़क मार्ग पर आज रविवार को चलते टेंपो को 108 एंबुलेंस ने पीछे से टक्कर मारी। इस सड़क हादसे में 10 से 15 लोग घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद 108 एंबुलेंस चालक एंबुलेंस लेकर मौके से भाग निकला । झूमकी सड़क मार्ग किनारे जब सवारी से भरा ऑटो रिक्शा खेत में जा घुसा तो एक पुकार मच गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई घायलों को एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजते दिखाई दिए ।सूचना मिलते ही सज्जनगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। सवारी से भरा रिक्शा छतिग्रस्त हो गया तो वहीं टेंपो में सवार वजा पुत्र पोना डामोर उम्र 55 वर्ष निवासी सागवा को अंदरूनी गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गया ,उसे प्राथमिक उपचार के बाद गुजरात के दाहोद के लिए रेफर कर दिया गया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। इस घटना में दो चचेरी बहनें संजू व चंपी के सिर व चेहरे पर भी अत्यधिक गंभीर चोटें आई है तो वहीं अधेड़ महिला वाली पति नाथू डामोर के सिर के पीछे गहरा गड्ढा पड़ गया, सिर में चार टांके लिए गए हैं । वाली पत्नी नाथू डामोर उम्र 55 वर्ष निवासी सागवा , नाथू पुत्र पोना डामोर उम्र 60 वर्ष निवासी स गवा, वजा पुत्र पोना डामोर उम्र 55 वर्ष निवासी सागवा ,चंपी पुत्री बदजी 18 वर्ष निवासी सागवा,संजू पुत्री जगजी 16 वर्ष निवासी सागवा को जिला अस्पताल बांसवाड़ा में भर्ती किया गया है जहां पर इनका उपचार जारी है । घटनाक्रम की जानकारी घायल नाथू द्वारा दी गई उन्होंने बताया कि हम सभी घायल एक ही गांव के

निवासी हैं। चोखला गांव में एक पाटीदार के वहा गेहूँ की फसल कटिंग करने के लिए जा रहे थे कि झुमकी सड़क मार्ग पर टेंपो के पीछे से 108 एंबुलेंस ने टक्कर मार दी टेंपो सड़क किनारे खेत में जा घुसा, में टेंपो के ऊपर बैठा हुआ था नीचे गिर गया सिर और चेहरे पर गंभीर चोट लगी है।

होटल मौर्या पर ईडी की रेड, कैश गिनने की मंगवाई मशीन

यूपी में पत्नी ने विदेशी करेंसी ले जाने की शिकायत की, पटना पहुंच गई टीम

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। पटना के सबसे चर्चित होटल मौर्या और उसके मालिक एसपी सिन्हा के घर पर ईडी ने छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि भारी मात्रा में कैश और जेवरात मिले हैं। जिसे गिनने के लिए नोट गिनने वाली मशीन मंगवानी पड़ी है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मौर्या होटल के मालिक एसपी सिन्हा के आवास से एक कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। जिसे रूपसपुर थाना की पुलिस जब्त कर थाने ले गई। वही ईडी की टीम 24 घंटे बाद छापेमारी खत्म कर आवास से निकल गई।

बता दें कि यूपी प्रयागराज से आई ईडी की टीम ने विदेशी करेंसी के साथ पकड़ाए गौतम मुखर्जी को पटना के मौर्या होटल लेकर पहुंची थी। दूसरी टीम आरा गार्डन स्थित एसपी सिन्हा के आवास पहुंची। जहां लोगों से पूछताछ शुरू कर दी।

छापेमारी के दो-तीन घंटे बाद ही बिहार ईडी की टीम को बुलाया गया। यहां लंबी पूछताछ के बाद जब्त दस्तावेज को रात में ही यूपी की टीम अपने साथ होटल ले गई। बिहार के तीन सदस्यों की टीम को आवास पर निगरानी करने और पूछताछ के लिए आवास पर ही छोड़ कर चली गई। सुबह फिर यूपी की टीम जांच के लिए पहुंची। ईडी ने यह कार्रवाई फेमा (फॉरेन मैनेजमेंट एक्ट) के तहत की है।

ईडी के सूत्रों के अनुसार, मामला उत्तर प्रदेश से जुड़ा है। बनारस में पटना का एक व्यक्ति 9 हजार डॉलर के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद यह सूचना ईडी को दी गई थी। प्रयागराज ईडी की टीम ने यह कार्रवाई की है। होटल कारोबारी के सीए के घर भी छापेमारी की बात सामने आई है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

पति-पत्नी में विवाद होने पर डॉलर का खुला राज :

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को बनारस के कैंट स्टेशन पर पति-पत्नी आपस में लड़ने लगे। इसी दौरान जीआरपी पहुंच गई। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच पत्नी ने पुलिस के सामने ही बता दिया कि उसका पति विदेशी करेंसी ले जा रहा है।

जीआरपी ने पति के बैग की तलाशी ली। इसमें करीब नौ हजार डॉलर (साढ़े सात लाख रुपये) बरामद किए गए थे। पकड़े गए व्यक्ति का नाम गौतम मुखर्जी है। वह पटना का रहने वाला है। होटल मौर्य में काम करता हैं।

पूछताछ में उसने बताया कि उसे यहां एक शख्स से विदेशी करेंसी लेने के लिए भेजा गया था। वह विदेशी करेंसी लेकर वाराणसी से पटना जा रहा था। जीआरपी प्रभारी कैंट रेलवे स्टेशन हेमंत सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान उसने बताया कि डॉलर पटना के मौर्या होटल के मालिक के हैं। विदेशी करेंसी का मामला पटना के बड़े होटल के नाम से जुड़े होने के कारण ईडी प्रयागराज को सूचित कर दिया।

जीआरपी की सूचना के बाद ईडी की प्रयागराज टीम ने पटना के संबंधित होटल कारोबारी, उनके होटल और उनके सीए के ठिकानों पर छापा मारा। ईडी टीम को 20 घंटे से ज्यादा समय से छापेमारी कर रही है। टीम ने घर पर ही खाना मंगाया है।

बिश्नोई प्रिमियर लीग-7 क्रिकेट प्रतियोगिता 28 से

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अलमासगुडा स्थित एवाईआर क्रिकेट ग्राउंड में बिश्नोई युवा संगठन हैदराबाद के तत्वावधान में क्रिकेट प्रतियोगिता बी.पी.एल.7 का आयोजन 28 मार्च प्रात: वेला मे पूजा-अर्चनाकर मुख्यअतिथि पटेल आंजणा समाज अध्यक्ष सांवललाल पटेल एवं सीआई एल.बी.नगर अंजीरेड्डी के करकमलों द्वारा शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष भजनलाल मांजू व रमेश ढाका ने बताया कि हर वर्ष कि भांति बी.पी.एल.-7 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन समाज की 22 टीमों के मध्य किया जाएगा। 28 मार्च से आयोजित बी.पी.एल.-7 क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ बतौर मुख्य अतिथि आंजणा पटेल समाज अध्यक्ष सांवललाल पटेल, सीआई एल.बी.नगर अंजीरेड्डी द्वारा किया जाएगा। प्रतियोगिता मे समाज की 22 टीमों के होनहार व प्रतिभावान खिलाड़ी भाग लेंगे। तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह रविवार 30 मार्च फाइनल मैच के पश्चात होगा, जिसमें मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई के पुत्र कांग्रेस नेता डॉ.भूपेन्द्र विश्नोई एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री कृष्णकुमार विश्नोई, सम्मानित अतिथि व समाज के गणमान्य प्रमुखरुप से उपस्थित रहेंगे।

भजन एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परम पूजनीय श्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा श्री महर्षि गौतम आश्रम, गुर्जर गौड़ ब्राह्मण ट्रस्ट, रामबाग, अत्तापुर के तत्वावधान में भजन एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरुदेव आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी सुश्री दर्शिता भारती ने सेवा और भक्ति विषय पर बोलते हुए कहा कि सेवा समर्पण का भाव जागृत करता है, जो भक्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। जीव ईश्वर की भक्ति के योग्य नहीं होता, परन्तु जब वह सेवा के माध्यम से स्वयं को यंत्र रूप में समर्पित कर देता है तो ईश्वर उसे भक्ति प्रदान करते हैं। साध्वी जी ने रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि माता सीता भक्ति रूपा हैं और भगवान राम ने वानर सेना को माता सीता का पता लगाने का कार्य देकर उन्हे सेवा रूप में भक्ति का दान दिया था। कार्यक्रम का संचालन कर रहीं साध्वी रितु भारती जी ने इसी विषय पर आगे बोलते हुए कहा कि भक्ति का यह सूत्र सिर्फ त्रेता युग तक ही सीमित नहीं है। हर समय के सद्गुरु सेवा के रूप में जीव को भक्ति का दान देते हैं। कार्यक्रम में शिष्यों ने सुंदर भजनों का गायन किया। कार्यक्रम के उपरांत मंगल आरती हुई और भंडारे का आयोजन किया गया।

भद्रबाहु स्वामी का महान अवदान है उवसग्गहर स्तोत्र : साध्वी मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली के राघवेन्द्रा कॉलोनी में साध्वीश्री डॉ. मंगल प्रज्ञा जी द्वारा उवसग्गहर स्तोत्र" का प्रभावक अनुष्ठान करवाया गया। इस विशिष्ट अनुष्ठान में संभागी श्रावक समाज को स्तोत्र महिमा बताते हुए साध्वीश्री जी ने कहा कि हम सौभाग्यशाली है, जिन्हें जैन परम्परा विरासत में प्राप्त है। प्रख्यात, प्रभावक मंत्रों की साधना हमारे लिए सुरक्षा कवच है। आचार्य भद्रबाहु ने संघ सुरक्षा के लिए इस महा स्तोत्र की रचना की। भगवान पार्श्वनाथ की स्तुति हेतु रचा गया यह स्तोत्र जन-जन की आस्था का केन्द्र और संकट हारी, शान्ति प्रदायक और विघ्नविनाशक है। इतिहास में भगवान पार्श्वनाथ का पुरुषादानीय कहा गया है। भगवान् पार्श्व जनमानस के लिए प्रणम्य है। कहा जाता है कि भगवान बुद्ध पूर्व में पार्श्व परम्परा में दीक्षित हुए थे। गौरखनाथ परम्परा के नाथ सम्प्रदाय का उदय पार्श्व परम्परा से मानते हैं। इस अवसर पर साध्वी डॉ. राजुलप्रभा जी, साध्वी डॉ. चैतन्यप्रभा जी एवं साध्वी डॉ. शौर्यप्रभा जी ने "भगवान पार्श्व जिन की महिमा" का संगान किया।

दधिमति माता मन्दिर सुराराम में आयोजित जागरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पधारे समाजसेवी गोपाल बल्दवा व मुख्य भजन गायक जगदीश व्यास व साथी संजय, नरेश, पंकज का सम्मान किये जाने का दृश्य।

भागवत कथा के श्रवण से मोक्ष की प्राप्ति : प्रह्लादपुरी महाराज

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर प्रांगण में लाभार्थी पंवार परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा के दूसरे दिन 26 मार्च रविवार अपराह्न 4.15 बजे श्री आईमाताजी की तस्वीर व भागवत कथा पर माल्यार्पणकर व आरतीकर कथा वाचक आचार्य संत श्री प्रह्लादपुरीजी महाराज द्वारा कथा वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजक ताराराम, गोविन्दराम पंवार ने संयुक्तरुप से बताया कि सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कथा वाचक श्री प्रह्लादपुरीजी महाराज ने धुंधकारी की कथा का रसपान कराते हुए बताया कि धुंधकारी महान पापी व दुराचारी होने के बावजूद भागवत कथा के रसपान से उसको मोक्ष की गति प्राप्त हुई। उसी प्रकार मानव को मुक्ति प्राप्त करना है तो भागवत कथा का श्रवण करना पड़ेगा। जो भक्त सात दिवसीय भागवत कथा को प्रतिदिन कथा पंडाल में आकर कथा सुनता है, उसको निश्चय ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे लाभार्थी परिवार के नत्थाराम, आणसीबाई, ताराराम-सोनीदेवी, गोविन्दराम-मैनादेवी, रिंकु, भरत, ग्रीष्मा, पायल, रितेश पंवार, सचिव हीरालाल सैंणचा, भाणाराम, जगदीश सीरवी, भैराराम व बहुत से समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। मंच का संचालन शिवानन्द निर्भय ने किया।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की साप्ताहिक बैठक रविवार को आयोजित की गयी। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि पिछले एक वर्ष से समाज के कार्यालय 301 राघव रत्ना टावर, चिराग़ अली लेन में कमिटी की बैठक हो रही है। इस रविवार की बैठक में लगभग 14 अभिभावकों द्वारा उनके लड़के तथा लड़कियों के बायोडेटा उपलब्ध करवाए गए। हमें अग्रबंधुओं के बायोडेटा प्राप्त हो रहे हैं अभी हमारे पास बालकों के 23 to 45 वर्ष तक उम्र के, डिग्री से लेकर प्रोफेशनल कोर्स तक पढ़ाई के तथा व्यवसाय के अतिरिक्त जॉब करने वाले ज़ीरो बजट से लेकर अधिकतम बजट वालों के बायोडेटा उपलब्ध है। सभी अग्रबंधुओं के विवाह योग्य बालक एवं बालिकाओं के अभिभावकों से आग्रह है कि वे उनके बायोडेटा लाकर उनके उपयुक्त जोड़े हेतु बालकों के बायोडेटा देख कर पसंद करें ताकि उनके विवाह सम्बन्ध हेतु कोशिश की जा सके। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों एवं शाखाओं के सदस्यों से विनम्र आग्रह है कि वे समाज द्वारा उपलब्ध निशुल्क सेवा का लाभ प्राप्त करें।

हैदरगुडा शाखा एवं वैभवी नारी शक्ति शाखा द्वारा कन्या पूजन कार्यक्रम

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज हैदरगुडा शाखा एवं वैभवी नारी शक्ति शाखा द्वारा सन्नीहिता गर्ल्स होम (पार्क लेन) में कन्या पूजन किया गया। पूजन के साथ साथ कन्याओं के लिए विशेष मनोरंजन, गेम्स, गिफ्ट्स, स्वादिष्ट भोजन का आयोजन भी किया गया। कन्याओं ने बहुत ही उत्साह के साथ गेम्स खेला। जीतने वाली कन्याओं को प्राइज़ दिया गया। उपस्थित मंत्री महेश कानोडिया, दीपक गुप्ता, सतवंती सरायवाला ,रितु अग्रवाल ,अनुपमा गुप्ता, सपना अग्रवाल, उर्मिला मोदी, रीना अग्रवाल, उषा मोदी एवं आरती सराय वाला आदि के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

108 श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के संदर्भ में जगन्नाथ मठ में बैठक आयोजित

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ स्वामी मठ सितारामबाग में आगामी गुरूवार 20 जुलाई से आयोजित होने वाले श्री शेषावतार श्रीमदाचार्य श्रीमज्जगद्गुरु श्री रामानुजाचार्यजी महाराज कालषड्तरसस्त्राब्दि (1006) समारोहलअष्टोत्तर शत (108) श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञल एवं अष्टोत्तर शत (108) श्रीमद् भागवत पाठ पारायण ज्ञान यज्ञल तैयारीयो के संदर्भ मे आयोजन समिति तथा धर्मानुरागीयो की बैठक सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ मठ मे आयोजित हुई। आज यहाँ श्री जगन्नाथ स्वामी मठ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ती मे बताया गया कि श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी श्रीनिवासा रामानुज व्रतधर जियर स्वामी के पावन सानिध्य में एव लव फॉर काऊ फाउण्डेशन के चेयरमैन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में तथा निलकंठ विद्यापीठ के पूज्य सत्यप्रकाशदास स्वामी, पूज्य पंडित स्वामी, पूज्य हरिदर्शन स्वामी, पूज्य ज्ञान स्वामी, पूज्य धर्मनंदन स्वामी, रक्षीत भगत तथा श्री जगन्नाथ स्वामी मठ सितारामबाग उत्तराधिकारी अच्युत रामानुजाचार्य, स्वामीनारायण गुरूकुल के ट्रस्टी जीवरामभाई पटेल, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउण्डेशन के संस्थापक रिद्धीश जागीरदार, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमेन आर.के. जैन, श्री हैदराबाद सिकंदराबाद गुजराती ब्रह्मण समाज के अध्यक्ष तरूण महेता आदि ने भाग लिया ।

बिहार समाज सेवा संघ ने हनुमान जयंती को लेकर की बैठक

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज की सभा दीपक सिंह के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में आगामी हनुमान जयंती को देखते हुए यह मीटिंग रखी गयी। उसमें सभी सदस्यगण का मिलकर फ्रूट वितरण करने का निर्णय लिया गया। उसमें सभी सदस्यगण हर्षोल्लास के साथ हनुमान जयंती सफलतापूर्वक मनाने का निर्णय हुआ। उसमें उपस्थित तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष दीपक सिंह, महासचिव मनीष कुमार गुप्ता, पान बाजार एरिया अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, बंसीलालपेट एरिया अध्यक्ष विकास कुमार पासवान, रानीगंज एरिया अध्यक्ष बबलू कुमार ओझा, हसमतपेट एरिया अध्यक्ष सुनील कामत, मीडिया प्रभारी मुकेश कामत, संतोष कुमार सिंह और लोग उपस्थित हुए।

श्रीराम नवमी उत्सव समिति द्वारा शोभा यात्रा की सभी तैयारियां पूर्ण

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भायनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष भगवंत राव की अध्यक्षता में आज बाहेती भवन में तैयारी बैठक हुई। जिसमें 30 मार्च को होने वाली भव्य श्री राम नवमी महा उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पावन सानिध्य देने काशी सुमेरू पीठ के शंकाराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज 29 मार्च को पधार रहे है। उसी दिन शाम भजन संध्या में सामिल होंगे । 30 मार्च को प्रातः काल में शंकराचार्य जी सीताराम बाग द्रोपदी गार्डन में सीताराम कल्याण महोत्सव में अपनी पावन उपस्तिथि देंगे और 11 बजे से शौभा यात्रा में सामिल होंगे। 31 मार्च को श्रीशैलम यात्रा में जायेंगे। शंकरचार्य जी के ठहरने और भक्तों को दर्शन की व्यवस्था श्री राम नवमी उत्सव समिति के महामंत्री श्री गोविंद राठी जी के आवास पर की गई है। बैठक में उपस्थित प्रमुख राम भक्तों में शंकराचार्य जी के दक्षिण भारत सचिव ठाकुर जयपाल सिंह नयाल, श्री गोविंद राठी, आचार्य प्रमोद कृष्ण शास्त्री, डाक्टर मदन मोहन गुप्ता, श्रीनिवास, भास्कर राव, मनीष व्यास, वैकुंठम, महेंद्र व्यास, विनोद प्रजापति, अजय, तलवार श्रीनिवास आदि ने भाग लिया।

विश्व रंगमंच दिवस : आकाशवाणी हैदराबाद केंद्र से भेंटवार्ता का प्रसारण आज

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विगत सात दशकों से ज्यादा मराठी रंगभूमि से जुड़े हुए हैदराबाद के जानेमाने मराठी के दिग्गज रंगकर्मी भाऊसाहेब जागीरदार की भेंटवार्ता का प्रसारण आकाशवाणी हैदराबाद केंद्र से और न्यूज ऑन एयर मोबाईल अप पर 27 मार्च को दोपहर 2.30 बजे पर मराठी कार्यक्रम निशिगंध से प्रसारित होगा। भेंटकर्ता हैं सतीश सरदेशमुख और प्रस्तुति साहाय मेघना ढबू का है। कार्यक्रम की प्रस्तुति श्रीमती प्रियदर्शनी राऊत (प्रोग्राम एक्जिक्युटिव आकाशवाणी हैदराबाद) की हैं।

रहीमपुरा ग्राउंड जागरण मां भगवती जागरण समिति द्वारा आयोजित जगरण में बतौर अतिथि भाग लेते हुए गोशामहल पार्षद लाल सिंह, हीरालाल, विपिन सिन्हा, रविंदर सिंह, विघ्नेश सिंह व अन्य।

ज्ञानबाग कम्युनिटी हॅल पर 5 से 7 अप्रैल तक आयोजित होने वाली झलक प्रदर्शनी की प्रचार सामग्री जारी करते हुए परमेश्वरदयाल शर्मा, रामदेव नागला, महेश अवस्थी, संदीप जायलवाल, दीपक शर्मा व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राजघाट पर प्रियंका बोलीं....

आपके प्रधानमंत्री भरी संसद में कहते हैं कि हमारा परिवार नेहरू नाम क्यों इस्तेमाल करता है। आपको कोई सजा नहीं मिलती, न संसद से बाहर निकालता है। जिस व्यक्ति ने सूरत में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, वह कोर्ट में गया और 1 साल के लिए अपने ही मामले पर रोक लगाने के लिए कहा, लेकिन राहुल गांधी ने अडाणी पर संसद में भाषण देने के बाद मामले को फिर से ओपन करवाया। 1 महीने के अंदर सुनवाई हुई और राहुल को दोषी करार दिया गया।

आज तक हम चुप रहे हैं, आप हमारे परिवार का अपमान करते गए। मैं पूछना चाहती हूं कि एक आदमी का कितना अपमान करोगे। मेरा भाई पीएम के पास गया, उन्हें गले लगाया और कहा कि मुझे आपसे नफरत नहीं है। हमारी विचारधारा अलग है लेकिन हमारे पास नफरत की विचारधारा नहीं है। क्या भगवान राम और पांडव परिवारवादी थे। हमारा परिवार देश के लिए शहीद हुआ तो क्या हमें शर्म आनी चाहिए।

आप हमें अपमानित करके ये सोचते हैं कि हम डर जाएंगे। हम और मजबूती से लड़ेंगे। हम आज भी देश की आजादी के लिए लड़ रहे हैं। देश की जनता को दिख नहीं रहा है कि उनकी सारी संपत्ति लूटी जा रही है। जो तानाशाही होते हैं वे सवाल उठाने वाले को दबाने की कोशिश करते हैं। इस अडाणी में है क्या, उसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं। ये हमें सोचना पड़ेगा।

राहुल गांधी ने दुनिया के दो सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों, हार्वर्ड और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में अपनी शिक्षा पूरी की और वे उन्हें 'पप्पू' कहने लगे, लेकिन बाद में पता चला कि वह तो 'पप्पू' है ही नहीं, वह तो ईमानदार हैं और आम जनता के मुद्दों को समझता है।

एक आदमी कन्याकुमारी से कश्मीर तक क्यों चला। उसमें समता की, एकता की भावना थी। आज मीडिया, मंत्री, सांसद कह रहे हैं राहुल गांधी ने विदेश जाकर देश का अपमान किया। जो आदमी जनता की आवाज उठा रहा है, वो देश का अपमान कर सकता है। वो गरीबों का बेरोजगारों का हक मांग रहा है। उनके हक की लड़ाई लड़ रहा है।

सत्याग्रह के दौरान प्रियंका के बयानों पर पलटवार करते हुए भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल की सांसदी कानून के अनुसार गई है। कोर्ट के फैसले के विरोध में ही कांग्रेस सत्याग्रह कर रही है। ये सत्याग्रह के नाम पर दुराग्रह है। गांधी परिवार खुद को कानून से ऊपर समझता है।

पीएम ने सबसे छोटी ...

साल 2013 में हमारे देश में ऑर्गन डोनेशन के 5 हजार से भी कम केस थे, लेकिन 2022 में ये संख्या बढ़कर 15 हजार से ज्यादा हो गई है।

ऑर्गन डोनेशन करने वाले व्यक्तियों ने, उनके परिवार ने वाकई बहुत पुण्य का काम किया है। जो लोग ऑर्गन डोनेशन का इंतजार करते हैं उन्हें जब कोई अंगदान या देहदान करने वाला मिल जाता है, तो उसमें ईश्वर का स्वरूप ही नजर आता है।

भारत के सामर्थ्य में नारी शक्ति की बड़ी भूमिका :

पीएम मोदी ने कहा कि ये नवरात्र का पर्व है। नारी शक्ति की उपासना का समय है। आज भारत का जो सामर्थ्य नए सिरे से निखरकर सामने आ रहा है, उसमें बहुत बड़ी भूमिका हमारी नारी शक्ति की है। हाल फिलहाल ऐसे कितने ही उदाहरण हमारे सामने आए हैं।

सात्विक-चिराग बने चैंपियन, फाइनल में चीनी जोड़ी को दी मात

खेल डेस्क, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत के सात्विकसाईराज रंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने स्विस ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीत लिया है। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीन के टैंग क्वियान और रेन यू जियांग की जोड़ी को मात दी।

सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी

भारत के सात्विकसाईराज रंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने स्विस ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीत लिया है। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीन के टैंग क्वियान और रेन यू जियांग की जोड़ी को मात दी। सात्विक और चिराग ने जीनी जोड़ी को सीधे सेटों में 21-19 और 24-22 से मात दी। स्विस ओपन सुपर सीरीज 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष युगल के खिताबी मुकाबले में भारतीय जोड़ी शुरुआत से ही शानदार लय में थी। सात्विक-चिराग ने पहला गेम 21-19 के करीबी अंतर से अपने नाम किया, लेकिन दूसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कांटे की टक्कर हुई। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने अंत में 24-22 के अंतर से गेम जीता और खिताब भी अपने नाम कर लिया।

इस टूर्नामेंट में सात्विक और चिराग ने हर मैच में पूरी मेहनत के बाद जीत हासिल की है। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने जेपे बे और लेसे मोल्हेडे की डेनमार्क की जोड़ी को 54 मिनट तक चले मुकाबले में 15-21, 21-11, 21-14 से हराया था। वहीं, क्वार्टर फाइनल में भी सात्विक-चिराग ने 84 मिनट तक कड़ा मुकाबला खेला था।

इस टूर्नामेंट में भारत के बाकी खिलाड़ी पहले ही बाहर हो गए थे। महिला एकल में पीवी सिंधू और पुरुष एकल में एच एस प्रणय, लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, मिथुन मंजूनाथ अपने-अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए थे। ऐसे में यह जोड़ी ही भारत की तरफ से एकमात्र चुनौती पेश कर रही थी और इन दोनों ने चैंपियन बनने के बाद ही राहत की सांस ली है।

भारतीयय जोड़ी के लिए यह सत्र का पहला खिताब था। इस जीत के साथ ही सात्विक और चिराग ने पिछले हफ्ते ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में मिली हार को भुलाया, जहां वे दूसरे दौर में बाहर हो गए थे। कुल मिलाकर, यह भारतीय जोड़ी के लिए करियर का पांचवां वर्ल्ड टूर खिताब था, जिसने पिछले साल इंडिया ओपन और फ्रेंच ओपन जीता था, इसके अलावा 2019 में थाईलैंड ओपन और 2018 में हैदराबाद ओपन में जीत हासिल की थी। सात्विक और चिराग ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल भी जीता था।

भारत की शीर्ष पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी इससे पहले ओंग यू सिन और टियो ई यी की मलेशियाई जोड़ी को हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। दुनिया की छठे नंबर की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मैच में दुनिया की आठवें नंबर की जोड़ी को 21-19, 17-21, 21-17 से हराया था।

निकहत जरीन ने दिलाया तीसरा स्वर्ण

लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनीं

खेल डेस्क, 26 मार्च (एजेंसियां)। महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देश को तीसरा स्वर्ण पदक मिल चुका है। निकहत जरीन ने 48-50 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। शनिवार के दिन नीतू घणघस ने 45-48 किग्रा भारवर्ग और स्वीटी बूरा ने 75-81 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अब लवलीना बोरगोहेन भी अपना फाइनल मुकाबला जीतकर देश को एक और स्वर्ण पदक दिला सकती हैं। निकहत जरीन ने महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया है। उन्होंने वियतनाम की न्यूगेन थी ताम को फाइनल में मात दी। निकहत से पहले ही स्वर्ण पदक की उम्मीद की जा रही थी और उन्होंने आशा अनुसार प्रदर्शन कर देश को पदक दिलाया है। फाइनल मैच में निकहत ने शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया। पहले राउंड में उन्होंने 5-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद दूसरे राउंड में भी उन्होंने अपनी बढ़त जारी रखी। तीसरे राउंड में उन्होंने वियतनाम की मुक्केबाद को शानदार पंच जड़ा। इसके बाद रेफरी ने मैच रोककर वियतनाम की मुक्केबाज का हाल-चाल जाना। यहीं से निकहत की जीत तय हो गई थी। अंत में उन्होंने यह मुकाबला 5-0 के अंतर से अपने नाम किया और लगातार दूसरी बार बॉक्सिंग चैंपियनशिप जीत ली।

पहले राउंड में ही निकहत ने शानदार शुरुआत की है और विरोधी मुक्केबाज को गलती के लिए मजबूर किया। पहले राउंड का खेल खत्म होने के बाद निकहत ने 5-0 से बढ़त बना ली है। दूसरे राउंड के बाद भी निकहत जरीन की बढ़त जारी है। हालांकि, पहले राउंड की तुलना में दोनों मुक्केबाजों के बीच कांटे की टक्कर हुई। 45 से 48 किलोग्राम भारवर्ग में मंगोलियाई पहलवान को हराकर स्वर्ण पदक जीता। नीतू ने मंगोलिया की लुत्साइखान को मात दी। स्वीटी बूरा ने महिला विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 75-81 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्वीटी ने चीन की लिना वोंग को हराया।

निकहत जरीन ने 48-50 किग्रा भारवर्ग और लवलीना बोरगोहेने ने 70-75 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में पहुंचकर कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है। दोनों फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक भी अपने नाम कर सकती हैं। आज के दिन सबसे पहले निकहत का मुकाबला होगा। इसके बाज लवलीना का मैच होगा।

नीतू घणघस ने 45-48 किग्रा भारवर्ग और स्वीटी बूरा ने 75-81 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आज निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन भी अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतक देश को दो और स्वर्ण पदक दिला सकती हैं। हारने पर भी इन दोनों खिलाड़ियों को रजत पदक मिलेगा। इस लिहाज से भारत की झोली में दो और पदक आना तय है।

2022 में हुए 13 क्रिकेट मैचों पर फिक्सिंग का संदेह

इनमें एक भी भारत में नहीं खेला गया, फुटबॉल के सबसे ज्यादा 775 मैच

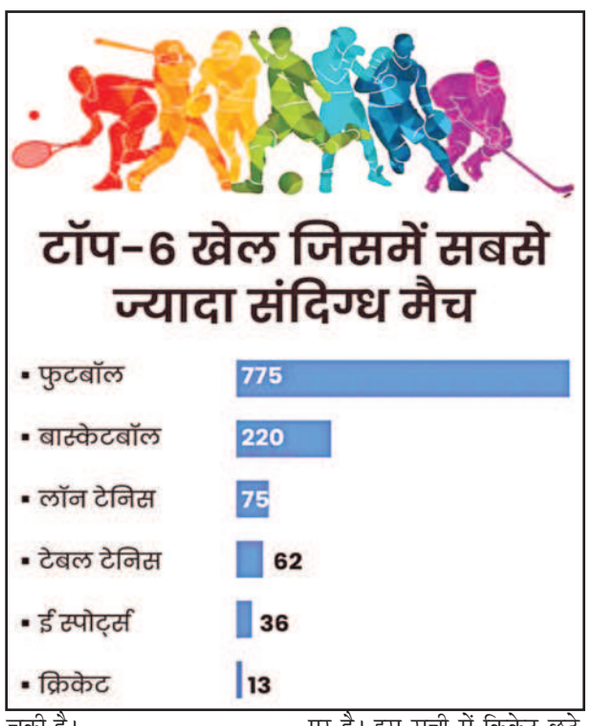

खेल डेस्क, 26 मार्च (एजेंसियां)। 2022 में पूरी दुनिया में खेले गए 13 क्रिकेट मैचों पर फिक्सिंग का संदेह जताया जा रहा। यह दावा हाल ही में जारी स्पोर्टरडार इंटीग्रिटी सर्विसेज द्वारा प्रकाशित एक समीक्षा रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में 13 क्रिकेट मैच ऐसे थे, जो भ्रष्टाचार के दायरे में आए हैं।

स्पोर्टरडार इंटीग्रिटी सर्विस यूनिट एक्सपर्ट्स की एक अंतरराष्ट्रीय टीम है जो खेल में सट्टेबाजी, मैच फिक्सिंग और भ्रष्टाचार के अन्य रूपों पर एनालिसिस करती है। मैचों के दौरान संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने के लिए कंपनी यूनिवर्सल फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम एप्लिकेशन का इस्तेमाल करती है।

2022 में सट्टेबाजी, भ्रष्टाचार और मैच फिक्सिंग

संस्था ने 32 पेज की एक रिपोर्ट जारी की है, जिसका शीर्षक '2022 में सट्टेबाजी, भ्रष्टाचार और मैच फिक्सिंग' है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में 92 देशों में आयोजित 12 खेल के 1212 मैच ऐसे रहे, जिनमें सट्टेबाजी, भ्रष्टाचार या फिक्सिंग हुई। यह संस्था साल 2020 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की भ्रष्टाचार रोधी इकाई के साथ भी काम कर चुकी है।

करप्शन, फिक्सिंग में क्रिकेट छठे स्थान पर

रिपोर्ट के अनुसार फुटबॉल का खेल करप्शन के मामले में सबसे आगे रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2022 के 1212 मैचों की लिस्ट में फुटबॉल (775 मैच) टॉप पर है, जिन पर संदेह है। 220 मैच के साथ बास्केटबॉल दूसरा और 75 मैच के साथ लॉन टेनिस तीसरे नंबर पर है। इस सूची में क्रिकेट छठे स्थान पर है। क्रिकेट के सिर्फ 13 मैचों पर फिक्सिंग का संदेह है।

रिपोर्ट के अनुसार, जो भी क्रिकेट के मैच संदेह के घेरे में हैं, उनमें से कोई भी भारत में नहीं खेला गया। क्रिकेट के 13 मैचों पर संदेह होना 'स्पोर्टरडार इंटीग्रिटी सर्विसेज' के रिकॉर्ड में किसी एक साल में हुए सबसे ज्यादा मामले हैं। इससे पहले इतने मैच कभी भी दर्ज नहीं किए गए।

यूरोप में खेले गए सबसे ज्यादा संदिग्ध मैच

साल 2022 के फिक्सिंग के संदिग्ध मैच एरिया के हिसाब देखें तो सबसे ज्यादा मैच यूरोप में 630, एशिया में 240, साउथ अमेरिका में 225, अफ्रीका में 93 और नॉर्थ अमेरिका में 24 मैच थे। साल 2021 की तुलना में नॉर्थ अमेरिका और ओशिनिया को छोड़कर हर एरिया में संदिग्ध मैचों की संख्या बढ़ी है। प्रतिशत के लिहाज से सबसे ज्यादा वृद्धि अफ्रीका (+82%) में और उसके बाद साउथ अमेरिका (+72%) में हुई।

आईपीएल से 1200 करोड़ का बेटिंग टर्नओवर

रिपोर्ट अनुसार करीब 135 मिलियन यूरो यानी करीब 1200 करोड़ रुपए का बेटिंग टर्नओवर (सट्टेबाजी की कमाई) आईपीएल से आता है। जो कि दुनियाभर की सभी लीगों में चौथे नंबर पर है।इससे ज्यादा बेटिंग टर्नओवर यूईएफए चैंपियंस लीग, इंग्लिश प्रीमियर लीग और नेशनल फुटबॉल लीग से आता है। तीनों ही फुटबॉल लीग हैं।

ओवरऑल खेलों के हिसाब से क्रिकेट चौथे नंबर पर है, जिससे 67 मिलियन यूरो (करीब 594.90 करोड़ रुपए) सट्टेबाजी का टर्नओवर आता है।

आईपीएल शुरू होने से पहले पंजाब किंग्स को बड़ा झटका

स्टार बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो चोटिल, ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट लेंगे जगह

खेल डेस्क, 26 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल शुरू होने से पहले ही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लग गया है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज और पंजाब किंग्स के बैटर जॉनी बेयरस्टो घुटने की चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए है। उनकी जगह पंजाब टीम ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉट को बुलाया है।

पंजाब किंग्स ने बीसीसीआई के माध्यम से इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से कई बार चोट पर अपडेट लेने की कोशिश की। अब ईसीबी है कि बेयरस्टो आईपीएल नहीं खेल पाएंगे।

गोल्फ खेलते समय हुए थे चोटिल

सितंबर 2022 में बेयरस्टो अपने दोस्तों के साथ गोल्फ खेलते-खेलते चोटिल हो गए थे। यह चोट उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पहले आई थी। गोल्फ कहले के दौरान वे फिसला गए थे। इस कारण उनके फाइबुला में कई फ्रैक्चर हो गए, जिसके लिए कुछ दिनों बाद सर्जरी के दौरान एक प्लेट डालने की जरूरत थी।

एशेज खेल सकते है बेयरस्टो

इस हफ्ते, बेयरस्टो ने यॉर्कशायर नेट्स में बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू किया है। वे इस समय काउंटी चैंपियनशिप में कुछ गेम्स खेलेंगे। बल्लेबाजी के साथ विकेट कीपिंग पर भी उनका फोकस रहेगा। ईसीबी चाहता है कि बेयरस्टो टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए पूरी तरह फिट हो जाए। 1 जून को इंग्लैंड टीम आयरलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट मैच खेलेगी। साथ ही 22 जून से इंग्लैंड में होने वाली एशेज सीरीज में भी बेयरस्टो दिखाई दे सकते है।

शॉर्ट का होगा पहला आईपीएल

शॉर्ट के लिए यह उनका पहला आईपीएल अनुभव होगा। हाल ही में हुए बिग बैश लीग में वे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे, जहां एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए ओपनिंग करते हुए, उन्होंने टूर्नामेंट में उन्होंने हार्डी के बाद सबसे ज्यादा रन बनाए।

शॉर्ट बल्लेबाजी के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते है। उन्होंने बीबीएल के दौरान पावरप्ले में गेंदबाजी करते हुए 7.13 की इकोनॉमी से कुल 11 विकेट लिए थे।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप : भारत को मनु भाकर ने दिलाया ब्रॉन्ज मेडल

भोपाल, 26 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के चौथे दिन शनिवार को भारत के खाते में एक ब्रॉन्ज आया। यह मेडल भारत की स्टार शूटर मनु भाकर ने दिलाया। इससे पहले मध्यप्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप तोमर थोड़े अंतर से मेडल चूक गए।

25 मीटर पिस्टल वुमन इवेंट के फाइनल में मनु ने आखिरी सीरीज में बेहतरीन निशाने लगाकर ब्रॉन्ज हासिल किया। इस इवेंट में चीन की डु जियन को सिल्वर एवं जर्मनी की वी. डोरेन ने गोल्ड हासिल किया। मनु के मेडल की मदद से वर्ल्ड कप में भारत के मेडल की कुल संख्या 6 हो गई है। टीम मेडल टैली के दूसरे पायदान पर है। अब तक भारत की झोली में एक गोल्ड, एक सिल्वर और चार ब्रॉन्ज आ चुके हैं।

चौथी सीरीज में परफेक्ट फाइव के साथ मनु की वापसी

25 मीटर पिस्टल विमेंस के रैंकिंग राउंड से दो भारतीय शूटर मनु भाकर और ईशा सिंह ने 8 खिलाड़ियों के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। मनु (290 अंक) ने तीसरे और ईशा (292 अंक) आठवें पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 29 खिलाड़ियों ने निशाना साधा। इसमें 5 भारतीय शूटर्स शामिल थे।

रैंकिंग मैच-1 में भाकर ने जर्मनी की डोरेन वेनेकैंप (14 अंक) के साथ तीसरे क्वालिफायर के रूप में मेडल राउंड में प्रवेश किया, जबकि ईशा सिंह बाहर हो गईं। मेडल मैच में मनु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने पहली सीरीज में 2 टारगेट ही हिट किए। फिर दूसरी सीरीज में 4, तीसरी में 3 शॉट निशाने पर मारे। पर वे अब भी पिछड़ रही थीं। फिर मनु ने चौथी सीरीज में सभी टारगेट हिट करते हुए 5 अंक स्कोर किए और अपना ब्रॉन्ज मेडल पक्का कर लिया। 5वीं सीरीज में मनु 2 टारगेट ही हिट कर सकीं और अपने पदक का रंग बदलने में नाकाम रही, हालांकि आखिरी सीरीज में उन्होंने 4 शॉट निशाने पर मारते हुए वापसी की कोशिश की, लेकिन यह सिल्वर के लिए काफी नहीं था।

मेडल मैच में मनु ने 20 अंक अर्जित किए। वहीं, गोल्ड जर्मनी की वी डोरेन (30 अंक) ने जीता। उन्होंने 8 सीरीज में से दो में परफोक्ट फाइव स्कोर किया। वहीं, सिल्वर जीतने वाली चीन की डु जियन (29 अंक) ने आठ सीरीज में से चार दफा 4 अंक स्कोर किए।

ब्रॉन्ज चूके ऐश्वर्य तोमर

दिन के पहले फाइनल में ऐश्वर्य प्रताप तोमर थोड़े अंतर से 50 मीटर रायफल 3 पोजिशन मेन इवेंट का ब्रॉन्ज चूक गए। उन्होंने ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एल जन को कड़ी टक्कर दी। ऐश्वर्य चौथी पोजिशन पर रहे। चीन के डू लिंशु ने जीता गोल्ड, हंगरी के पैनी इस्तवान को स्लिवर मेडल हासिल किया। इस तरह से चीन के पास 6 गोल्ड सहित 8 मैडल वहीं भारत के पास 1 गोल्ड सहित 6 मेडल हैं।

25 मीटर पिस्टल वुमन में भारत के ये शूटर्स उतरे

21 साल की वलनूर नायर अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप में 1 सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं।

18 साल की ईशा सिंह वर्ल्ड चैंपियनशिप में 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रांज, वर्ल्ड कप में 2 गोल्ड और 1 सिल्वर, आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 1 सिल्वर 1 ब्रांज आईएसएसएफ जूनियर कप में 3 गोल्ड और एशियन चैंपियनशिप में 3 गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं।

23 साल की अभिदनय अशोक पटेल वर्ल्ड चैंपियनशिप में 1 सिल्वर 1 ब्रान्ज के अलावा वर्ल्ड कप में 1 सिल्वर मेडल जीत चुके हैं।

19 साल की रिथम सांगवान अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप में 4 गोल्ड 3 सिल्वर, वर्ल्डकप में 3 गोल्ड 1 सिल्वर 1 ब्रान्ज, आईएसएसएफ जूनियर कप में दो गोल्ड जीत चुकी हैं।

50 मीटर राइफल 3 पोजिशन मेन में ये भारतीय शूटर्स उतरे

42 साल के संजीव राजपूत ने अभी तक वर्ल्ड कप में 2 गोल्ड 2 सिल्वर, एशियन चैंपियनशिप में 2 गोल्ड 1 सिल्वर और एशियन गेम्स में 1 सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। 22 साल के एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज, वर्ल्ड कप में 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में 1 गोल्ड और एशियन चैंपियनशिप में 2 ब्रॉन्ज मेडल हासिल कर चुके हैं।

27 साल के कुशन स्वप्निल अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप में 1 ब्रॉन्ज और वर्ल्ड कप में 2 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। 23 साल के नीरज कुमार ने अभी तक वर्ल्ड चैंपियनशिप में 1 ब्रॉन्ज, वर्ल्ड कप में 1 गोल्ड और एशियन चैंपियनशिप में 2 सिल्वर मेडल जीत चुके हैं।

27 साल के अखिल श्योरन अभी तक वर्ल्ड कप में 1 गोल्ड और 1 ब्रॉन्ज, आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में 1 सिल्वर एशियन चैंपियनशिप में 1 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं।

बॉक्सर स्वीटी बूरा के घर हिसार में जश्न

गोल्ड जीत फोन कर बोली- पापा मैंने वादा पूरा किया, फाइनल के वक्त मां करती रही पूजा

हिसार, 26 मार्च (एजेंसियां)। हिसार की बॉक्सर स्वीटी बूरा ने विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में गोल्ड जीता है। स्वीटी ने यह मुकाबला 81 किलोग्राम भार वर्ग में चीन की बॉक्सर को 4-1 से हराकर जीता। स्वीटी बूरा ने शनिवार को जब फाइनल खेला तो उस समय भी उसे गोल्ड और फीवर था, परंतु फिर भी उसने चैंपियनशिप जीती। स्वीटी ने कहा कि अभी भी तबीयत खराब है और अभी उसकी वापसी का पता नहीं है। क्योंकि अभी भी उसकी गेम चल रही है।

मां का सपना ओलिंपिक जीते बेटी

स्वीटी के मेडल जीतने की खुशी पर उसकी मां सुरेश कुमारी ने बताया कि जब उसका फाइनल मुकाबला चल रहा था तो वह पूरा समय पूजा में लगी रही। मैच जीतने के बाद ही उसने पूजा की।

उनकी बेटी ने उनका सपना पूरा कर दिया। पहले उसने सिल्वर मैडल जीता था। भगवान ऐसी बेटी सबको दें। मां ने कहा कि वह अब उसके आने पर उसे चूरमा खिलाकर मुंह मीठा करवाएगी। सुरेश कुमारी ने कहा कि उसकी जीत के लिए नवरात्रे रखे थे। माता रानी ने उसके सपने पूरे कर दिए। उसकी बेटी अब ओलिंपिक जीतने का भी सपना पूरा करेगी। माता रानी मेरी बेटी को गोल्ड जीताएगी।

स्वीटी ने वादा पूरा किया

स्वीटी के पिता महेंद्र सिंह बूरा ने बताया कि जाने से पहले स्वीटी ने कहा था कि पापा मैं गोल्ड लेकर आऊंगी। मैच जीतने के बाद उसने फोन करके कहा कि पापा मैंने अपना वादा पूरा किया। एरिया के लोग उसके स्वागत के लिए आएंगे और पूरी गर्म जोशी के साथ उसका स्वागत किया जाएगा। हम इस खुशी को बयान नहीं कर सकते।

कबड्डी टीम के कैप्टन के साथ हुई है शादी

हिसार की बेटी स्वीटी बूरा की शादी रोहतक के दीपक हुड्डा के साथ पिछले साल हुई थी। दीपक भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान है। शादी के बाद भी स्वीटी ने अपना खेल और प्रैक्टिस जारी रखा। हालांकि शादी के बाद स्वीटी पर जिम्मेदारियां बढ़ गई। क्योंकि दीपक के मां- बाप इस दुनिया में नहीं है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.